नई दिल्ली ■ रविवार 18 मई 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 48 ■ पृष्ठ 12

J B T जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

04 सजा से रुकेंगे जहरीली शराब जैसे हादसे | 11 नीरज की नजरें अब 90 मीटर से अधिक भाला फेंकने पर | 'गुंजन सक्सेना' की यादों को जाह्नवी कपूर ने फिर किया ताजा 10

हम न्यूक्लियर धमकी से नहीं डरते, 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बोले शाह

हमारी सेना ने पकिस्तान को घुसकर मारा

गुजरात। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात की राजधानी गांधीनगर में 708 करोड़ की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन व शिलान्यास किया और डाक विभाग के लाभ वितरण कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद से गुजरात की ही तर्ज पर देश का विकास किया है और आज भारत हर क्षेत्र में विकसित बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को हर क्षेत्र में विकसित करने के साथ-साथ सुरक्षित रखने का काम भी किया है। उन्होंने कहा कि 2014 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले देश में आए दिन आतंकी हमले होते थे, पाकिस्तान से आतंकी आते थे और हमारे जवानों और जनता को मार कर चले जाते थे और बम धमाके करते थे, लेकिन कोई जवाब नहीं दिया जाता था।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से तीन बड़े आतंकी हमले हुए। पहला हमला उरी, दूसरा पुलवामा और तीसरा हमला हाल ही में पहलगाम में करने का दुस्साहस पाकिस्तान-प्रेरित आतंकवादियों ने किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हर हमले का जवाब इतनी ताकत के साथ दिया है कि आज पूरी दुनिया आश्चर्यचकित होकर देख रही है और पाकिस्तान भयभीत होकर उसका अनुभव कर रहा है। शाह ने कहा कि जब उरी में आतंकी हमला हुआ तब भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक कर उसका प्रतीकात्मक जवाब दिया गया, पुलवामा हमले के जवाब में एयर स्ट्राइक कर चेतावनी दी गई।

पाकिस्तान और आतंकवादी फिर भी नहीं सुधरे और उन्होंने पहलगाम में हमला किया, लेकिन इस बार ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवादियों के हेडक्वार्टर को नेस्तनाबूद कर दिया गया। उन्होंने कहा कि दुनियाभर के सुरक्षा विशेषज्ञ ऑपरेशन सिंदूर का एनालिसिस करते हैं तो आश्चर्यचकित रह जाते हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का बदला जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैय्यबा के हेडक्वार्टर को मिट्टी में मिलाकर लिया। पाकिस्तानी आतंकवादियों ने हमारे नागरिकों, पर्यटकों, निहत्थे लोगों का धर्म पूछकर, उनके परिवारों और बच्चों के सामने उनकी कायराना और निशृंस हत्या की। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का जवाब अपने संस्कार के हिसाब से दिया। शाह ने कहा कि भारत ने जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैय्यबा के हेडक्वार्टर उड़ा दिए और भारत की वीर सेनाओं ने 9 ऐसे ठिकानों को ध्वस्त करने का काम किया जहां आतंकी तैयार और प्रशिक्षित किए जाते थे। उन्होंने कहा कि POK में कई स्थानों और पाकिस्तान की सीमा में 100 किलोमीटर अंदर जाकर हमारी सेना ने आतंकवादियों को जवाब देने का काम किया है।

अमित शाह ने कहा कि कई अंतर्राष्ट्रीय आतंकी घटनाओं के सरगना और कैंपों में छिपे आतंकियों को हमारे बमों के धमाकों की गूंज ने स्पष्ट संदश भेजा कि अगर भारत की जनता के साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार किया गया और आतंकी घटना की गई, तो उसका जवाब दोगुने जोश के साथ दिया जाएगा। गृह मंत्री ने कहा कि हमने सिर्फ आतंकी अड्डों पर ही हमला किया था, लेकिन पाकिस्तान की सेना ने 8 मई को हमारी निर्दोष जनता पर कच्छ से लेकर कश्मीर और भारत की पश्चिमी सीमा पर हमला करने का दुस्साहस किया।

प्रधानमंत्री मोदी के शासनकाल में परफेक्ट हुए हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने एक भी मिसाइल और ड्रोन को भारत की भूमि पर नहीं गिरने दिया। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा 100 से अधिक दुर्दांत आतंकियों को समाप्त करने के बाद पाकिस्तान किसी भी प्रकार भारत को नुकसान पहुंचाने में सफल नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना सोच ही रही थी, तभी 9 मई को भारत के वीर जवानों ने 15 जगहों पर पाकिस्तान के कई एयरबेस पर उनकी वायु सेना की हमला करने की क्षमता को तहस नहस कर दिया। गृह मंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की सेनाओं के सामर्थ्य को आश्चर्यचकित होकर देख रही है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि भारत ने आज़ादी के बाद पहली बार पाकिस्तान में 100 किलोमीटर अंदर जाकर पाकिस्तानी आतकी कैंप्स को ध्वस्त करने का काम किया। उन्होंने कहा कि जो हमें न्यूक्लीयर के नाम पर डराते थे, हमारी वायु, जल और थल सेना ने उन्हें ईंट का जवाब पत्थर से देने का काम किया है।

आज पूरी दुनिया हमारी सेनाओं की मारक क्षमता की सटीकता, संयम और प्रधानमंत्री मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति की प्रशंसा कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत की तीनों सशस्त्र सेनाओं के जवानों को आज पूरा देश सलाम कर रहा है। अमित शाह ने कहा कि हमारी सशस्त्र सेनाओं के पराक्रम से पूरे देश का मस्तक गर्व से ऊंचा हुआ है। उन्होंने कहा कि हम सबके लिए गर्व का विषय है कि गुजरात और भारत माता के सपूत हमारे नेता नरेन्द्र मोदी जी ने भारत माता के मस्तक को ऊंचा और देश को सुरक्षित करने का काम किया है। गृह मंत्री ने कहा कि जब तक दुनिया में मिलिटरी ऑपरेशन्स की चर्चा होगी तब ऑपरेशन सिंदूर की भी चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का नामकरण स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमारी माताओं-बहनों के सम्मान में किया। उन्होंने कहा कि सिंदूर का सम्मान भारत का संस्कार है और इस ऑपरेशन का नाम सिंदूर रखने से पूरी दुनिया को यह संदेश देने का काम हो गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में जो वादा किया था कि हम पहलगाम आतंकी हमले का बदला ज़रूर लेंगे, उन्होंने वह वादा पूरा करके दिखाया है।

यूट्यूबर को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया

चंडीगढ़। हरियाणा की एक यूट्यूबर को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों को संवेदनशील जानकारी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हरियाणा के हिसार की रहने वाली और 'ट्रैवल विद जेओ' नाम से यूट्यूब चैनल संचालित करने वाली ज्योति मल्होत्रा को न्यू अग्रसेन एक्सटेंशन से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बताया कि उसके खिलाफ सरकारी गोपनीयता अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। अदालत ने उसे पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। वह दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग में काम करने वाले एक पाकिस्तानी कर्मचारी से कथित तौर पर संपर्क में थी। तेरह मई को, भारत ने कथित तौर पर जासूसी में लिप्त होने के कारण उस पाकिस्तानी अधिकारी को निष्कासित कर दिया था। इससे पहले, पंजाब पुलिस ने मलेरकोटला से एक महिला समेत दो लोगों को उच्चायोग में तैनात पाकिस्तानी अधिकारी से जुड़ी जासूसी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया था। सिविल लाइंस पुलिस थाने में 16 मई को दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, 2023 में ज्योति पाकिस्तान उच्चायोग में एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश के संपर्क में आई, जहां वह पड़ोसी देश की यात्रा के लिए वीजा लेने गई थी। प्राथमिकी के अनुसार, दो बार पाकिस्तान जा चुकी ज्योति, दानिश के परिचित अली अहवान से मिली थी, जिसने उसके वहां ठहरने की व्यवस्था की थी। अहवान ने ज्योति की पाकिस्तानी सुरक्षा और खुफिया अधिकारियों से मुलाकात कराई तथा शाकिर और राणा शाहबाज से मुलाकात कराई। किसी भी संदेह से बचने के लिए उसने शाहबाज का मोबाइल नंबर 'जट रंधावा' के नाम से दर्ज कर रखा था। प्राथमिकी के अनुसार, वह व्हाट्सएप, टेलीग्राम और स्नैपचैट के जरिए इन लोगों के संपर्क में थी और उन्हें संवेदनशील जानकारी देती थी। उसने दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग में कई बार दानिश से मुलाकात की और यह पाया गया कि वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के संपर्क में थी। ज्योति की गिरफ्तारी से एक दिन पहले, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के साथ कथित तौर पर संबंध रखने वाली 25 वर्षीय एक स्नातकोत्तर छात्रा को कैथल से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि कैथल जिले के गुहला इलाके के रहने वाले आरोपी देवेंद्र सिंह को, सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ तस्वीरें अपलोड करने के आरोप में उसके खिलाफ रविवार को प्राथमिकी दर्ज होने के बाद गिरफ्तार किया गया। कुछ दिन पहले, 24 वर्षीय युवक नोमान इलाही को पाकिस्तान में कुछ लोगों को संवेदनशील जानकारी देने के आरोप में पानीपत जिले से गिरफ्तार किया गया था।

संक्षिप्त खबरें

तेलंगाना: मुलुगु जिले से 20 माओवादी गिरफ्तार, आठ ने किया आत्मसमर्पण

मूलिंग। तेलंगाना के मुलुगु जिले में माओवादियों को बड़ा झटका लगा है। नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत शनिवार को जहां 20 माओवादियों को गिरफ्तार किया गया है वहीं आठ माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। ऑपरेशन कगार का भी माओवादियों पर असर दिख रहा है।पुलिस ने उनके पास से भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। माओवादी पार्टी के विभिन्न पदों पर कार्यरत सदस्यों ने आज जिला पुलिस अधीक्षक शबरीश के समक्ष आत्मसमर्पण किया। नक्सली तेलंगाना पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने की इच्छा दिखा रहे हैं। पुलिस का कहना अब माओवादी संघर्ष छोड़ कर आत्मा समर्पण समर्पण करने और हथियार छोड़कर मुख्यधारा में जुड़ने की इच्छा जता रहे हैं।

ऑपरेशन 'घोस्ट सिम' में फर्जी सिम रैकेट का भंडाफोड़, सात गिरफ्तार

गुवाहाटी। सेना की गजराज कोर मिलिट्री इंटेलिजेंस से मिली सूचना पर असम पुलिस की स्पेशल ब्रांच और स्पेशल टास्क फोर्स ने कार्रवाई करते हुए फर्जी सिम कार्ड रैकेट का पर्दाफाश किया। इस आशय की जानकारी आज असम के पुलिस के महानिदेशक हरदीप सिंह ने शनिवार को पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में दी। उन्होंने बताया कि रैकेट असम, राजस्थान और तेलंगाना में सक्रिय था। सूचना को कार्रवाई योग्य इनपुट में बदलने के बाद ऑपरेशन घोस्ट सिम की योजना बनाई गई। यह ऑपरेशन असम के धुबड़ी और मोरीगांव, तेलंगाना के संगारेड्डी और राजस्थान के भरतपुर एवं अलवर जिलों में 16 मई की दोपहर से शुरू किया गया।

श्रीनगर में आतंकियों के 23 सहयोगियों पर पीएसए के तहत मामला दर्ज

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर में आतंकवादियों के 23 सहयोगियों और उपद्रवियों के खिलाफ कड़े सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपियों को हिरासत में लेकर पुंछ, उधमपुर के जिला कारागार और जम्मू की कोट भलवाल जेल में रखा गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए नुकसानदेह और आपराधिक तत्वों के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई में श्रीनगर पुलिस ने विध्वंसक गतिविधियों में शामिल प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के 23 सहयोगियों और सार्वजनिक अशांति में शामिल बदमाशों के खिलाफ पीएसए के तहत मामला दर्ज किया है।

सीलमपुर में किशोर की हत्या के मामले में 2 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर स्थित एक पार्क में 16 वर्षीय किशोर की हत्या करने के आरोप में एक नाबालिग समेत दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बृहस्पतिवार रात करीब साढ़े 11 बजे पुलिस नियमित गश्त के दौरान सीलमपुर के सेंट्रल पार्क में पहुंची, जहां पुलिस ने खून से लथपथ एक किशोर का शव देखा। उन्होंने कहा कि मृतक की पहचान रेहान उर्फ सीलमपुरिया के रूप में हुई है।

सिंधु जल संधि के निलंबन के बाद केंद्र ने चिनाब पर रणबीर नहर के विस्तार की योजना बनाई

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के उपरांत सिंधु जल संधि को निलंबित करने के बाद भारत को मिलने वाले पानी का अधिकतम उपयोग करने के प्रयासों के तहत केंद्र सरकार चिनाब नदी पर रणबीर नहर की लंबाई बढ़ाने की योजना पर विचार कर रही है।

इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अब तक भारत चिनाब से सीमित पानी का उपयोग करता रहा है जिसमें ज्यादातर सिंचाई के लिए होता है, लेकिन अब संधि के निलंबित होने पर इसका उपयोग, खासकर बिजली की मांग को पूरा करने के लिए ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र में बढ़ाए जाने की गुंजाइश है। वहीं, एक अन्य अधिकारी ने कहा कि भारत नदियों पर अपनी मौजूदा जलविद्युत क्षमता को लगभग 3000 मेगावाट बढ़ाने की योजना बना रहा है जिसका इस्तेमाल पहले पाकिस्तान कर रहा था और जलविद्युत क्षमता बढ़ाने के संबंध में अध्ययन की योजना बनाई जा रही है। अधिकारी ने कहा कि एक प्रमुख योजना रणबीर नहर की लंबाई को 120 किलोमीटर तक बढ़ाने की है। उन्होंने यह भी बताया कि चूंकि बुनियादी ढांचे के निर्माण में समय लगता

है, इसलिए सभी हितधारकों से प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया गया है।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा, कठुआ, रावी और परागवाल नहरों से गाद निकालने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। वर्ष 1960 में विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुई सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी और इसकी सहायक नदियों के पानी के वितरण और उपयोग से संबंधित है। लेकिन भारत ने पहलगाम हमले के बाद संधि को निलंबित करने का फैसला किया और तब से भारत कहता आ रहा है कि संधि तब तक निलंबित रहेगी जब तक पाकिस्तान विश्वसनीय और स्थायी रूप से सीमा पार आतंकवाद का समर्थन करना नहीं छोड़ देता।

चंडीगढ़ विश्वविद्यालय ने तुर्किए एवं अजरबैजान के 23 विवि से अनुबंध तोड़ा

चंडीगढ़। निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को समर्थन देने के कारण तुर्किए और अज़रबैजान की 23 यूनिवर्सिटी से तत्काल एमओयू रद्द कर दिए हैं। राज्यसभा सांसद और सीयू के चांसलर सतनाम सिंह संधू ने शनिवार को जारी जानकारी में बताया कि यह सभी एमओयू पांच वर्षों तक चलने वाले थे।

जिसमें जनवरी 2025 में अंकारा यिल्डिरिम बेयाजित यूनिवर्सिटी के साथ किया एमओयू भी शामिल है। संधू ने कहा कि चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी का दृष्टिकोण हमेशा राष्ट्र प्रथम की भावना से जुड़ा रहा है और उसी दृष्टिकोण के अनुरूप, हमने तुर्किए और अज़रबैजान के साथ अपने सभी शैक्षिक संबंधों (एमओयू) को तत्काल समाप्त करने का निर्णय लिया है। जब राष्ट्रीय सुरक्षा की बात आती है तो हमारे लिए देश से अधिक महत्वपूर्ण कुछ भी नहीं है। भारत की अखंडता और संप्रभुता के आगे किसी भी चीज से समझौता नहीं करेंगे। संधू ने कहा कि जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि आतंकवाद के आरोपितों और उनकी मदद करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी भी आतंकवाद और इसे प्रायोजित करने वालों के खिलाफ लड़ाई में पूरे देश के साथ खड़ी है।

इन समझौता ज्ञापनों के तहत चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी नियमित कोर्सेज स्टूडेंट और फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम, अकादमिक एक्सचेंज प्रोग्राम, रिसर्च प्रोजेक्ट्स, कर्मचारियों के आदान-प्रदान के लिए तुर्की और अज़रबैजान में उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ सहयोग कर रहा था। लेकिन यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है कि तुर्किए और अज़रबैजान ने कठिन समय के दौरान भारत की सद्भावना, सहायता और रणनीतिक समर्थन प्राप्त करने के बावजूद अब पाकिस्तान के साथ गठबंधन कर लिया है, जो आतंकवाद के साथ अपने संबंधों के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है।

दिल्ली में धूल भरी आंधी और बारिश से गर्मी से राहत, कई इलाकों में नुकसान

नई दिल्ली। दिल्ली में एक बार फिर मौसम ने करवट ली है। शनिवार दोपहर अचानक मौसम में बदलाव आया, जिससे राजधानी के कई इलाकों में धूल भरी आंधी चली और बाद में बारिश हुई। दिनभर की तेज धूप के बाद आई इस बारिश से भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को बड़ी राहत मिली।

हालांकि, तेज हवाओं और बारिश के कारण कई स्थानों पर नुकसान की खबरें भी सामने आई हैं। मौसम विभाग (आईएमडी) ने पहले ही मौसम में इस बदलाव की संभावना जताई थी और आने वाले दिनों में भी हल्की बारिश की संभावना व्यक्त की है। शनिवार को हवा की रफ्तार 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहा। तेज हवाओं के चलते दिल्ली की सड़कों पर जगह-जगह पेड़ गिरने और ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रही।

अशोक रोड पर एक विशाल पेड़ ऑटो पर गिर गया, जिससे वह बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं, रैपिड रेल मेट्रो के अशोक नगर स्टेशन का शेड भी तेज हवा की वजह से क्षतिग्रस्त हो गया। अचानक बारिश से बचने के लिए लोग बस स्टॉप, मेट्रो स्टेशन और दुकानों के शेड के नीचे खड़े हो गए, जबकि कई लोग इस मौसम का लुत्फ उठाते नजर आए। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार शाम को भी दिल्ली-एनसीआर में गरज के साथ हल्की बारिश हुई थी।

दिल्ली में दीवार ढहने की अलग-अलग घटनाओं में चार लोगों की मौत

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली में बारिश के कारण एक निर्माणाधीन इमारत के बेसमेंट की दीवार ढह जाने के कारण तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि दीवार ढहने की एक अन्य घटना में, बाहरी उत्तर दिल्ली में वेल्डिंग का काम कर रहे 35 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई और उसका सहकर्मी घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि यह हादसा उस समय हुआ, जब प्रभु नाम का ठेकेदार अपने मजदूरों निरंजन और रोशन के जरिये बेसमेंट में निर्माण कार्य करा रहा था। पुलिस उपायुक्त (मध्य) एम. हर्षवर्धन ने बताया कि इस हादसे में प्रभु (65), निरंजन(40) और रोशन(35) की मौत हो गई, जबकि 35 वर्षीय छुट्टन का इलाज चल रहा है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना पहाड़गंज इलाके में हुई और उन्हें शाम 6.05 बजे इसकी सूचना मिली। दमकल की चार गाड़ियों को मौके पर भेजा गया था। बाहरी उत्तर दिल्ली के शाहबाद डेरी इलाके में एक अलग घटना में 35 वर्षीय अशोक की मौत हो गई और 36 वर्षीय सुमित घायल हो गया। आंधी के दौरान एक दीवार गिरने के कारण यह घटना हुई। उस समय वे वेल्डिंग का काम कर रहे थे।

गाजियाबाद में पुलिस व बदमाशों के बीच चली गोलियां, 2 बदमाश घायल

तीन बदमाश गिरफ्तार, तमंचे व कारतूस बरामद, अस्पताल में भर्ती

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस ने शुक्रवार की रात में दो अलग-अलग स्थान पर मुठभेड़ के दौरान तीन शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस द्वारा चलाई गयी गोली से दो लुटेरे घायल हो गए जिन्हे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह तीनों ही लुटेरे दिल्ली एनसीआर में सक्रिय रहकर लूट की कई वारदातों को अंजाम दे चुके हैं।

एसीपी अतुल कुमार सिंह ने शनिवार को बताया कि शालीमार गार्डन पुलिस बीएसएनएल एक्सचेंज के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी। तभी एक स्कूटी पर संदिग्ध अवस्था में दो युवक आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया। पुलिस के इशारे की अनदेखी करते हुए यह लोग वापस भागने लगे। तभी पुलिस ने इनका पीछा किया और कुछ ही दूरी पर जाकर घेर लिया। घिरा देखकर बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी । पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की जिसमें एक बदमाश घायल होकर वहीं गिर पड़ा जिसे पुलिस ने दबोच लिया । पुलिस ने उसके दूसरे साथी को भी गिरफ्तार कर लिया । घायल बदमाश का नाम करन है जो बेटा हाजीपुर का निवासी है। जबकि दूसरे बदमाश का नाम सुशील शर्मा है। जो मूल रूप से मेरठ जिले के सिसौली गांव का रहने वाला है और वर्तमान में दिल्ली में रहता है।

पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि यह लोग शातिर चेन लुटेरे हैं । पिछले दिनों उन्होंने एक महिला के गले से मंगलसूत्र भी लूटा था। पुलिस ने जिसे टूटी-फूटी हालत में बरामद कर लिया है। इसके अलावा पुलिस ने बदमाशों के पास से01 तमंचा, 01 खोखा कारतूस, 01 जिंदा कारतूस, 01 मंगलसूत्र दो टुकड़ों में टूटा हुआ, लूट की घटना से संबंधित 7,000/- रुपये व घटनाओं में प्रयुक्त 01 स्कूटी बरामद की हैं। वहीं थाना वेव सिटी पुलिस ने भी जगदम्बा मातृउमा मंदिर आदित्य वर्ल्ड सिटी के पास मुठभेड़ के दौरान साथी अपराधी प्रवीण उर्फ परविन्द्र को गिरफ्तार किया है जो बयाना गांव का रहने वाला है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस द्वारा चलाई गई गोली से उसके कब्जे से एक तमंचा कारतूस मोटरसाइकिल में लूटे गए 1600 रुपए बरामद हुए हैं। पूछताछ करने पर बताया कि आरोपी ने बताया कि मैं अपने गांव के साथी पंकज निवासी ग्राम बयाना के साथ मिलकर गाजियाबाद में जगह जगह पर चोरी व लूट की घटनाओं को अंजाम देते है। पहले भी मैं कई बार जेल जा चुका हूँ ।

14 मई को मैनें अपने साथी पंकज के साथ मिलकर आदित्य वर्ल्ड सिटी के पास से एक व्यक्ति से 1800 रुपये एवं एक मोबाइल लूटा था । जिसका उस व्यक्ति द्वारा विरोध किया तो मैनें उसको घायल करके मौके से भाग गया था । लूटे गये मोबाइल को मैने लालकुंआ पर राह चलते व्यक्ति को 2000 रुपये में बेच दिया था । जिसमें से मैने 400 रुपये खर्च कर लिये हैं।

फ्लाइट में चोरी करने वाला चीनी नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में यात्रियों के साथ हो रही चोरियों के मामले में एक बड़ी सफलता हासिल की है। एयर इंडिया की फ्लाइट AI-315 (हांगकांग से दिल्ली) में यात्रा कर रहे यात्रियों की सतर्कता और एयरलाइन स्टाफ की सूझबूझ के चलते एक चीनी नागरिक बेनलाई पैन (30 वर्ष) को चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ एफआईआर संख्या 378/2025, धारा 303(2) BNS के तहत थाना आईजीआई एयरपोर्ट में मामला दर्ज किया गया है ।आईजीआई एयरपोर्ट डीसीपी उषा रंगनानी ने बताया कि 14 मई 2025 को एयर इंडिया की फ्लाइट में यात्रियों ने संदिग्ध गतिविधियों की शिकायत की थी। शिकायत मिलने पर सुरक्षा टीम ने चार चीनी नागरिकों को हिरासत में लिया। जांच के दौरान पाया गया कि आरोपी ने बिना अनुमति के अन्य सीटों पर जाकर यात्रियों का सामान खंगाला था। यात्री प्रभात वर्मा (सीट 12C) ने बताया कि उनके बैग से बैंक ऑफ अमेरिका का क्रेडिट कार्ड गायब हो गया था, जो बाद में सीट 14C के नीचे मिला – जहां आरोपी बेनलाई पैन बिना सीट आवंटन के बैठा था। एक अन्य यात्री प्राशी ने अपनी मां का एचडीएफसी डेबिट कार्ड गायब होने की सूचना दी। यात्री नफीज फातिमा ने आरोपी का एक वीडियो प्रस्तुत किया जिसमें वह अन्य यात्रियों के बैग खंगालता हुआ दिखाई दे रहा है ।शिकायत के अनुसार इंस्पेक्टर शुशिल गोयल के नेतृत्व में टीम बनाई गई, टिम ने सीसीटीवी फुटेज, एयरलाइन स्टाफ के बयान और आरोपियों के मोबाइल फोन व बैग की जांच की। पुलिस ने यह भी पता लगाया कि यह गिरोह पहले भी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे चुका है। गिरोह लंबी दूरी की ट्रांजिट फ्लाइट बुक कर अलग-अलग सीटों पर बैठना ताकि किसी को शक न हो, सोते हुए यात्रियों के बैग से कीमती सामान और कार्ड चुराना कार्ड का दुरुपयोग कर उन्हें तुरंत फेंक देना। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी बेनलाई पैन को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि अन्य तीन की भूमिका की जांच जारी है। मुख्य आरोपी बेनलाई पैन के साथ मेंग गुआंगयांग (51 वर्ष),चांग मंग (42 वर्ष) लियु जे (45 वर्ष) को भी हिरासत में लेकर पूछताछ कर पिछले 12 महीनों के यात्रा डेटा की समीक्षा कर रही है। ताकि यह पुष्टि की जा सके कि यह गिरोह किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़ा हुआ है या नहीं।

दिल्ली पुलिस जवानों के लिए बड़ी तैयारी

नई दिल्ली। खतरे की बढ़ती आशंका के बीच, दिल्ली पुलिस अपनी अग्रिम पंक्ति की तैनाती को मजबूत करने और कर्मियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए एडवांस प्रोटेक्टिव गियर खरीद रही है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बड़ी मात्रा में बुलेट-प्रूफ इक्यूपमेंट्स खरीदे जा रहे हैं। पुलिस बल लगभग 7,900 बुलेट-रोधी जैकेट और हेलमेट खरीद रहा है। ये हैंडगन और इसी तरह के हथियारों से 3ए-स्तर की सुरक्षा प्रदान करेंगे। असॉल्ट राइफलों और उस ग्रेड के हथियारों से खतरों से सुरक्षा के लिए उन्नत स्तर 5 सुरक्षा प्रदान करने वाली 7,930 जैकेट भी खरीदी जा रही हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सिख धर्म के कुछ पुलिसकर्मियों सहित कुछ पुलिसकर्मियों द्वारा उपयोग के लिए 1,493 बुलेट-रोधी पटके भी खरीदे जा रहे हैं। पटके में अतिरिक्त सुरक्षा के लिए एक्सपेंडेबल पॉलीथीन शीट या ईवीए फोम शीट से ढका एक स्टील बैंड शामिल है।

संक्षिप्त खबरें

नौकरी से लौट रहे युवक को कार ने टक्कर मारी, घायल

गाजियाबाद। वेव सिटी थानाक्षेत्र में नौकरी से लौट रहे युवक को कार ने टक्कर मारी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है। इस मामले में पीड़ित के भाई ने वेव सिटी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, महेंद्र कुमार ने शिकायत दी है कि उनके भाई श्रीपाल आदित्य वर्ल्ड सिटी स्थित एक कंपनी में काम करता है। वे 13 मई की रात करीब साढ़े सात बजे अपने सहकर्मी किशन भारती और व्यास कुमार के साथ ड्यूटी खत्म कर वापस घर लौट रहा था। तभी आदित्य वर्ल्ड सिटी के गेट नंबर चार के सामने तेज रफ्तार गाड़ी ने उसके भाई और उसके सहकर्मी व्यास कुमार को पीछे से टक्कर मार दी, जिसमें श्रीपाल गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे घायल अवस्था में निजी अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। एसीपी का कहना है कि पीड़ित के भाई की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

छात्रों ने स्केटिंग प्रतियोगिता में पदक जीतें

ट्रांस हिंडन। वसुंधरा के आधारशीला पब्लिक स्कूल में शनिवार को अंतरविद्यालय स्केटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्या बाल भवन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए। प्रतियोगिता में नोएडा, दिल्ली और गाजियाबाद के विभिन्न स्कूलों के विद्यालयों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में तृषा वेदी, इशिका गुप्ता, यश्वी, लक्ष्य तिवारी, अभिष खन्ना, आरव गुप्ता, अद्विक संयुज और रचित कांडवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीते। वहीं, आरव जैन, अंशज कटियार, अभिषा खन्ना और हिमांक जोशी ने सिल्वर मेडल और वर्तिका ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

रेलवे स्टेशन की खामियां जल्द दूर करने के निर्देश

मोदीनगर। रेलवे बोर्ड के महाप्रबंधक ने शनिवार को मोदीनगर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता परखी और अनियमिताओं पर फटकार लगाई। साथ ही, खामियों को जल्द दूर करने के निर्देश दिए। मोदीनगर रेलवे स्टेशन का प्रधानमंत्री अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कायाकल्य किया जा रहा। इसके तहत स्टेशन परिसर में निर्माण कार्य चल रहा। सूत्रों के अनुसार, 70 प्रतिशत कार्य हो चुका है। शनिवार सुबह करीब दस बजे रेलवे बोर्ड के जीएम अशोक कुमार वर्मा टीम के साथ रेलवे स्टेशन पहुंचे। उन्होंने निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान स्टेशन के मुख्य गेट के पास बरसात का पानी भरा मिला। पानी की निकासी न होने पर उन्होंने ठेकेदार को फटकार लगाई।

'ऑपरेशन मिलाप' के तहत लापता नाबालिग लड़की को परिवार से मिलाया

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (AHTU) की टीम ने एक सराहनीय और मानवीय कार्य करते हुए ऑपरेशन मिलाप के तहत एक 16 वर्षीय लापता नाबालिग लड़की को सकुशल उसके परिवार से मिला दिया ।साउथ वेस्ट जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि 9 मई को थाना सागरपुर में एक शिकायत प्राप्त हुई, जिसमें एक 16 वर्षीय नाबालिग लड़की ‘एउ‘ के लापता होने/अपहरण की रिपोर्ट दर्ज की गई। शिकायत मिलते ही थाना सागरपुर में भारतीय दंड संहिता की धारा 137(2) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज कर लिया गया और लड़की की तलाश प्रारंभ की गई ।लड़की की तलाश के लिए इंस्पेक्टर बलबीर सिंह (प्रभारी AHTU/SWD) के नेतृत्व में महिला मुख्य आरक्षी शर्मिला और महिला कांस्टेबल सीमा की एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तत्परता दिखाते हुए नाबालिग के परिवार व मित्रों से संपर्क किया और अपने गुप्त सूत्रों को भी सक्रिय किया। लड़की की जानकारी व तस्वीरें विभिन्न संस्थानों, पुलिस अधिकारियों और परिचितों के साथ साझा की गईं ।टिम ने 11 मई को लापता नाबालिग लड़की को सकुशल बरामद कर लिया। पूछताछ में लड़की ने बताया कि घर में पाबंदियों के चलते उसने घर छोड़ने का निर्णय लिया था। सभी वैधानिक प्रक्रियाओं के बाद उसे परिवार को सौंप दिया गया।

गाजियाबाद में भारी मात्रा में अवैध पटाखा जब्त

एक आरोपी गिरफ्तार, मकान को बनाया था अड्डा; पुलिस के भी उड़े होश

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक मकान में अवैध तरीके से पटाखों का निर्माण का कार्य करने वाले एक शख्स को गिरफ्तार किया है। जिसकी वजह 33 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर गुलशन कालोनी ग्राम शहजादपुर में स्थित एक मकान में अवैध तरीके से पटाखों का निर्माण का कार्य करने वाले अभियुक्त इरफान पुत्र सगीर निवासी फर्रुखनगर असालतपुर थाना टीलामोड गाजियाबाद उम्र 33 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। जिसके कब्जे से 10 पेटी फायर शाट्स (पूर्ण निर्मित कुल संख्या 1800) व 500 सुतली बम व 500 सुतली बम लाल टेप से कसे हुए व 10 पैकेट डेटोनेटर फायर शाट्स बनाने में प्रयोग होने वाले (कुल 1000) व 14 बोरे (कुल वजन 285 किलो) फायर शाट्स बनाने में प्रयोग होने वाला सफेद पाउडर व 39 किलो 220 ग्राम फायर शाट्स बनाने में प्रयोग होने काला पाउडर (बारूद) व 34 किलो 860 ग्राम फायर शाट्स बनाने में प्रयोग होने वाला सिक्के का चूरा / बूटटा व 08 किलो 600 ग्राम फायर शाट्स बनाने मे प्रयोग होने वाला हल्के पीले व सफेद रंग का पाउडर (गंधक-पोटाश) तथा पटाखे बनाने की अवैध सामग्री उपकरण सहित बरामद हुई। इसके अलावा बरामदगी के आधार पर थाना मुरादनगर पर तत्काल धारा-9(बी)1(बी) विस्फोटक अधिनियम 1884 एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया है। आगे की जांच की जा रही है।

पूछताछ में आरोपी ने कबूला जुर्म

अभियुक्त ने पूछताछ करने पर बताया कि मैं और मेरे अन्य साथी इस मकान में पटाखे बनाने के उपकरण से अवैध रूप से पटाखे तैयार कर अलग-अलग मार्का लगाकर जगह-जगह बेच देते हैं। जिससे हमें काफी मुनाफा होता है। अवैध रूप से पटाखे बनाकर बेचने से प्राप्त मुनाफे से हम अपना खर्चा चलाते हैं। हमारे पास इसका कोई लाइसेंस भी नहीं है।

गिरफ्तार अभियुक्त

गाजियाबाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इरफान पुत्र सगीर को गिरफ्तार किया है। जिसकी उम्र 33 वर्ष बताई जा रही है। वहीं दूसरी तरफ वांछित अभियुक्तों के नाम हैं कामिल, समीर, आस मोहम्मद, महबूब और इसरार हैं। ये सभी मुरादनगर के रहने वाले हैं।

आरोपी से बरामद किया गया सामान

पुलिस को आरोपी के पास से 10 पेटी फायर शाट्स, 500 सुतली बम, 500 सुतली बम लाल टेप से कसे हुए। 10 पैकेट डेटोनेटर फायर शाट्स बनाने में प्रयोग होने वाले, 14 बोरे फायर शाट्स बनाने में प्रयोग होने वाला सफेद पाउडर, 39 किलो 220 ग्राम फायर शाट्स बनाने में प्रयोग होने काला पाउडर, 34 किलो 860 ग्राम फायर शाट्स बनाने में प्रयोग होने वाला सिक्के का चूरा, बूटटा और 8 किलो 600 ग्राम फायर शाट्स बनाने मे प्रयोग होने वाला हल्के पीले व सफेद रंग का पाउडर. 20 बोरे फायर शाट्स बनाने वाली गत्ते की बेलनाकार नली, 215 बंडल पैकिंग के छोटे गत्ते, 30 बंडल पैकिंग के बडे गत्ते, 5 बंडल सफेद रंग का चमकीला पेपर रैपर और 7 बंडल महरुम रंग का चमकीला पेपर रैपर, 3 हथौडे प्लास्टिक के, 5 बेलन प्लास्टिक के, 2 बेलन लकड़ी के, 3 बेलन लोहे के, एक छोटा जैक, एक ड्रिल मशीन , एक मिक्सी मशीन, एक छोटा ड्रम रंग नीला, एक सफेद रंग का टब मय ढक्कन, 6 टेप कटिंग मशीन, 15 बडे टेप, औ 130 टेप, एक झरना बरामद किया है।

पकड़े गए आरोपी की ब्लैक हिस्ट्री

अभियुक्त के विरुद्ध कमिश्नरेट गाजियाबाद के थाना टीलामोड, थाना लोनी, थाना मुरादनगर पर विस्फोटक अधिनियम व सीएलए एक्ट के 5 अभियोग पंजीकृत है। अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।

महिला को बचाने के लिए नहर में कूदे दरोगा व सिपाही, सिपाही डूबा

गाजियाबाद। इन्दिरपुरम थाना इलाके में प्रेम विवाह करने वाली महिला ने कौशाम्बी में नहर में कूद गयी। इस महिला को बचाने के प्रयास में ट्रैफिक पुलिस के एक दरोगा व सिपाही नहर में कूद गए। महिला को बचाने के प्रयास में दोनों गहरे पानी में चले गए। महिला को किसी तरह बाहर निकाल लिया गया लेकिन सिपाही गहरे पानी मे चला गया और दो घंटे तक बाहर नहीं आ सका। जबकि दरोगा भी बाहर निकल आये। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। साथ ही पीएसी के गोताखोर भी पहुंच गए। घंटों की मशक्कत के बाद डूबे सिपाही को नहर से बाहर निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के लिए उसे दिल्ली रेफर कर दिया गया है। सिपाही का नाम अंकित तोमर है। उधर बचाई गयी महिला आरती ने बताया कि उसने प्रेम विवाह किया था। उसकी सास ने उसपर चोरी का आरोप लगा दिया। जब उसने अपने भाई को यह जानकारी दी तो उसने भी उसका साथ नहीं दिया। भाई ने कहा कि वह उनके लिये मर चुकी है। उनसे कोई उम्मीद न रखे। इसके बाद उसने नहर में छलांग लगा दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रेमी संग मिलकर पत्नी ने की पति की हत्या, गाजियाबाद पुलिस ने किया सनसनीखेज खुलासा

गाजियाबाद। शहर में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या कर दी। घटना गाजियाबाद के कविनगर क्षेत्र की है। पुलिस ने हत्या का खुलासा करते हुए आरोपी पत्नी प्रियंका और उसके प्रेमी रिंकू को गिरफ्तार कर लिया है। एसीपी कविनगर स्वतंत्र सिंह ने बताया कि 4 मई को कविनगर क्षेत्र में हाईवे किनारे पंचर की दुकान के नीचे सर्विस रोड पर एक युवक का शव मिला था। शव की पहचान 30 वर्षीय संजय के रूप में हुई, जो क्रॉसिंग थाना क्षेत्र में रहता था। पुलिस ने सर्विलांस और मुखबिर की सूचना के आधार पर जांच शुरू की और जल्द ही हत्या की गुत्थी सुलझा ली। पुलिस के अनुसार, प्रियंका और रिंकू के बीच अवैध संबंध थे। दोनों लंबे समय से संजय को रास्ते से हटाने की साजिश रच रहे थे। लेकिन वे इतनी चालाकी से योजना बना रहे थे कि किसी को उन पर शक न हो। 3 मई की रात संजय का किसी व्यक्ति से झगड़ा हुआ। इसी दौरान प्रियंका ने रिंकू को फोन कर मौके की जानकारी दी। रिंकू ने संजय से मुलाकात की, उसे शराब पिलाई, और फिर मौका पाकर पहले उसका गला दबाने की कोशिश की। जब वह असफल रहा तो शराब की बोतल से सिर पर वार कर संजय की हत्या कर दी। हत्या के बाद रिंकू और प्रियंका दोनों अलग-अलग अपने घर चले गए और किसी सामान्य दिन की तरह व्यवहार करते रहे।

संगम विहार थाने में जनसुनवाई का किया गया आयोजन

तीन थानों की 200 शिकायतों में से 120 मामलों पर हुई त्वरित कार्रवाई

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के संगम विहार थाने में शनिवार को जनसुनवाई का आयोजन किया गया, जिसमें संगम विहार, तिगरी और नेब सराय थानों की पुलिस मौजूद रही। इस जनसुनवाई में तीनों थानों से करीब 200 शिकायतकर्ता अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। कुल 200 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 120 मामलों पर मौके पर ही सुनवाई कर समाधान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई ।इस जनसुनवाई की अध्यक्षता सब-डिवीजन एसीपी प्रियंका ने की। उन्होंने हर शिकायत को गंभीरता से सुना और संबंधित जांच अधिकारियों (IO) को बुलाकर लंबित मामलों की स्थिति की जानकारी ली। एसीपी प्रियंका ने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को चेतावनी दी और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उनकी सक्रियता से शिकायतकर्ताओं में भरोसा नजर आया ।जनसुनवाई में संगम विहार थाने के SHO कुमार संतोष, नेब सराय थाने के SHO राकेश डडवाल और तिगरी थाने के SHO रविंदर तोमर समेत तीनों थानों का पूरा पुलिस स्टाफ मौजूद रहा। शिकायतकर्ताओं की प्रतिक्रियाशिकायत लेकर पहुंचीं फरहीन ने बताया, ‘मेरी शिकायत पर कई महीनों से कार्रवाई नहीं हो रही थी, लेकिन आज जनसुनवाई में मेरी बात अधिकारियों तक पहुंची और समाधान की दिशा में कदम बढ़े हैं।‘वहीं निर्मला देवी प्रीत ने कहा, ‘दिल्ली पुलिस का यह प्रयास बेहद सराहनीय है। हमें उम्मीद है कि अब हमारी समस्याएं जल्दी हल होंगी।‘सबसे अधिक शिकायतें संगम विहार थाने क्षेत्र से दर्ज की गईं, जिससे क्षेत्र में पुलिस के प्रति लोगों की अपेक्षाएं और विश्वास दोनों का अंदाजा लगाया जा सकता है।जनसुनवाई का उद्देश्य लोगों की समस्याओं को सीधे वरिष्ठ अधिकारियों के सामने रखकर त्वरित समाधान सुनिश्चित करना था, जिसमें पुलिस काफी हद तक सफल रही।

पूरा देश सेना और सरकार के साथ, आप कर रही ओछी राजनीति : सीएम रेखा गुप्ता

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पूरा देश सेना और सरकार के साथ खड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (आआपा) चूड़ियों की नौटंकी करके ओछी राजनीति कर रही है। चूड़िया महिलाओं के श्रृंगार और सम्मान का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को अपने विधानसभा क्षेत्र शालीमार बाग के सिंगलपुर गांव में पानी के नए पाइपलाइन के उद्घाटन के बाद पत्रकारों से कहा कि पहलगाम आतंकी में सुहाग खोने वाली बहनें ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई व्यापक कार्रवाई से संतुष्ट हैं। भारतीय सेना ने पाकिस्तान में घुस कर आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया है। मुख्यमंत्री ने पीपीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती के भारत सरकार के सिंधु जल संधि को निलंबित करने पर नाराजगी जाहिर करने पर कहा कि उन्हें अपने देश की नहीं दूसरे देश की चिंता ज्यादा है। मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि पहलगाम में जब निहत्थे लोगों को मारा गया तो वह कहां थीं? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ठीक ही कहा कि पानी और खून एक साथ नहीं बहेगा। उनकी इस बात से पूरा देश सहमत है और सेना और सरकार पर पूरे देश को गर्व है।

अस्पतालों में दवाइयों, स्टॉफ और आधारभूत सुविधाओं की कमी नहीं होने देंगे : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अस्पतालों में दवाइयां, स्टॉफ और आधारभूत सुविधाओं की कमी नहीं होने देंगे। पिछली सरकार द्वारा छोड़े गए अस्पतालों में अधूरे कामों को पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। यह बातें मुख्यमंत्री ने शनिवार को संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल के निरीक्षण के दौरान पत्रकारों को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि संजय गांधी अस्पताल पर बहुत जल्द दबाव है। इस अस्पताल में हर दिन 27 सौ मरीज ओपीडी में देखे जाते हैं। यहां आस-पास कोई दूसरा बड़ा अस्पताल नहीं है। उन्होंने बताया कि संजय गांधी अस्पताल में जो नई बिल्डिंग बननी शुरू हुई है वह सालों से अधूरी पड़ी है। आज हमने इसका निरीक्षण किया, इसे तुरंत पूरा करने के लिए निर्देश दे दिए। बिल्डिंग को पूरा करने के लिए पैसे की कोई कमी नहीं आएगी। बिल्डिंग बनाने के बाद निश्चित रूप से अस्पताल में बेडों की संख्या में बढ़ोतरी होगी। मुख्यमंत्री ने सभी अस्पतालों को निर्देश दिया है कि उनमें दवाइयों, स्टाफ और आधारभूत सुविधाओं की कोई कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान दे रही है।

भाजपा की दिल्ली सरकार में निजी स्कूल कर रहे मनमानी फीस वृद्धि : आप

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली में निजी स्कूलों द्वारा की जा रही मनमानी फीस वृद्धि को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। 'आप' ने कहा कि दिल्ली में भाजपा सरकार पर निजी स्कूलों के साथ सांठगांठ करने का आरोप लगाया और कहा कि इसी वजह से फीस वृद्धि पर कोई रोक नहीं लगाई जा रही है।

'आप' ने दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) में बच्चों के उत्पीड़न और फीस वृद्धि को लेकर भाजपा सरकार से छह अहम सवाल पूछे हैं। जिनमें डीएम की रिपोर्ट आने के बावजूद डीपीएस के खिलाफ एफआईआर क्यों नहीं हुई? अभिभावकों को बार-बार हाईकोर्ट क्यों जाना पड़ रहा है? भाजपा डीपीएस को दिल्ली सरकार के अधीन लाकर रेगुलेशन में क्यों नहीं लाना चाहती? डीपीएस की ऑडिट रिपोर्ट कहां है? जिन 1600 से अधिक निजी स्कूलों के ऑडिट का दावा भाजपा कर रही है, उनकी रिपोर्ट और निष्कर्ष क्या है? क्या भाजपा सरकार ने किसी एक भी स्कूल को गैरकानूनी फीस वृद्धि वापस करने का आदेश दिया है? 'आप' ने आरोप लगाया कि अगर भाजपा की निजी स्कूलों से मिलीभगत नहीं होती, तो वह ऑडिट पूरा होने तक फीस वृद्धि पर रोक लगाने का आदेश जरूर जारी करती।

आप के आरोप लगाता कि दिल्ली सरकार मुनाफाखोर शिक्षण संस्थानों को बचा रही है। फीस वृद्धि पर रोक नहीं लगाई जा रही है। आप ने अनएडेड प्राइवेट स्कूल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भरत अरोड़ा के भाजपा की दिल्ली कार्यकारिणी के सदस्य होने पर भी सवाल खड़ा किया। आप ने कहा कि जब दिल्ली में 'आप' सरकार थी, तब निजी स्कूलों की फीस में वृद्धि नहीं हुई थी। उस समय सीएजी द्वारा कराए गए ऑडिट में कई स्कूलों में भ्रष्टाचार उजागर हुआ और अभिभावकों से वसूली गई अतिरिक्त रकम उन्हें वापस दिलाई गई। लेकिन अब फिर से निजी स्कूलों की फीस में बेतहाशा वृद्धि शुरू हो गई।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में गोगी-जठेड़ी गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के नरेला इलाके से गोगी-जठेड़ी गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तारी के दौरान अक्षत खत्री (22) और बिजेन्द्र उर्फ गंजा (22) के पास एक अत्याधुनिक पिस्तौल और दो कारतूस मिले। पुलिस उपायुक्त (बाहरी उत्तर) निधिन वालसन ने बताया, "गिरोह के संदिग्ध सदस्यों की गतिविधियों के संबंध में विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर 16 मई को एक टीम को तैनात किया गया था। टीम ने नरेला के स्मृति वन के पास एक मोटरसाइकिल को रोका।" उन्होंने बताया कि बिजेन्द्र के पास से .32 बोर के दो कारतूस तथा खत्री के पास से एक अत्याधुनिक पिस्तौल बरामद की गई। पूछताछ के दौरान खत्री ने खुलासा किया कि वह अपने चचेरे भाई अमित उर्फ कमांडर से प्रभावित था, जो काला जठेड़ी गिरोह से जुड़े गैंगस्टर अक्षय पलाड़ा का सहयोगी है। अधिकारी ने बताया कि दोनों ने कथित तौर पर गिरोह के स्थानीय प्रभाव को बढ़ाने और क्षेत्र से नए सदस्यों की भर्ती करने की योजना बनाई थी। बिजेन्द्र पर पहले भी पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिसमें बाहरी उत्तरी दिल्ली और रोहिणी इलाके में लूट, डकैती और हत्या के प्रयास के मामले शामिल हैं। हालांकि, अक्षत का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। पुलिस ने बताया कि दोनों के खिलाफ नरेला पुलिस थाने में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ नरेला थाने में शस्त्र अधिनियम) के तहत मामला दर्ज किया गया है, साथ ही हथियार की आपूर्ति के स्रोत का पता लगाने और घटना में इस्तेमाल किए गए वाहन के स्वामित्व की जांच जारी है।

अब श्री गुरु गोविंद सिंह कॉलेज में 20 जून को होगा री-एग्जाम

नई दिल्ली। दिल्ली के नेताजी सुभाष प्लेस स्थित श्री गुरु गोविंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स में आग की घटना के चलते रद्द की गई परीक्षा की नई तारीख घोषित कर दी गई है। कॉलेज प्रशासन ने जानकारी दी है कि 15 मई 2025 को सुबह की पाली में होने वाली परीक्षा अब 20 जून 2025 को सुबह 9:00 बजे आयोजित की जाएगी। गौरतलब है कि 15 मई की सुबह कॉलेज परिसर में भीषण आग लग गई थी, जिसके चलते पूरे कॉलेज में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। हालात को देखते हुए छात्रों को तत्काल कॉलेज से बाहर निकाला गया और सुरक्षा कारणों के मद्देनज़र उस दिन की परीक्षा को रद्द कर दिया गया था। अब कॉलेज प्रशासन ने सभी विद्यार्थियों से कहा है कि वे 20 जून को सुबह 9:00 बजे निर्धारित परीक्षा केंद्र पर समय से उपस्थित हों। छात्रों से आग्रह किया गया है कि वे कॉलेज की वेबसाइट और नोटिस बोर्ड पर नजर बनाए रखें ताकि भविष्य में किसी भी अपडेट की जानकारी समय रहते मिल सके।

एमसीडी के 13 पार्षदों के पार्टी छोड़ने के बाद आप के समक्ष अस्तित्व का संकट : यादव

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि सत्ता का केंद्रीकरण, एकाधिकार की प्रवृत्ति और दल के भीतर पनपती तानाशाही के कारण आम आदमी पार्टी (आआपा) आंतरिक रूप से खोखली हो गई। आज दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के उसके 13 पार्षदों के एकसाथ पार्टी छोड़कर नई पार्टी की घोषणा के बाद आआपा के समक्ष अस्तित्व का संकट है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने शनिवार को एक बयान में कहा कि जिस पार्टी की नींव भ्रष्टाचार, झूठ और स्वार्थ पर आधारित रही हो, उसका लंबे समय तक टिक पाना असंभव है। अब वो दिन दूर नहीं जब आआपा दिल्ली सहित पूरे देश से विलुप्त हो जाएगी। यादव ने कहा कि दिल्ली में विधानसभा चुनाव हारने के बाद केजरीवाल के कमजोर नेतृत्व के कारण बिखरती आआपा में आपसी फूट के चलते महापौर पद भाजपा के हाथ में चले जाने से पार्टी निगम में भी विपक्ष में आई गई। सत्ता में होने के बावजूद अगर कोई पार्टी अल्पमत में आ जाए और संवैधानिक पदों पर विपक्षी पार्टी काबिज हो जाए, तो इसका मुख्य कारण असफल नेतृत्व है। यादव ने कहा कि आज 13 निगम पार्षदों द्वारा आआपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने का कारण पार्टी द्वारा वादों का न पूरा करना है।

आप के 13 पार्षदों ने बनाई अलग पार्टी

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के 13 पार्षदों ने शनिवार को हेमचन्द्र गोयल के नेतृत्व में पार्टी से इस्तीफा देकर अलग मार्चा बनाया है। इन पार्षदों ने 'इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी' नाम से नई पार्टी बनाई है जिसके अध्यक्ष मुकेश गोयल होंगे।

नई पार्टी के गठन के बाद इन पार्षदों ने दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में पत्रकार वार्ता की। इसमें आदर्श नगर से पार्षद मुकेश गोयल ने दावा किया कि कुल 15 पार्षद उनके साथ नई पार्टी में जुड़े हैं। हालांकि उनकी ओर से जारी सूची में 13 पार्षदों के ही नाम और हस्ताक्षर हैं। पत्रकार वार्ता में मुकेश गोयल ने कहा कि 2022 में दिल्ली नगर निगम का चुनाव हुआ था। आआपा को भारी बहुमत से चुनाव में जीत मिली थी लेकिन ढाई साल में केवल सदन में हंगामा और मारपीट हुई और क्षेत्र के अंदर विकास के कार्य ठप रहे। किसी पार्षद को क्षेत्र के विकास के लिए कोई बजट नही मिला।

वहीं हमारी कहीं कोई सुनवाई नही हो रही थी और अधिकारी कोई कार्य नही कर रहे थे। गोयल ने कहा कि हमें अपने क्षेत्र के लोगों को जवाब देना होता है और क्षेत्र के विकास के लिए काम करना होता है। हम अपने क्षेत्र में काम करेंगे तो ही जनता हमें दोबारा चुनेगी। इन पार्षदो ने दिया इस्तीफा- हेमचंद गोयल, हिमानी जैन, रूनाक्षी शर्मा, ऊषा शर्मा, अशोक पांडेय, राखी यादव, साहिब कुमार, राजेश कुमार, मनीष किराना, सुमन अनिल राणा, दिनेश भारद्वाज, मुकेश कुमार गोयल और देवेंद्र कुमार। उल्लेखनीय है कि 25 अप्रैल को महापौर के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार को जीत मिली थी। आम आदमी पार्टी ने महापौर के चुनाव से किनारा किया था। इसके चलते ही भाजपा के राजा इकबाल सिंह और जय भगवान यादव क्रमशः दिल्ली के महापौर और उपमहापौर चुने गए थे।

चोरी किए गए लैपटॉप से मिले संकेत से 24 घंटे में पकड़ा गया सेंधमार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के मुनिरका में एक घर से दो लैपटॉप चुराने वाला सेंधमार लैपटॉप में मौजूद एप्लीकेशन का इस्तेमाल करने से 24 घंटे के अंदर पकड़ा गया। पकडे.गए आरोपित की पहचान राजकुमार उर्फ विजय के रूप में हुई है। उसे द्वारका सेक्टर 16 बी स्थित स्टूडियो अपार्टमेंट से पकड़ा गया। बिना नंबर की बाइक तथा उसके हैंडिल पर बंधी लाल रंग की चुन्नी से आरोपित की शिनाख्त में आसानी हुई।

पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल बाइक व चोरी का एक लैपटॉप बरामद कर लिया है। डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने शनिवार को बताया कि मुनिरका निवासी उमेश चंद यादव ने घर से दो लैपटॉप चोरी की 13 मई को शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस टीम ने आस-पास के इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की तो संदिग्ध युवक बिना नंबर प्लेट वाली बाइक पर जाते देखा गया। बाइक के हैंडल पर लाल रंग की चुन्नी बंधी हुई थी। इस बीच शिकायतकर्ता ने सूचना दी कि उनके लैपटॉप में किसी व्यक्ति ने एमएस-ऑफिस सहित कुछ अन्य एप्लिकेशन का उपयोग किया है। तकनीकी जांच में लैपटॉप द्वारका सेक्टर-16 के पास होना पाया गया। बिना नंबर की बाइक से हुई पहचान पुलिस टीम ने करीब एक किलोमीटर के एरिया को कवर कर रेहड़ी वाले, दुकानदार तथा स्थानीय लोगों से बिना नंबर की बाइक व उसके हैंडिल पर लाल चुन्नी बंधी होने के संबंध में जानकारी हासिल की। कड़ी मशक्कत के बाद पता लगा कि राजकुमार उर्फ विजय नामक युवक के पास ऐसी एक बाइक है। इसके बाद पुलिस ने अपार्टमेंट में छापा मारकर आरोपित को दबोच लिया। पूछताछ में उसने बताया कि एक लैपटॉप वह ऑनलाइन बेच चुका है जबकि दूसरा उसने ककरौला में एक दुकान पर बेचा है। इस खुलासे पर पुलिस ने दुकान से एचपी का लैपटॉप बरामद कर लिया।

मंत्री ने की घुमनहेड़ा में विश्व स्तरीय गौशाला बनाने की घोषणा

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार को दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के घुमनहेड़ा गांव में एक विश्व स्तरीय गौशाला के निर्माण की घोषणा की। गौशाला को लगभग 47 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जाएगा।

इस अत्याधुनिक गौशाला में 5000 गायों के लिए व्यवस्था की जाएगी और यह राजधानी क्षेत्र की सबसे बड़ी एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त गौशालाओं में से एक होगी। इस अवसर पर गांव में आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, गौरक्षकों, समाजसेवियों और स्थानीय नेताओं की उपस्थिति रही। मंत्री ने कहा कि यह परियोजना परंपरा और आधुनिकता के संगम का प्रतीक है, जो सरकार की विकास और विरासत की सोच को मजबूत करती है। प्रस्तावित गौशाला की मुख्य विशेषताएं : गौशाला का निर्माण लगभग 20 एकड़ भूमि पर किया जाएगा। इसमें आधुनिक सुविधाएं (जैसे स्वचालित चारा वितरण प्रणाली, सोलर एनर्जी सिस्टम, वर्षा जल संचयन, और स्थल पर पशु चिकित्सा सुविधा होंगी।

यह गौशाला गोसंरक्षण और कल्याण का आदर्श मॉडल बनेगी, जिसमें स्वच्छता, सतत विकास और प्रभावी प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, यहां जैविक खाद और पंचगव्य आधारित उत्पादों के निर्माण की व्यवस्था भी होगी, जिससे पारंपरिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा मिलेगा और ग्रामीण आजीविका को नया रास्ता मिलेगा। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि यह गौशाला न केवल हजारों गायों को सुरक्षित और सम्मानजनक आश्रय देगी, बल्कि जैविक खेती, गौ आधारित उद्योग और ग्रामीण उद्यमिता के लिए भी एक प्रेरणास्थल बनेगी।

मंत्री ने 'ॐ' आकार में बनने वाले स्कूल का किया भूमि पूजन

उन्होंने कहा कि यह परियोजना पर्यावरण के अनुकूल होगी, जहां सौर ऊर्जा और जल संरक्षण जैसी तकनीकों का समावेश किया जाएगा। इसी अवसर पर मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने 'ॐ' आकार में बनने वाले स्कूल का भूमि पूजन किया। यह अद्वितीय संरचना भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक होगी। यह विद्यालय आधुनिक शिक्षा के साथ भारतीय मूल्यों का समावेश करेगा, ताकि विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ-साथ संस्कार भी प्राप्त हों। 'ॐ' के आकार में बनने वाला यह स्कूल आने वाले वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहचान बनेगा। मंत्री ने कहा कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं है, बल्कि चरित्र, मूल्य और पहचान निर्माण की प्रक्रिया है। यह विद्यालय छात्रों को भारतीयता के गर्व के साथ भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेगा।

नई दिल्ली जिला पुलिस की बड़ी कामयाबी: एक माह में 76 गुम हुए मोबाइल फोन बरामद

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। नई दिल्ली जिला पुलिस ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए पिछले एक माह के भीतर 76 गुम हुए मोबाइल फोन को ट्रेस कर बरामद किया है। यह सफलता पुलिस की सतर्कता, तकनीकी विशेषज्ञता और नागरिकों की संपत्ति की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इन मोबाइल फोन की बरामदगी में नई दिल्ली जिले के विभिन्न थानों की टीमें शामिल रहीं। कर्तव्य पथ थाना पुलिस ने 38, तुगलक रोड-10, तिलक मार्ग- 7, चाणक्यपुरी- 4, साउथ एवेन्यू- 4, बाराखंभा रोड-3, नॉर्थ एवेन्यू- 3, कनॉट प्लेस- 3, मंदिर मार्ग- 2, पार्लियामेंट स्ट्रीट- 1 और साइबर थाना- 1 मोबाइल बरामद किया है। नई दिल्ली जिले के डीसीपी देवेश कुमार महला ने शनिवार को कहा कि यह आंकड़ा दर्शाता है कि नई दिल्ली जिला पुलिस न केवल गंभीर अपराधों की रोकथाम में तत्पर है, बल्कि आम नागरिकों की छोटी-छोटी शिकायतों को भी गंभीरता से लेकर उनकी मदद के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। गुम मोबाइल की बरामदगी से न केवल लोगों को उनका कीमती सामान वापस मिला, बल्कि पुलिस के प्रति विश्वास भी और मजबूत हुआ है।

इस अभियान में शामिल पुलिस टीमों ने दिन-रात मेहनत कर तकनीकी संसाधनों का कुशलतापूर्वक प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने मोबाइल फोन को ट्रेस करने के लिए सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर पोर्टल का कुशलतापूर्वक उपयोग किया, जिससे गुमा उपकरणों का पता लगाकर उन्हें उनके असली मालिकों तक पहुंचाया जा सका।

नरेला में बना नया बस टर्मिनल

नई दिल्ली। नरेला को बहुत ही जल्द एक नया बस टर्मिनल मिलने जा रहा है, जिसका इंतजार करीब एक दशक से भी अधिक समय से नरेला के लोग कर रहे हैं। मौजूदा पुराने बस टर्मिनल मेन बाजार नरेला के जब पुनर्निर्माण पर सहमति नहीं बन सकी, तो इसका विकल्प ढूंढने की तैयारी शुरू हो गई थी। इसी दौरान डीडीए ने कई साल पहले नरेला सेक्टर ए-9 में डीटीसी को एक नया बस टर्मिनल बनाए जाने के लिए जगह आवंटित की थी, जिसे डीडीए ने सिर्फ स्क्रैप डिपो के रूप में ही इस्तेमाल किया। लेकिन, अब वहां विभाग ने एक नया बस टर्मिनल बना दिया है, जो कि जल्द ही चालू हो सकता है। डीटीसी के अधिकारियों ने बताया कि नरेला के सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल रोड पर सेक्टर ए-9 में बनकर तैयार होने वाला नया बस टर्मिनल अपने आप में बेहद खास होगा। इसमें एक साथ करीब 18 बसों के खड़े होने की क्षमता होगी।

संपादकीय

आदित्य वशिष्ठ

'बदजुबान' नेता-मंत्री

मंत्री और नेता 'बदजुबान' क्यों होने लगते हैं? वे आपत्तिजनक ही नहीं, अश्लील, शर्मनाक और मर्यादाहीन भाषा क्यों बोलने लगते हैं? उच्च न्यायालय को उसे 'गटर की भाषा' क्यों करार देना पड़ता है? वे निजी हमले भी करते हैं और देश की संप्रभुता, एकता, अखंडता के लिए खतरनाक बोली भी बोलते हैं। यह कानूनन मानहानि ही नहीं, देशद्रोह की परिधि में भी आना चाहिए। मप्र के जनजातीय कल्याण मंत्री और 8 बार के निर्वाचित विधायक विजय शाह तो आदतन और सिलसिलेवार 'गालीबाज' रहे हैं। न जाने क्यों भाजपा अभी तक उन्हें ढो रही है? सिर्फ चुनाव जीतना ही राजनीति नहीं होता। राजनीति के सामाजिक और वैचारिक मूल्य भी होने चाहिए। भाषा अभद्र नहीं होनी चाहिए। दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी के महासचिव एवं वरिष्ठ सांसद रामगोपाल यादव ने खुलासा किया है कि एयर मार्शल एवं वायुसेना ऑपरेशन के महानिदेशक एके भारती 'यादव' हैं और विंग कमांडर व्योमिका सिंह हरियाणा की 'जाटव' हैं। इन दोनों सैन्य अधिकारियों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की कार्रवाई को देश को ब्रीफ किया था। उनके साथ कर्नल सोफिया कुरैशी भी थीं, जिनके खिलाफ मप्र के मंत्री ने 'जहर उगला' था। उन्हें 'आतंकियों की बहन' तक करार दिया था। सवाल है कि इन दोनों नेताओं को बदजुबानी कर क्या हासिल हुआ? सेना और सैनिक का कोई जाति-धर्म नहीं होता। वे सिर्फ 'भारतीय' होते हैं। बेशक मप्र के मंत्री ने बाद में कई बार माफी भी मांग ली, लेकिन वह निर्लज्जता की हंसी भी हंसते रहे। यह हमारे लोकतंत्र के नेताओं-मंत्रियों का चरित्र है। मंत्री विजय शाह का दूसरों के प्रति बदजुबानी का पुराना इतिहास रहा है। उन्होंने 2013 में मप्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की पत्नी तक को नहीं छोड़ा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर फब्तियां कसीं। चलो, इसे राजनीति के खाते में डाल देते हैं। किन्नर समुदाय का मजाक उड़ाया और अब आतंकवाद तथा मुस्लिम की आड़ में ऐसे अपशब्दों का प्रयोग किया है, जिन्हें हमारी नैतिकता लिखने से रोकती है। दरअसल यह अलगाववादी सियासत है। भाजपा में एक तबके की सोच यह है कि मुसलमानों को जितनी गालियां दोगे, हिंदुओं के उतने ही वोट मिलेंगे। यह गलतफहमी है। मप्र उच्च न्यायालय की जबलपुर बेंच ने कर्नल सोफिया के प्रति मंत्री की बदजुबानी का स्वतः संज्ञान लिया है। सहज सवाल किया गया कि मंत्री के संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति 'गटरनुमा भाषा' कैसे बोल सकता है? सर्वोच्च अदालत में प्रधान न्यायाधीश जस्टिस बी. आर. गवई ने इसी आधार पर मंत्री के वकील के जरिए मंत्री को फटकार लगाई और उच्च न्यायालय के प्राथमिकी दर्ज करने वाले आदेश को रद्द करने से इंकार कर दिया। उच्च न्यायालय ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 152, 196-1बी, 197-1सी के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है। इंदौर पुलिस को देर रात प्राथमिकी दर्ज करनी पड़ी, क्योंकि उसे 'अवमानना' की धमकी दी गई थी, लेकिन पुलिस ने छल और मजाक किया। प्राथमिकी में मंत्री की बदजुबानी का कोई भी ब्यौरा नहीं था। बहरहाल अदालत ने हडक़ा कर प्राथमिकी ठीक कराई और आगे की जांच अदालत की निगरानी में करने का आदेश दिया।

सजा से रुकेंगे जहरीली शराब जैसे हादसे

पंजाब के अमृतसर के कई गांव में जहरीली शराब पीने से करीब दो दर्जन लोगों की मौत भी ऐसी ही गैरजिम्मेदाराना प्रवृत्ति का परिणाम है। इस मामले में मुख्य आरोपी प्रभजीत सिंह को गिरफ्तार किया गया। आबकारी विभाग के दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि इतने लोगों की मौत के बाद अधिकारियों को सिर्फ निलंबित किया गया है। दरअसल कानून में ऐसा कोई प्रावधान ही नहीं है कि अफसरों की लापरवाही से होने वाली मौतों के लिए उन्हें भी अपराधियों की तरह सजा होगी। केंद्र सरकार ने आपराधिक कानून का नाम बदल दिया। इसमें कई तरह के संशोधन किए गए। किन्तु नौकरशाहों को जिम्मेदार बनाने के लिए सजा का प्रावधान नहीं किया गया। यही वजह है कि जहरीली शराब पीने से होने वाले हादसे हों या इसी तरह के दूसरे हादसों में जिम्मेदार अधिकारियों को आपराधिक मामलों की तरह जेल की सजा नहीं होती। पांच साल पहले पंजाब में तरनतारन, अमृतसर और गुरदासपुर जिलों में एक बड़ी शराब त्रासदी हुई थी। जुलाई और अगस्त 2020 में माझा क्षेत्र के तीन जिलों तरनतारन, गुरदासपुर और अमृतसर में नकली शराब पीने से लगभग 130 लोगों की मौत हो गई थी। लगभग एक दर्जन लोगों की आंखों की रोशनी चली गई थी। अकेले तरनतारन जिले में लगभग 80 मौतें हुई थीं। 19 मार्च 2024 को पंजाब के ही संगरूर जिले में नकली शराब पीने से 21 मौतें हो गई थीं, जबकि 40 से अधिक लोग गंभीर रूप से बीमार हुए। यह पहला मौका नहीं है जब देश के किसी राज्य में जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत हुई हो।

-योगेंद्र योगी-

भारत में आम लोगों के जीवन की कोई कीमत नहीं है। सरकारों का काम सिर्फ टैक्स वसूलना रह गया है, जब जिम्मेदारी लेने के वक्त आता है तो सब एक-दूसरे को दोषी ठहरा कर पीछा छुड़ाने की कोशिश करते हैं। इससे भी ज्यादा आश्चर्य यह है कि सरकारें पिछली गलतियों से भी कोई सबक नहीं सीखती हैं। साथ ही गलतियों के लिए जिम्मेदार अफसरों पर ऐसी कोई कार्रवाई नहीं होती, जिससे दूसरे लोग इससे सबक सीख सकें। महज कागजी खानापूर्ति करने के लिए कार्रवाई करने के बाद अफसर वापस मलाईदार पोस्टिंग पाने में कामयाब हो जाते हैं।

पंजाब के अमृतसर के कई गांव में जहरीली शराब पीने से करीब दो दर्जन लोगों की मौत भी ऐसी ही गैरजिम्मेदाराना प्रवृत्ति का परिणाम है। इस मामले में मुख्य आरोपी प्रभजीत सिंह को गिरफ्तार किया गया। आबकारी विभाग के दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि इतने लोगों की मौत के बाद अधिकारियों को सिर्फ निलंबित किया गया है। दरअसल कानून में ऐसा कोई प्रावधान ही नहीं है कि अफसरों की लापरवाही से होने वाली मौतों के लिए उन्हें भी अपराधियों की तरह सजा होगी। केंद्र सरकार ने आपराधिक कानून का नाम बदल दिया। इसमें कई तरह के संशोधन किए गए। किन्तु नौकरशाहों को जिम्मेदार बनाने के लिए सजा का प्रावधान नहीं किया गया। यही वजह है कि जहरीली शराब पीने से होने वाले हादसे हों या इसी तरह के दूसरे हादसों में जिम्मेदार अधिकारियों को आपराधिक मामलों की तरह जेल की सजा नहीं होती। पांच साल पहले पंजाब में तरनतारन, अमृतसर और गुरदासपुर जिलों में एक बड़ी शराब त्रासदी हुई थी। जुलाई और अगस्त 2020 में माझा क्षेत्र के तीन जिलों तरनतारन, गुरदासपुर और अमृतसर में नकली शराब पीने से लगभग 130 लोगों की मौत हो गई थी। लगभग एक दर्जन लोगों की आंखों की रोशनी चली गई थी। अकेले तरनतारन जिले में

लगभग 80 मौतें हुई थीं। 19 मार्च 2024 को पंजाब के ही संगरूर जिले में नकली शराब पीने से 21 मौतें हो गई थीं, जबकि 40 से अधिक लोग गंभीर रूप से बीमार हुए। यह पहला मौका नहीं है जब देश के किसी राज्य में जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत हुई हो। वर्ष 2014 में अवैध शराब के सेवन से 1699 मौतें हुईं। वर्ष 2015 में 1624 घटनाओं में 1522 लोगों की जान गई। महाराष्ट्र (278), पुड्डुचेरी (149) और मध्य प्रदेश (246) में सबसे ज्यादा मौतें हुईं। वर्ष 2016 में 1073 घटनाओं में 1054 मौतें दर्ज की गईं। इस वर्ष मध्य प्रदेश (184) और हरियाणा (169) में सबसे ज्यादा लोगों ने अपनी जान गंवाई। इसी तरह वर्ष 2017 में 1497 घटनाओं में 1510 मौतें हुईं। इनमें कर्नाटक (256), मध्य प्रदेश (216) और आंध्र प्रदेश (183) में हालात गंभीर रहे। वर्ष 2018 में 1346 घटनाओं में 1365 लोगों की जान गई। मध्य प्रदेश (410) और कर्नाटक (218) में सबसे ज्यादा मौत के मामले सामने आए। वर्ष 2019 में 1141 घटनाओं में 1296 मौतें हुईं। इनमें मध्य प्रदेश में 410 और कर्नाटक में 268 लोगों की मौत हुई। वर्ष 2020 में 931 घटनाओं में 947 लोगों की जान गई। मध्य प्रदेश (214) और झारखंड (139) में सबसे ज्यादा मौतें हुईं। वर्ष 2021 में 708 घटनाओं में 782 मौतें हुईं और वर्ष 2022 में 507 घटनाओं में 617 मौतें हुईं। इनमें बिहार (134) और कर्नाटक (98) में अवैध शराब का कहर जारी रहा। वर्ष 1992 ओडिशा के कटक में जहरीली शराब पीने से 200 से अधिक लोगों की मौत हुई, जबकि 600 अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जो दशकों में भारत में इस तरह की सबसे बड़ी घटना थी। वर्ष 1981 में कर्नाटक के बेंगलुरु में सबसे भयानक हादसा हुआ। बेंगलुरु में मिथाइल अल्कोहल विषाक्तता के कारण 308 लोगों की मौत हो गई। यह सस्ती शराब में मिलावट के कारण हुआ था। अवैध या जहरीली शराब सिर्फ बिहार या पंजाब की समस्या नहीं है। देश के लगभग सभी राज्यों में अवैध शराब का कारोबार धड़ल्ले से चलता है। हर साल लाखों लीटर अवैध शराब जब्त भी होती है। लेकिन इस पर पूरी तरह से रोक नहीं लग पा रही। बिहार ही नहीं, बल्कि गुजरात, मिजोरम, नागालैंड और लक्षद्वीप में भी पूरी तरह से शराबबंदी है। इसके बावजूद यहां जहरीली शराब से मौतें होती रहती हैं। गुजरात पहला राज्य था, जिसने शराब पर प्रतिबंध लगाया था। फिर भी राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि 6 साल में जहरीली या अवैध शराब पीने से राज्य में 54 लोगों की मौत हो चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि भारत में हर साल शराब की जितनी खपत होती है, उसमें से 50 फीसदी अवैध तरीके से बनती और बिकती है। एक अनुमान के मुताबिक भारत में हर साल पांच अरब लीटर शराब पी जाती है।

इसमें 40 फीसदी से ज्यादा अवैध तरीके से बनाई जाती है और ये सस्ती होती है। ग्रामीण इलाकों में देसी शराब ज्यादा पी जाती है। बिहार सरकार के आंकड़े बताते हैं कि शराबबंदी कानून तोडने के मामले में 6.71 लाख से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है। देश के कुछ राज्यों में शराबबंदी लागू है और कुछ ऐसे भी हैं जहां पहले शराबबंदी थी, लेकिन बाद में इसे हटा लिया गया। हरियाणा में 1996 में शराबबंदी लागू की गई थी, लेकिन दो साल बाद ही 1998 में इसे हटा लिया गया। आंध्र प्रदेश में 1995 में शराब पर प्रतिबंध लगा, लेकिन 1997 में सरकार ने इसे वापस ले लिया। मणिपुर में भी 1991 से शराबबंदी लागू है और सरकार ने इसमें थोड़ी छूट देने का फैसला लिया। ऐसा इसलिए ताकि सरकारी खजाना भर सके। मणिपुर सरकार को शराबबंदी के कानून में थोड़ी छूट देने से 600 करोड़ रुपए का रैवेन्यू मिलने का अनुमान है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक देश के ज्यादातर राज्यों के टैक्स रैवेन्यू में 10 से 15 फीसदी हिस्सेदारी शराब से मिलने वाले टैक्स की है। उत्तर प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों के टैक्स रैवेन्यू में तो 20 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी शराब की है।

अवैध और जहरीली शराब से होने वाली मौतों के आंकड़ों से जाहिर है कि देश में ऐसा एक भी साल नहीं गया, जब ऐसे हादसों में लोगों की जानें नहीं गई हों। मतलब जहरीली शराब से होने वाली मौतें देश में स्थायी लाइलाज समस्या बन गई हैं। केंद्र हो या राज्य सरकारों की जांच एजेंसियां, ऐसा हादसा होने के बाद सक्रिय होती हैं। सरकारें मृतक आश्रितों को चंद रुपयों का मुआवजा और कुछ आरोपियों की गिरफ्तारी कर असली जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेती हैं। ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति के बावजूद राजनीतिक दलों के घोषणापत्रों में ऐसी समस्याएं स्थान नहीं पाती हैं। दरअसल राजनीतिक दलों के एजेंडे में ऐसी मौतों के लिए कोई स्थान नहीं है। ऐसा इसलिए भी है कि ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति नहीं होने देने की गारंटी से वोट बैंक मजबूत नहीं होता। यही वजह है कि हर साल किसी न किसी राज्य से जहरीली शराब से होने वाली मौतों की पुनरावृत्ति जारी है। आगे भी इस सिलसिले के थमने के आसार नजर नहीं आते। राज्यों में सिर्फ विपक्षी दल शोर-शराबा करता है, किन्तु सत्ता में आने पर ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए किसी के पास कोई नीति नहीं होती। ऐसी मौतों का सिलसिला तब तक जारी रहेगा, जब तक मौतों के लिए जिम्मेदार अफसरों के लिए कानून में जेल भेजे जाने का प्रावधान नहीं होगा। सभी वर्गों को इस समस्या के ठोस समाधान के लिए मिलजुल कर काम करना होगा।

'मालदार दूल्हा ढूंढने वालों, खुद से भी सवाल करो!'

-डॉ सत्यवान सौरभ-

भारत में दहेज प्रथा एक ऐसा सामाजिक अभिशाप है जो आज भी गहरे तक जड़ें जमाए हुए है। दहेज लेना न सिर्फ एक अपराध है, बल्कि यह उस महिला के सम्मान का अपमान है जिसे एक बेटी, पत्नी और बहू के रूप में समाज में उच्च स्थान दिया जाता है। परंतु, यह प्रथा केवल पुरुषों के लालच तक सीमित नहीं है, बल्कि कई बार इसे बढ़ावा देने में खुद परिवार और समाज की सोच भी शामिल होती है। दहेज के विरोध में बोलना एक बात है और अपने घर की बेटियों के लिए एकलौता मालदार दूल्हा ढूंढना दूसरी।

यह विरोधाभास हमारी मानसिकता की गहरी खाई को उजागर करता है। हम एक ओर दहेज का विरोध करते हैं, पोस्ट लिखते हैं, नारे लगाते हैं, और दूसरी ओर जब अपनी बेटियों की शादी की बात आती है, तो संपन्न परिवार और मोटी तनख्वाह वाले लड़के की खोज में जुट जाते हैं। यह दोहरी सोच एक ऐसी सामाजिक बीमारी है जो हमें अपने मूल्यों से दूर कर रही है। यह मानसिकता केवल दहेज तक सीमित नहीं है। यह हमारी सोच का एक व्यापक हिस्सा है जो समाज के हर पहलू में दिखाई देता है। उदाहरण के लिए, जब हम किसी लड़की के लिए लड़का देखते हैं, तो हम उसकी शिक्षा, विचारधारा, और चरित्र से अधिक उसकी आर्थिक स्थिति को महत्व देते हैं। यह सोच न केवल लड़कियों को वस्तु की तरह पेश करती है, बल्कि लड़कों पर भी आर्थिक दबाव डालती है कि वे एक 'आदर्श वर' बनने के लिए अपने कैरियर और कमाई पर अधिक ध्यान दें। इस सोच का सबसे बड़ा उदाहरण तब देखने को मिलता है जब शादी के विज्ञापनों में 'अच्छे परिवार', 'सरकारी नौकरी', और 'खूब कमाने वाले लड़के' की मांग की जाती है। यह केवल एक आर्थिक सुरक्षा की मांग नहीं है, बल्कि एक गहरी मानसिकता का परिचायक है, जो यह मानती है कि लड़की को खुश रखने के लिए धन ही सबसे महत्वपूर्ण तत्व है। यह न केवल विवाह को एक व्यापार बना देता है, बल्कि एक सच्चे रिश्ते की नींव को भी कमजोर करता है।

ऐसी स्थिति में सवाल यह उठता है कि क्या हम सच में इतने असुरक्षित हैं कि हमें अपनी बेटियों की खुशियों के लिए एक मात्र आर्थिक स्थिरता की जरूरत है? क्या हमें यह समझने में अब भी देरी है कि एक अच्छे इंसान का मोल उसके चरित्र, विचार और व्यवहार से आंका जाना चाहिए, न कि उसकी जेब की गहराई से? इस मानसिकता से बाहर निकलना जरूरी है। यह तब ही संभव है जब हम अपने बेटों को यह सिखाएं कि उनकी कीमत उनके चरित्र से है, न कि उनके वेतन से। हमें अपनी बेटियों को यह सिखाना होगा कि उनका मूल्य उनकी खुद की पहचान से है, न कि किसी के नाम के साथ जुड़ने से।

इसके लिए एक सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। हमें अपने समाज में इस दोहरे मापदंड को समाप्त करना होगा और ऐसी पीढ़ी का निर्माण करना होगा जो सच्चे अर्थों में समानता और सम्मान का अर्थ समझे। हमारे समाज में दहेज की परंपरा का इतना गहरा प्रभाव है कि लोग इसे सम्मान का प्रतीक मानते हैं। कई बार तो इसे शान और प्रतिष्ठा की बात समझा जाता है, और जो इसे नहीं मानता, उसे समाज में कमतर माना जाता है। यह सोच केवल बेटियों को नहीं, बल्कि पूरे समाज को कमजोर करती है। यह परिवारों को कर्ज में डुबोती है, रिश्तों में दरारें डालती है और समाज की नींव को हिला देती है। दहेज के खिलाफ लड़ाई तब ही सफल होगी जब हम इस समस्या को केवल कानून से नहीं, बल्कि अपनी मानसिकता से भी मिटाएंगे। हमें ऐसे समाज का निर्माण करना होगा जहां लड़कियों की शिक्षा, आत्मनिर्भरता और स्वतंत्रता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। इसके अलावा, हमें अपने बेटों को यह सिखाना होगा कि वे अपने जीवनसाथी का चयन केवल उनकी योग्यता, चरित्र और विचारधारा के आधार पर करें, न कि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को देख कर। यह बदलाव केवल एक व्यक्ति की सोच से नहीं, बल्कि पूरे समाज की सोच में बदलाव लाने से संभव है।

समय आ गया है कि हम दहेज की इस बिमारी को जड़ से उखाड़ फेंके और एक ऐसे समाज की नींव रखें जहां विवाह एक समान और सम्मानजनक बंधन हो, न कि आर्थिक सौदेबाजी का माध्यम। हमें यह समझना होगा कि शादी एक पवित्र संबंध है, न कि व्यापार। सिर्फ कानून बनाना ही काफी नहीं है। हमें अपने विचारों, परंपराओं और सोच में बदलाव लाना होगा। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे घरों में बेटियों और बेटों को समान रूप से महत्व दिया जाए। हमें अपने बेटों को यह सिखाना होगा कि वे अपने जीवनसाथी का सम्मान करें, उन्हें एक समान साथी मानें, न कि एक वस्तु के रूप में। सच्चे बदलाव की शुरुआत हमारे घरों से होनी चाहिए। जब हम अपने बेटों को यह सिखाएंगे कि वे किसी के साथ सिर्फ उसके चरित्र और विचारधारा के आधार पर जुड़ें, तभी समाज से दहेज की इस बुराई को मिटाया जा सकेगा। हमें यह याद रखना चाहिए कि बेटियां किसी के लिए बोझ नहीं, बल्कि एक आशीर्वाद हैं।

हिंदू धर्म में पहले भगवान कौन है?

भगवान भगवान है, कोई इंसान नहीं जो बड़ा या छोटा हो, वो अनंत है.. अजन्मा है। कोई बड़ा हो या छोटा हो तो फिर उस चीज को भगवान नहीं बोल सकते। भगवान की उम्र नहीं होती जो बड़ा या छोटा कह सके वो काल चक्र से परे हैं। कोई शिव जी की स्तुति को दिखाकर बोलेगा कि शिव सबसे बड़े हैं, कोई विष्णु जी की स्तुति दिखाकर बोलेगा कि विष्णु सबसे बड़े हैं, राम कृष्ण इत्यादि रूपों में भी पूजा उनकी होती है, फिर कोई देवी की स्तुति दिखाकर कहेगा कि आदि शक्ति सबसे बड़ी हैं.. और आज कल कुछ फर्जी संस्थाओं और पाखंडी बाबाओं का तो क्या ही कहना, खुद को भगवान बता देंगे और अपना नया भगवान इंवेंट करके बोलेंगे कि ये है परमात्मा। रामपाल जैसे ढोंगी पाखंडी कहते हैं कबीर.. ये लोग संत कबीरदास को भगवान बोलते हैं और कहते हैं कि ब्रह्मा विष्णु महेश इत्यादि इनसे नीचे आते हैं और इन्हें लज्जा भी नहीं आती ऐसी बकवास करते हुए। फिर कुछ लोगों ने तो साई बाबा को भगवान बना दिया है, फिर कुछ अन्य मजहब के लोग हैं जो अपनी किताब छोड़कर हमारे वेदों पुराणों पर टिप्पणी करते हैं जबकि वो इसके लिए क्वालिफाइड भी नहीं हैं। तो भगवान है क्या? ये एक ऐसा तत्व, ऐसी शक्ति है जो कोई भी रूप धारण कर सकता है अथवा निराकार अवस्था में रहकर भी अमर है, पूर्ण है।

धर्मकर्म

सनातन धर्म में मूलतः भगवान 5 रूपों में लीला करते हैं:-

शिव, शक्ति, विष्णु, गणेश और सूर्य। शिव अर्थात महादेव, कालों के काल महाकाल। शक्ति अर्थात महादेवी, भगवती (भगवान का स्त्री रूप)। विष्णु अर्थात वासुदेव, राम और कृष्ण रूप में अवतरित होकर धर्म की स्थापना करते हैं। गणेश अर्थात प्रथम पूज्य, विघ्नहर्ता भगवान। सूर्य अर्थात वे जो आकाश में भी प्रकट होते हैं और वे इंद्र देव के साथ जो अलग अलग देवता हैं उनमें से एक देवता के रूप में भी अवतरित होते हैं। अब कुछ लोग प्रश्न करेंगे कि इनमें गणपति को भगवान कैसे बोल सकते हो? गणेश तो शिव और शक्ति के पुत्र हैं, ईशान सूत और गौरी नंदन उनके नाम हैं.. पुत्र तो माता पिता से छोटा होता है फिर कैसे बोल सकते हो कि शिव शक्ति गणेश ये तीनों एक ही हैं और एक समान हैं? तो मैं बता दूं कि जिस रूप में गणेश जी भगवान शिव और भगवती पार्वती के पुत्र हैं वो उनका एक अवतार स्वरूप हैं, गणेश जी उतने तक सीमित नहीं हैं।

आज का इतिहास

1498 : वास्को डी गामा ने कालीकट के नजदीक पहली बार लंगर डाला।

1540 : शेरशाह ने हरदोई में हुमायूं को मात दी। इसे इतिहास में कन्नौज की लड़ाई के नाम से जाना जाता है।

1749 : 'चेचक' के टीके का अविष्कार करने वाले एडवर्ड जेनर का जन्म।

1857 : बहादुर शाह जफर द्वितीय को स्वतंत्र मुगल बादशाह घोषित किया गया।

1949 : भारत ने राष्ट्रमंडल देशों के समूह में बने रहने का फैसला किया।

1974 : आयरलैंड के डबलिन शहर में तीन कार बम धमाकों में 23 लोगों की मौत और 100 से अधिक घायल हुए।

1987 : सुनील गावस्कर ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया।

2000 : रूसी संसद के ऊपरी सदन फ़ेडरलिस्ट्स ने परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि को मंजूरी प्रदान की।

2000 : ब्रिटेन के दो रॉयल मरीन कमांडो बिना किसी सहायता के उत्तरी ध्रुव पर पहुंचे। यह कारनामा अंजाम देने वाले वह पहले ब्रितानी नागरिक बने।

2007 : भारत-पाकिस्तान समग्र वार्ता का चौथा दौर रावलपिंडी में शुरू।

2008 : तालिबानी आतंकवादियों ने पाकिस्तान के राजदूत तारिक अजीजुद्दीन को रिहा किया।

2010 : भारतीय मुक्केबाजों ने कॉमनवेल्थ बॉक्सिंग चैंपियनशिप के सभी छह स्वर्ण पदक जीत लिए।

2010 : भारत ने दो हजार किलोमीटर तक मार करने में सक्षम 'अग्नि-2' प्रक्षेपास्त्र का परीक्षण किया।

लाइक्स की दौड़ में पहचान खोती जा रही नारी, सशक्तिकरण का भ्रम

-प्रियंका सौरभ

सोशल मीडिया पर नारी देह का बढ़ता प्रदर्शन क्या वाकई सशक्तिकरण है या महज़ लाइक्स और फॉलोअर्स की होड़। इससे क्या हम सच्ची आज़ादी की ओर बढ़ रहे हैं या एक डिजिटल पिंजरे में कैद हो रहे हैं। अब तो ऐसा लगता है कि आत्मसम्मान की जगह केवल देह की नुमाइश रह गई है। क्या महिलाओं की पहचान अब सिर्फ उनके शरीर के आकार तक सिमट गई है। यह सवाल आज की डिजिटल पीढ़ी के सामने एक बड़ी चुनौती हैं जो सशक्तिकरण और आत्मसम्मान के असली मायने खोजने की मांग करता है। बड़ा सवाल यह है कि क्या हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे।

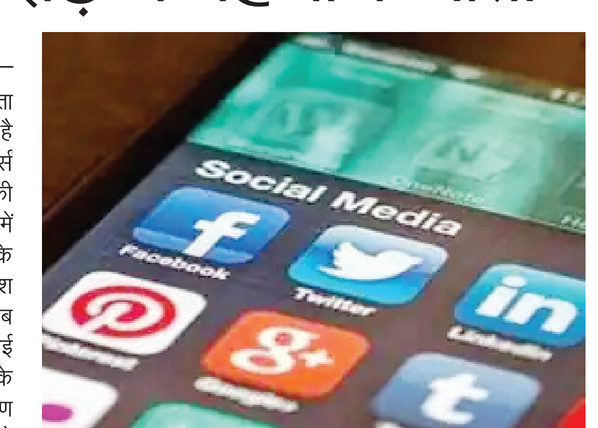

सोशल मीडिया को देख कर सवाल उठता है कि आजकल इस तरह की महिलाओं को क्या हो गया है। सोशल मीडिया पर उठते कोलाहल में हर ओर एक ही स्वर गूंज रहा है—देह प्रदर्शन का। कहीं चटकते-फड़कते रील्स में, कहीं भड़कते-उलझते डांस मूव्स में और कहीं ज़ूम इन होती नज़रों के बीच, बस एक ही प्रदर्शन, अपनी चपल देह की अदा का। मानो यही सब देह ही पहचान बन गई हो। सच कहा जाए तो इस दौर में देह का कारोबार जितना खुलकर हो रहा है, उतना पहले कभी नहीं हुआ था। सोशल मीडिया ने देह को एक 'प्रॉडक्ट' बना दिया है, जिसे जितना ज्यादा दिखाओ, उतना ज्यादा लाइक्स, फॉलोअर्स और व्यूज़ बटोर लो। मानो आत्मसम्मान का कद अब कमेंट्स की लंबाई और लाइक्स की संख्या से मापा जाने लगा हो। वह नारी जो कभी सभ्यता की पहचान थी, अब डिजिटल बाजार में बिक रही है। जिस समाज में नारी का सम्मान उसकी आंखों की लज्जा, चेहरे की सौम्यता और आचरण की मर्यादा से आंका जाता था, वहां आज उसका अस्तित्व उसकी नुमाइश में सिमट कर रह गया है। यह डिजिटल क्रांति का अजीब दौर है, जहां औरतें 'बोल्ड' होने का झूठा अर्थ 'बदन दिखाने' से जोड़ बैठी हैं। यह कैसी आज़ादी है, जहां अपनी पहचान की कीमत देह के टुकड़ों में चुकानी पड़े। औरतें खुद को जिस फेमिनिज्म की आड़ में उभार रही हैं, क्या वो असल में नारी शक्ति का उत्थान है या महज़ लाइक्स और फॉलोअर्स की दौड़ भर है। जरा सोचिए, इस देह प्रदर्शन की होड़ में कितनी महिलाएं खुद को खो रही हैं। क्या यह वाकई सशक्तिकरण है या एक नया बंधन है, जहां औरतें एक डिजिटल पिंजरे में फंसती जा रही हैं।

नारी स्वतंत्रता का अर्थ तो आत्मसम्मान, शिक्षा और निर्णय लेने की स्वतंत्रता था, न कि सोशल मीडिया पर कुछ भी करके अधिकार की बात करना। यह तो वही हुआ जैसे किसी को सोने की चिड़िया बना दो और फिर पिंजरे में कैद कर दो। सवाल यह है कि क्या हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे। आज सोशल मीडिया एक ऐसा मंच बन चुका है, जहां कुछ महिलाएं खुद को कथित तौर पर साबित करने के लिए हर हद पार कर रही हैं। कपड़ों का छोटा होना और बोल्ड पोज़ देना ही अगर 'बोल्डनेस' है, तो फिर आत्मविश्वास, शिक्षा, और स्वाभिमान का क्या मतलब। क्या यही है सशक्तिकरण का असली मतलब। क्या हमारा समाज वाकई इतना सतही हो गया है कि हम केवल बदन के आधार पर किसी की कीमत आंकने लगे हैं।

सोचिए, आज जो महिलाएं देह प्रदर्शन को सशक्तिकरण मान रही हैं, क्या वो सच में खुद को सशक्त महसूस करती हैं। उन्हें पता है कि वो केवल एक डिजिटल उत्पाद बनकर रह गई हैं, जिनका मूल्य केवल उनके शरीर के आकार और नृत्य कौशल से मापा जाता है। यह समस्या केवल महिलाओं की नहीं है, बल्कि उस पूरी डिजिटल संस्कृति की है, जिसने नारी शरीर को एक मनोरंजन सामग्री बना दिया है। जो शरीर जो कभी मातृत्व, प्रेम और करुणा का प्रतीक था, आज महज़ व्यूज़ और फॉलोअर्स की भूख का साधन बन गया है। सवाल उठता है कि हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे। सही तौर पर देखा जाए तो सोशल मीडिया पर प्रदर्शन सशक्तिकरण नहीं हैं। वह बस एक भ्रम। सही बात तो यह कि आज की नारी अपनी असली पहचान से दूर होती जा रही है, जहां उसकी शक्ति, बुद्धि और आत्मविश्वास की जगह सिर्फ उसके शरीर का आकार और आकर्षण ही अहम रह गया है। यह डिजिटल युग हमें नई संभावनाओं और अभिव्यक्ति की आज़ादी देता है, पर क्या यह स्वतंत्रता वाकई हमें आज़ाद कर रही है या बस एक और जाल में फंसा रही है। नारी स्वतंत्रता का अर्थ केवल कपड़ों की लंबाई या शरीर के प्रदर्शन तक सीमित नहीं है। असली स्वतंत्रता है अपने विचारों, अधिकारों और आत्मसम्मान की रक्षा करना। यह वो स्वतंत्रता है, जो एक नारी को उसकी असल पहचान देती है, एक शिक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त इंसान के रूप में।

सोशल मीडिया पर जिस दिखावे की होड़ मची है, वह केवल लाइक्स और फॉलोअर्स की दौड़ नहीं, बल्कि आत्मसम्मान की गिरावट का भी प्रतीक है। यह एक डिजिटल पिंजरा है, जहां औरतें खुद को स्वतंत्र मानते हुए भी एक गहरे बंधन में बंधी हुई हैं। हमें यह समझना होगा कि असली सशक्तिकरण आत्मनिर्भरता, शिक्षा और आत्मसम्मान में है, न कि केवल देह प्रदर्शन में। अगर हमें सही मायनों में नारी शक्ति को बढ़ाना है तो हमें इस भ्रम से बाहर आना ही होगा और एक ऐसा समाज बनाना होगा, जहां औरतें अपनी पहचान केवल अपने विचारों से बनाएं, न कि अपने शरीर से।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

शक्ति हो तो दुनिया प्रेम की भाषा भी सुनती है : मोहन भागवत

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने आज कहा कि दुनिया तब ही आपको सुनती है, जब आपके पास शक्ति हो। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे प्राचीन देश है। उसकी भूमिका बड़े भाई की है।

भारत विश्व में शांति और सौहार्द के लिए कार्य कर रहा है। डॉ. भागवत शनिवार को जयपुर के हरमाडा स्थित रविनाथ आश्रम में रविनाथ महाराज की पुण्यतिथि के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस आश्रम के मंच पर मैं न तो सम्मान का अधिकारी हूं और ना ही भाषण का अधिकारी हूं। सम्मान होना ही है तो मैं अकेला तो कुछ नहीं कर रहा हूं। 100 साल से परवर्तित परंपरा चल रही है। उस परंपरा में लाखों कार्यकर्ता हैं।

प्रचारको जैसे ही गृहस्थ कार्यकर्ता भी हैं। इतने सारे कार्यकर्ताओं के परिश्रम का परिणाम अगर कुछ है, अगर वह स्वागत और सम्मान योग्य हैं तो यह उनका सम्मान है। यह सम्मान संतों की आज्ञा से ही मैं ग्रहण कर रहा हूं। संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने कहा कि भारत में त्याग की परंपरा रही है। भगवान राम से लेकर भामाशाह को हम पूजते और मानते हैं। उन्होंने कहा कि विश्व को धर्म सिखाना भारत का कर्तव्य है लेकिन इसके लिए भी शक्ति की आवश्यकता होती है। पाकिस्तान पर हालिया कार्रवाई की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि भारत किसी से द्वेष नहीं रखता लेकिन विश्व प्रेम और मंगल की भाषा भी तब ही कोई सुनता है जब आपके पास शक्ति हो। यह दुनिया का स्वभाव है।

इस स्वभाव को बदला नहीं जा सकता, इसलिए विश्व कल्याण के लिए हमें शक्ति संपन्न होने की आवश्यकता है। डॉ. भागवत ने कहा कि विश्व कल्याण हमारा धर्म है। विशेषकर हिंदू धर्म का तो यह पक्का कर्तव्य है। यह हमारी ऋषि परंपरा रही है जिसका निर्वहन संत समाज कर रहा है। उन्होंने रविनाथ महाराज के साथ बिताए अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि उनकी करुणा से हम लोग जीवन में अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरित होते हैं। कार्यक्रम में भावनाथ महाराज ने डॉ. भागवत को सम्मानित किया। इस दौरान कई प्रमुख गण्यमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

ऑपरेशन सिंदूर पर दुनिया में भारत का पक्ष रखेंगे सर्वदलीय सात प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी दृढ़ नीतियों को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने के लिए सर्वदलीय सात प्रतिनिधिमंडल भेजने का निर्णय लिया है। ये प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों सहित प्रमुख सहयोगी देशों का दौरा करेगा।

संसदीय कार्य मंत्रालय के अनुसार, यह यात्रा ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में की जा रही है, जो भारत की सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ निरंतर लड़ाई का प्रतीक है। प्रतिनिधिमंडलों का उद्देश्य भारत के राष्ट्रीय संकल्प और आतंकवाद के सभी रूपों और स्वरूपों के खिलाफ उसके दृढ़ दृष्टिकोण को पेश करना है। ये प्रतिनिधिमंडल दुनिया को भारत के आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता का मजबूत संदेश देंगे। प्रत्येक प्रतिनिधिमंडल में विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसद, प्रमुख राजनीतिक हस्तियां और विशिष्ट राजनयिक शामिल होंगे। प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने वाले सांसदों में शामिल हैं– शशि थरूर (कांग्रेस), रवि शंकर प्रसाद (भाजपा), संजय कुमार झा (जदयू), बैजयंत पांडा (भाजपा), कनिमोझी (द्रमुक), सुप्रिया सुले (एनसीपी–एसपी) और श्रीकांत एकनाथ शिंदे (शिवसेना)। सरकार के इस फैसले की सोशल मीडिया एक्स पर जानकारी देते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि जब महत्वपूर्ण क्षण आते हैं तो भारत एकजुट खड़ा होता है। उन्होंने इसे राजनीति से ऊपर राष्ट्रीय एकता का एक शक्तिशाली प्रतिबिंब बताया। कांग्रेस नेता एवं विदेश मामलों से जुड़ी संसद की स्थाई समिति के अध्यक्ष शशि थरूर ने कहा कि वह इस निमंत्रण के लिए सम्मानित महसूस करते हैं और राष्ट्रीय हित के मामले में अपनी सेवाएं देने के लिए तैयार हैं। उल्लेखनीय है कि शशि थरूर ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद से विश्व भर में भारत की बात रखने वाले प्रमुख चेहरा बने हैं। उन्होंने कई विदेशी चैनलों से बातचीत में भारतीय सेना और राष्ट्र के रुप में भारत के समर्थ्य और संकल्प को दुनिया के समक्ष रखा है। वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर जानकारी दी कि कांग्रेस ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के तौर पर चार सांसदों के नामों की पेशकश की है, जिनमें आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, डॉ. सैयद नसीर हुसैन और राजा बरार शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल के सदस्य एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि यह किसी पार्टी के बारे में नहीं है। यह एक महत्वपूर्ण कार्य है और मैं अपनी जिम्मेदारी को निभाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने इसे प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता का प्रतीक बताया। संजय कुमार झा ने कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी के आतंकवाद के खिलाफ निरंतर प्रयासों का परिणाम है। सुप्रिया सुले ने भी अपनी जिम्मेदारी स्वीकार की और कहा कि हम एक राष्ट्र के रूप में आतंकवाद के खिलाफ खड़े हैं। श्रीकांत शिंदे ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ता को दर्शाते हुए कहा कि यह उनकी जिम्मेदारी है जिसे वे पूरी निष्ठा से निभाएंगे।

कश्मीर कल भी हमारा था, आज भी है और कल भी रहेगा : उद्धव ठाकरे

मुंबई। शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि कश्मीर कल भी हमारा था, आज भी है और कल भी हमारा ही रहेगा। उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमारे बीच वैचारिक मतभेद हो सकते हैं लेकिन देश पर कोई संकट आएगा तो हम हमेशा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ खड़े रहेंगे। उद्धव ने कहा कि हम देश के खिलाफ नहीं बल्कि सरकार के खिलाफ हैं।

शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे शनिवार को शिवसेना भवन में विधायकों, सांसदों और जिला प्रमुखों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक दिन देश में भाजपा का शासन नहीं रहेगा लेकिन कश्मीर हमेशा भारत का रहेगा। उद्धव ठाकरे कहा कि 'एक राष्ट्र एक चुनाव' का अध्ययन चल रहा है लेकिन चुनाव पारदर्शी तरीके से होने चाहिए। एक राष्ट्र एक चुनाव करना ठीक है लेकिन प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों को चुनाव प्रचार में शामिल नहीं होना चाहिए। उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमारा जहाज़ डूबने वाला नहीं है। सत्ता आती है और जाती है।

हम सत्ता में आने पर अभिभूत नहीं होना चाहते और हम सत्ता खोने पर दुखी भी नहीं होना चाहते। शक्ति पुनः प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत और प्रयास की आवश्यकता होती है। जिनको हमने इतना कुछ दिया, वे पार्टी छोड़ रहे हैं। अगर वे पार्टी छोड़ भी देते हैं तो इससे हमारी पार्टी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। जो छोड़ना चाहता है उसे छोड़ दो। उद्धव ठाकरे ने कहा कि मजदूर हमारे साथ हैं। उद्धव ठाकरे ने शिवसैनिकों को आम आदमी के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा।

इंडो-नेपाल सीमा से कनाडाई नागरिक गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। इंडो–नेपाल सीमा पर सुरक्षा में तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने एक बार फिर चौकसी का परिचय देते हुए एक कनाडाई नागरिक को अवैध रूप से नेपाल से भारत में प्रवेश करते समय मैत्री पुल पर गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान हरप्रीत सिंह के रूप में हुई है, जो कनाडा का नागरिक है और मूलतः पंजाब के कपूरथला का निवासी रह चुका है। हरप्रीत सिंह को एसएसबी टीम ने चेकिंग के दौरान उस समय हिरासत में लिया, जब वह बिना वैध वीजा के नेपाल से भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था। पूछताछ में हरप्रीत ने बताया कि वह वर्ष 2023 में भारत आया था, लेकिन उसकी वीजा की वैधता 2024 में ही समाप्त हो चुकी थी। भारत में रहने के लिए उसके पास कोई वैध वीजा नहीं था। हरैया थानाध्यक्ष किशन कुमार पासवान ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी पहले भारतीय नागरिक था, लेकिन वर्षों तक कनाडा में रहने के बाद उसे वहां की नागरिकता प्राप्त हो गई थी। वह अपने पैतृक गांव कपूरथला आया था और पुनः कनाडा लौटने का प्रयास कर रहा था। चूंकि उसके पास वीजा नहीं था, इसलिए उसने वैकल्पिक रास्ता अपनाने की कोशिश की। हरप्रीत सिंह ने पूछताछ में बताया कि पंजाब में किसी व्यक्ति ने उसे सलाह दी थी कि वह नेपाल के रास्ते हांगकांग जाए और फिर वहां से कनाडा लौट सकता है। इसी सलाह के आधार पर वह रक्सौल के रास्ते काठमांडू पहुंचा, लेकिन वहां एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि बिना भारत के इमिग्रेशन की मोहर के उसे यात्रा की अनुमति नहीं दी जा सकती। इसके बाद वह नेपाल से पुनः रक्सौल होकर भारत लौटने की कोशिश कर रहा था, तभी एसएसबी ने उसे पकड़ लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि भारत–पाकिस्तान के बीच बढ़ तनाव के मद्देनज़र भारत–नेपाल सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है।

उपराष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को नई दिल्ली में जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान कीं और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया।

धनखड़ ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बेहतरीन निवेश करने वाला देश है और युवाओं को राष्ट्रवाद के प्रति समर्पण की भावना विकसित करनी चाहिए। राष्ट्र प्रथम की भावना होनी चाहिए और हर निर्णय में राष्ट्र हित को प्राथमिकता देनी चाहिए। उपराष्ट्रपति ने आर्थिक राष्ट्रवाद पर जोर देते हुए कहा कि हमें उन देशों पर निर्भरता कम करनी चाहिए जो हमारे हितों के प्रतिकूल हैं। हमें अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और राष्ट्र की सुरक्षा में योगदान देने की आवश्यकता है।

धनखड़ ने ऑपरेशन सिंदूर की भी सराहना की और भारत के सशस्त्र बलों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन पहलगाम में हुए बर्बर हमले का करारा जवाब था और दुनिया ने इसे देखा और स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि भारत के आतंकवाद विरोधी प्रयासों में एक नया मानक स्थापित किया गया है।

भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान की सीमा के अंदर बहावलपुर में जैश–ए–मोहम्मद को निशाना बनाया और यह भारत की अब तक की सबसे बड़ी सीमा पार की गई स्ट्राइक है। धनखड़ ने शिक्षा और शोध के मामले में व्यावसायीकरण के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि यह देश शिक्षा के व्यावसायीकरण और वस्तुकरण को बर्दाश्त नहीं कर सकता और हमें समाज के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करना होगा। उद्योग जगत के नेताओं से आह्वान करते हुए उन्होंने शोध के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों को कॉर्पोरेट द्वारा पूरी तरह से वित्तपोषित किया जाना चाहिए और सीएसआर फंड को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस अवसर पर जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष शरद जयपुरिया और उपाध्यक्ष श्रीवत्स जयपुरिया और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के चार परिसरों (लखनऊ, नोएडा, जयपुर और इंदौर) ने पहली बार एक भव्य दीक्षांत समारोह में भाग लिया।

विदेश मंत्री के बयान पर राहुल गांधी ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने विदेश मंत्री के हालिया बयान को आधार बनाते हुए शनिवार को कहा कि हमले की शुरुआत में पाकिस्तान को सूचित करना एक अपराध था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष और सैन्य कार्रवाई की स्थिति पर बात करते हुए कहा था कि ऑपरेशन की शुरुआत में ही हमने पाकिस्तान को यह संदेश भेज दिया था कि हम आतंकवादी ढाँचे पर हमला कर रहे हैं, न कि सेना पर और सेना के पास यह विकल्प है कि वह बाहर खड़ी रहे और हस्तक्षेप न करे। इसी बयान का एक वीडियो जारी करते हुए राहुल गांधी ने केन्द्र सरकार पर हमला बोला है। विदेश मंत्री ने अपने बयान में कहा था कि पाकिस्तान ने सैन्य हस्तक्षेप न करने की भारत की 'अच्छी सलाह' को नहीं माना। वहीं, 10 मई की सुबह भारत ने पाकिस्तान को बुरी तरह से नुकसान पहुँचाया। सैटेलाइट तस्वीरों से साफ पता चलता है कि किसे (पाकिस्तान) नुकसान हुआ है।

लालू यादव के खिलाफ कोर्ट ने जारी किया इश्तेहार, पैतृक गांव फुलवरिया में होगा चश्पा

पटना। सिवान के एमपी–एमएलए कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के खिलाफ एक इश्तेहार जारी किया है। इस इश्तेहार के जरिये कोर्ट ने उन्हें ससमय पेश होने का आदेश दिया है। लालू प्रसाद आचार संहिता उल्लंघन के एक पुराने मामले में पिछले कई सुनवाई में उपस्थित नहीं हुए थे। इस कारण कोर्ट ने उनके खिलाफ यह इश्तेहार जारी किया है।

दरअसल, कोर्ट में उपस्थिति को लेकर जमानतीय और गैर–जमानतीय वारंट जारी होने के बाद भी यदि आरोपी उपस्थित नहीं होता है, तो उसके विरुद्ध इश्तेहार जारी किया जाता है। एक पुराने मामले में न्यायालय ने उन्हें स–समय कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है। लालू यादव से जुड़ा यह मामला 2011 का है। सिवान जिले में दरौंदा थाना के विधानसभा क्षेत्र में 2011 में उपचुनाव हुआ था, जिसमें राजद उम्मीदवार परमेश्वर राय, लालू यादव के पार्टी से चुनाव लड़ रहे थे। इसी बीच चुनाव प्रचार–प्रसार के दौरान उनपर अचार संहिता 144–188 धारा लगा था।

इसके अंतर्गत आचार संहिता उल्लंघन ध्वनि निस्तारण यंत्र अधिनियम 9 के तहत लाउडस्पीकर एक्ट को लेकर तत्कालीन अंचलाधिकारी (सीओ) के द्वारा, जो कि उस समय उड़नदस्ता प्रभारी थे, उनके द्वारा थाना में केस दर्ज करवाया गया था। एमपी ,एमएलए कोर्ट में यह केस 14 साल चलने के बाद आज एक एसीजीएम एमपी एमएलए कोर्ट के द्वारा लालू यादव के खिलाफ इश्तेहार जारी किया गया है। इश्तेहार में लालू प्रसाद यादव के गांव फुलवरिया का पता है, जहां इश्तेहार को चिपकाया जाएगा।

मुख्यमंत्री नीतीश ने किया सब-वे और मल्टी मॉडल हब का उद्घाटन

400 मीटर भूमिगत टनल से पहुंचेगे जंक्शन

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को पटना जंक्शन के पास सब–वे का शुभारम्भ और स्मार्ट सिटी के तहत पटना के जीपीओ गोलंबर के नजदीक बने मल्टी मॉडल हब का उद्घाटन किया। पटना जंक्शन के सामने एक 440 मीटर लंबा अंडरग्राउंड सब–वे और इसके ऊपर तीन मंजिला मल्टीलेवल पार्किंग बनाई गई है। इसमें रेस्टोरेंट, एटीएम से लेकर दुकानें तक हैं।

जीपीओ गोलंबर से पटना जंक्शन गोलंबर वाया न्यू मार्केट एरिया में पीक आवर में गाड़ियां रेंगती रहती है। पटना जंक्शन पर गाड़ियों की पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था भी अब तक नहीं थी। अभी जीपीओ गोलंबर के पास ही बस स्टैंड और ऑटो स्टैंड भी है। ऐसे में लोगों को स्टेशन आने और जाने में काफी परेशानी हो रही थी। इसके उद्घाटन के बाद अब जंक्शन के पास से खुलने वाली बसों को यहीं पार्क किया जाएगा। ऑटो को भी यहीं खड़े करने की व्यवस्था होगी। आम जन के लिए यह रविवार , यानी 18 मई से शुरु होगा। मल्टी मॉडल हब और टनल की देखरेख की जिम्मेदारी स्मार्ट सिटी लिमिटेड की ही होगी। इसके रखरखाव और देखरेख के लिए टेंडर के माध्यम से एजेंसी का चयन किया जाएगा। सुरक्षा के लिहाज से हर जरूरी बंदोबस्त किए गए हैं। हर एंट्री और एग्जिट पॉइंट पर सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है। आग से बचाव के लिए हर मंजिल पर सेंट्रलाइज्ड फायर इस्टिंग्विशर का सेटअप तैयार किया गया है। पूरे टनल में सेंट्रलाइज्ड एसी का सेटअप किया गया है। टनल में सीसीटीवी कैमरे, लाइट्स, डिस्प्ले स्क्रिन और साउंड सिस्टम भी है। साउंड सिस्टम के जरिए लोगों को इस बात की जानकारी दी जाएगी कि टनल के किस गेट के जरिए किस साइड बाहर निकला जा सकता है।' टनल में तीन एंट्री और एग्जिट गेट बनाए गए हैं। इससे जीपीओ गोलंबर और इस्कॉन टेंपल की तरफ से लोग आसानी से पटना जंक्शन पहुंच सकते हैं। गाड़ियों की बेहतर पार्किंग के साथ स्टेशन आने–जाने में भी लोगों को सहूलियत होगी। सब–वे से पैसेंजर्स को महावीर मंदिर जाने में सुविधा होगी। मल्टी मॉडल हब को पटना जंक्शन, मेट्रो स्टेशन और बुद्ध स्मृति पार्क के पास बने मल्टी मॉडल पार्किंग से स्मार्ट और अल्ट्रा मॉडल टनल से जोड़ा गया है।

टनल में तीन जगह से एंट्री-एग्जिट

1. पहला एंट्री– एग्जिट मल्टी मॉडल पार्किंग।
2. दूसरी एंट्री– मल्टी मॉडल कार पार्किंग ।
3. तीसरी एंट्री– महावीर मंदिर, रेलवे स्टेशन गेट नंबर–3 के पास।

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में अवैध रूप से रह रहा बांग्लादेशी दंपति गिरफ्तार, न्यायालय में किया गया पेश

दुर्ग/रायपुर। छत्तीसगढ़ में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की पहचान कर उनके खिलाफ लगातार की जा रही है। इसके लिए एसटीएफ लगातार कार्रवाई में जुटी है। एसटीएफ ने दुर्ग जिले से अवैध रूप से रह रहे एक बांग्लादेशी दंपति को गिरफ्तार किया है।

एसटीएफ को 16 मई को सूचना मिली थी कि दुर्ग जिले के सुपेला भिलाई थानांतर्गत पांच रास्ता, सुपेला में कांट्रेक्टर कॉलोनी के एक मकान में बांग्लादेशी दंपति रह रहा है। इसके बाद पुलिस ने वहां दबिश दी तो ज्योति और रासेल शेख मिल गए। दोनों अपनी असली पहचान बदलकर यहां रह रहे थे। एसटीएफ ने सख्ती से पूछताछ की तो महिला ने अपना असली नाम शाहीदा खातून और

उसके पति ने अपना नाम मोहम्मद रासेल शेख निवासी ग्राम बाला, पोस्ट रघुनाथ नगर थाना झीकार गाछा, जिला जेस्सोर, बांग्लादेश बताया।

जांच में पता चला है कि 2009 में महिला शाहीदा खातून अवैध तरीके से सीमा पार कर भारत आ गई थी। नार्थ–24 परगना, पश्चिम बंगाल से हावड़ा होते हुए मुंबई जाकर मजदूरी करने लगी। वहां उसकी पहचान रासेल शेख से हुई। इसके बाद दोनों वापस बांग्लादेश गए और महिला ने अपना नाम बदलकर ज्योति रख लिया और रासेल से शादी कर ली। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने शनिवार को इसका खुलासा करते हुए बताया कि दोनों पति पत्नी 2009 में बांग्लादेश से भारत आए थे और हावड़ा होते हुए मुंबई के ठाणे में पहुंचे थे।

बांग्लादेश के रहने वाली शाहीदा खातून और उसके पति मोहम्मद रसेल ने पहले ठाणे में फर्जी दस्तावेज बनवाया, फिर 2017 में भिलाई आ गए और यहां मजदूरी और कैटरिंग का काम करने लगे। दोनों बांग्लादेश के रघुनाथपुर के जिला जस्सोर के रहने वाले थे और 2009 में भारत–बांग्लादेश के बोंगा बॉर्डर से भारत पहुंचे थे। एसएसपी अग्रवाल ने बताया कि 2017 में ही दोनों बांग्लादेश गए थे और वहां शादी करने के बाद वीजा लेकर भारत आए थे, लेकिन इन दोनों का वीजा खत्म हो गया था। इसी बीच 2020 में उन्हें सुपेला पुलिस ने गिरफ्तार किया था। तब भी उनके पास कोई दस्तावेज नहीं होने के कारण उन पर विदेशी विषयक अधिनियम भारतीय पासपोर्ट अधिनयिम के तहत मामला दर्ज किया गया था। इधर इन कुछ सालों में इन दोनों ने सुपेला में रहते हुए फिर से कुटरचित कर भिलाई का आधारकार्ड बनाया।

पूछताछ में पुलिस को पता चला कि दोनों के पास पासपोर्ट भी था, लेकिन पासपोर्ट की वैधता खत्म होने के बाद भी ये लोग अवैध रूप से भारत में रह रहे थे। शाहिदा खातून का वीजा 13 सितंबर 2018 और रासेल का वीजा 12 अप्रैल 2020 को समाप्त हो गया था। फिलहाल दुर्ग पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर आज न्यायालय में पेश किया है।

प्रदेश के प्रत्येक मण्डल में स्थापित हों आयुष महाविद्यालयः मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को आयुष विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में निर्देश दिया कि प्रदेश के प्रत्येक मण्डल में एक इंटीग्रेटेड आयुष महाविद्यालय की स्थापना सुनिश्चित की जाए, जिसमें आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी समेत आयुष की सभी पद्धतियों को एक ही परिसर में उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि यह कदम न केवल आयुष चिकित्सा पद्धति को सुदृढ़ करेगा, बल्कि भविष्य की स्वास्थ्य-आधारित शिक्षा प्रणाली को भी सशक्त बनाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार आयुष चिकित्सा पद्धति को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मिशन मोड में कार्य कर रही है। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी आयुष संस्थानों में नेचुरोपैथी और योग सेंटर की स्थापना अनिवार्य रूप से की जाए और सभी स्वीकृत शैक्षणिक व चिकित्सकीय पदों को शत-प्रतिशत भरने की कार्यवाही समयबद्ध ढंग से पूरी की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के हर जनपद में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर प्रारंभ किए जाएं, जो सरकारी या पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मोड में संचालित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध ढंग से हो और प्रदेश भर में आयुष विभाग की निर्माणाधीन परियोजनाओं को भी प्राथमिकता से पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री ने निजी क्षेत्र को भी इस क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि निजी निवेशकों को आयुष सेक्टर में निवेश के लिए आकर्षित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि निजी क्षेत्र में संचालित आयुष महाविद्यालयों एवं चिकित्सालयों के बुनियादी ढांचे, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों, फैकल्टी एवं स्टाफ की गुणवत्ता का गहन परीक्षण कराया जाए ताकि कोई कमी न रह जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुर्वेद में पंचकर्म जैसी विशिष्ट पद्धतियां गंभीर बीमारियों के उपचार में अत्यंत प्रभावी हैं, इसलिए इन पद्धतियों को प्रदेश के सभी आयुष संस्थानों में बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि आयुष चिकित्सा की लोकप्रियता को देखते हुए यह समय है जब भारत की परंपरागत चिकित्सा को वैज्ञानिक रूप से प्रस्तुत कर वैश्विक मंच पर स्थापित किया जाए। मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन के लिए अभी से तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी मण्डलों, जनपदों, नगर निकायों, ग्राम पंचायतों और सरकारी विभागों में योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इसके लिए प्रत्येक जनपद में प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनरों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, जो जनसामान्य को योग प्रशिक्षण दे सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डाबर, वैद्यनाथ और पतंजलि जैसी आयुर्वेदिक उत्पादक संस्थाओं के साथ एमओयू कर सभी आयुष चिकित्सालयों में आवश्यक दवाओं की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी मरीज को चिकित्सकीय उपचार के लिए दवा की कमी न हो। बैठक के दौरान आयुष विभाग के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि वर्तमान में प्रदेश में 2,127 आयुर्वेदिक, 259 यूनानी और 1,598 होम्योपैथिक चिकित्सा संस्थान संचालित हैं, जो आयुष सेवाओं को जनसामान्य तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इन संस्थानों की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निरंतर मॉनिटरिंग की जाए और आवश्यकतानुसार संसाधन उपलब्ध कराए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष न केवल भारत की चिकित्सकीय परंपरा का प्रतीक है, बल्कि यह समग्र स्वास्थ्य दृष्टिकोण को भी परिभाषित करता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को आयुष के क्षेत्र में राष्ट्रीय और वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में लाने के लिए सभी प्रयासों को एकजुट, योजनाबद्ध और समयबद्ध रूप से आगे बढ़ाया जाए।

मुख्यमंत्री योगी ने बारिश और ओलावृष्टि के मद्देनजर अधिकारियों को राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंधी-बारिश, ओलावृष्टि के मद्देनजर संबंधित जिलों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि अधिकारी क्षेत्र का जायजा लेकर सर्वेक्षण करें तथा राहत कार्य की निगरानी करें। यह भी निर्देश दिया कि आकाशीय बिजली, आंधी तूफान, बारिश आदि आपदा से जनहानि और पशु हानि होने की स्थिति में तत्काल प्रभावितों को राहत राशि का वितरण करें तथा घायलों का समुचित उपचार कराया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि अधिकारी सर्वेक्षण कराकर फसल नुकसान का आकलन करते हुए आख्या शासन को भेजें, ताकि इस संबंध में अग्रेत्तर कार्यवाही की जा सके। उन्होंने निर्देशित किया कि जल जमाव की स्थिति होने पर प्राथमिकता के साथ जल निकासी की व्यवस्था कराई जाए।

संक्षिप्त खबरें

अपराधियों को पकड़ने के लिए नहर में कूदे कांस्टेबल की करंट लगने से मौत

बिजनौर। बिजनौर में ट्रक चालक से कथित तौर पर मारपीट कर भाग रहे कुछ अपराधियों को पकड़ने के लिए नहर में कूदे कांस्टेबल की करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। बिजनौर पुलिस अधीक्षक अभिषेक ने बताया कि शुक्रवार रात नगीना रोड स्थित गढ़ी चौराहे पर कार सवार कुछ अपराधी ट्रक चालक से मारपीट कर रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस प्रतिक्रिया वाहन (पीआरवी) के कांस्टेबल मनोज (38) और गंगा राम मौके पर पहुंचे तो अपराधी गोली चलाते हुए कार से भागने लगे। सलामाबाद-भरैरा के पास कार अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकराकर नहर में गिर गई। उन्होंने बताया कि दोनों कांस्टेबल भी नहर में कूद गए। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कार की टक्कर से खंभे से तार टूटकर पानी में गिर गया, जिससे नहर में करंट आ गया। उन्होंने बताया कि बाद में मौके पर आए पुलिसकर्मियों ने बिजली कटवाकर दोनों सिपाहियों को पानी से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां सिपाही मनोज को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि सिपाही गंगा राम का उपचार किया जा रहा है। पुलिस ने बिजनौर जिले के चांदपुर थाना क्षेत्र के गांव झाल निवासी एक बदमाश नीरज को घायल अवस्था में मौके से पकड़ लिया और उसे भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि उसके दो साथी भाग गए जिनकी तलाश के लिए कई टीम गठित की गई हैं और पकड़ेगए बदमाश से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

शादी के छह दिन बाद पत्नी की लाठी से पीट-पीटकर हत्या कर दी, गिरफ्तार

वाराणसी। वाराणसी के एक गांव में 44 वर्षीय व्यक्ति ने शादी के छह दिन बाद ही अपनी पत्नी की कथित तौर पर लाठी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसने बताया कि घटना बृहस्पतिवार रात चौबेपुर थाना क्षेत्र के अमौली गांव की है जहां राजू पाल ने पारिवारिक झगड़े में अपनी पत्नी आरती पाल (26) को कथित तौर पर लाठी से पीट-पीटकर बुरी तरह घायल कर दिया। थाना प्रभारी जगदीश कुशवाहा ने बताया कि सूचना पर पहुंची पुलिस आरती को नरपतपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि राजू को गिरफ्तार कर लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक आरती और राजू की शादी नौ मई को हुई थी। यह राजू की तीसरी शादी थी। उसकी दो शादियां पहले ही टूट चुकी हैं। उसने बताया कि शादी के बाद से ही राजू का आरती से झगड़ा होने लगा।

उप्र के किसान के बेटे को ब्रिटेन में मेयर चुना गया

लंदन\ मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर के एक किसान के बेटे को ब्रिटेन के वेलिंगबोरो शहर का नया मेयर चुना गया है। वेलिंगबोरो ब्रिटेन के ईस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र में स्थित है। उन्हें इस महीने की शुरुआत में स्थानीय नगर पार्षद चुना गया था। राज मिश्रा (37) छह मई को हुए स्थानीय चुनाव में शहर के विक्टोरिया वार्ड से निर्वाचित हुए थे और मंगलवार को नगर परिषद की वार्षिक बैठक में वेलिंगबोरो के पांचवें मेयर चुने गए। उनके मेयर चुने जाने की खबर से मिर्जापुर में उनके मित्रों और परिवार के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। मिश्रा ने एक बयान में कहा कि वेलिंगबोरो के मेयर के रूप में सेवा करना सम्मान की बात है। मैं एक जीवंत, समावेशी और समृद्ध समुदाय के लिए सभी निवासियों के साथ मिलकर काम करने की खातिर प्रतिबद्ध हूं। हम सब मिलकर अपने शहर के लिए एक उज्जवल भविष्य का निर्माण करेंगे।

तेंदुए ने हमला कर किसान को मार डाला

बिजनौर। जिले में तेंदुए के हमले में एक किसान की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना शुक्रवार देर शाम चांदपुर थाना क्षेत्र में बास्टा के निकट की है जब संसारपुर निवासी कमलजीत सिंह (52) गांव की डेयरी पर दूध देकर लौट रहे थे तभी घर के पास खेतों से आए तेंदुए ने हमला कर उन्हें बुरी तरह घायल कर दिया। थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि इसके बाद तेंदुआ जंगल की तरफ भाग गया। उन्होंने बताया कि चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने कमलजीत को अस्पताल में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया । पुलिस के अनुसार शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। वन रेंजर दुष्यंत कुमार के अनुसार तेंदुए को शीघ्र पकड़ने के लिये प्रयास किये जा रहे हैं।

दो मोटरसाइकिल की भिड़ंत में एक व्यक्ति की मौत, तीन अन्य घायल

सुलतानपुर। जिले में दो मोटरसाइकिल की आमने-सामने की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना शुक्रवार शाम कादीपुर कोतवाली क्षेत्र में लखनऊ-बलिया राष्ट्रीय राजमार्ग पर पदारथपुर मोड़ पर हुई जब प्रदीप उपाध्याय (57) पांडेबाबा बाजार से अपने घर पदारथपुर जा रहे थे। थाना प्रभारी श्याम सुन्दर ने बताया कि मोड़ पर मुड़ते समय उपाध्याय की मोटरसाइकिल कादीपुर से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल से टकरा गई। उन्होंने बताया कि उपाध्याय समेत दूसरे मोटरसाइकिल पर सवार बागसराय रायबिगो के निवासी बाबुल पाल (18), विशाल माली (20) और सनोज (18) घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि सभी को पहले कादीपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद राजकीय मेडिकल कॉलेज सुलतानपुर रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार इलाज के दौरान प्रदीप उपाध्याय की मौत हो गई। बाबुल, विशाल और सनोज की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और विधिक कार्रवाई की जा रही है।

एक अपराध में रमाकांत यादव पर तीन FIR पर जवाब तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक ही अपराध पर तीन अलग-अलग एफआईआर को चुनौती देने वाली सपा के बाहुबली विधायक रमाकांत यादव की याचिका पर राज्य सरकार से चार सप्ताह में जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह ने रमाकांत यादव की याचिका पर दिया है। मामला आजमगढ़ के जहरीली शराब कांड से जुड़ा है। याची की ओर से कोर्ट को बताया गया कि एक ही अपराध में तीन अलग-अलग ट्रायल अदालत में चल रहे हैं। उन्होंने हाईकोर्ट से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की। सरकारी वकील ने कोर्ट को बताया कि तीनों एफआईआर में शिकायतकर्ता अलग-अलग हैं। पुलिस ने जांच के बाद तीनों मामलों में चार्जशीट भी अलग-अलग दाखिल की है। याचिका पर अगली सुनवाई के लिए 16 जुलाई की तारीख लगाई गई है।

आयकर विभाग और जीएसटी विभाग ने भाजपा नेता के घर पर मारा छापा

बिजनौर। आयकर विभाग और जीएसटी विभाग की सयुंक्त टीम ने शनिवार सुबह भाजपा नेता प्रिंस चौधरी के आवास पर छापा मारा। पांच घंटे की सघन तलाशी के बाद टीम वापस लौट गई। पत्रकारों ने छापेमारी को लेकर जांच दल से सवाल किया, लेकिन किसी भी अधिकारी ने कोई भी जवाब नहीं दिया। स्योहारा थाना क्षेत्र के गांव बुढ़नपुर में रहने वाले भाजपा नेता प्रिंस चौधरी ने बताया कि जीएसटी और आयकर विभाग टीम उनके यहां आयी थी। उनके अधिवक्ता भी यहां पहुंचे थे। इसके बाद किसी को भी अंदर से बाहर और बाहर से अंदर नहीं आने दिया। पांच घंटे की कार्रवाई के बाद टीम यहां से निकल गई। भाजपा नेता ने बताया उनका एक होटल मैसर्स आंशु होटल्स एंड रिसोर्ट एलएलपी मुक्कयतपुर गोल बाग में बन रहा है। उसी के संबंध में नोटिस जारी किया गया है। मुझे मेरठ कार्यालय मे उपस्थित होकर साक्ष्य और जानकारी देने के लिए कहा गया है। वह नोटिस का जवाब देने जाएंगे। इलाके के लोग बताते हैं कि इसके अलावा भाजपा नेता व उनके पिताजी सहदेव सिंह साहूकारा का बड़ स्तर पर काम करते हैं। जिले में इनसे बड़ा ब्याज का काम करने वाला शायद ही कोई हो। इनके पास ब्याज के कारोबार में कई लोग काम करते हैं जो पैसा बांटने से लेकर ब्याज वसूली करने का काम करते हैं। इस कारोबार में प्रति माह करोड़ों का लेन-देन होने की आम चर्चा भी है। भाजपा नेता प्रिंस चौधरी ने दो वर्ष पहले गंगा-स्नान मेले पर होलिकाप्टर किराये पर मंगाकर फूल वर्षा की थी। 2024 में प्रिंस चौधरी गाड़ी से हुई दुर्घटना में दो युवकों की मौत के मामले में जेल भी जा चुके है।

ट्रक की टक्कर से ई रिक्शा सवार दो लड़कियों की मौत, सात घायल

बाराबंकी। रामसनेहीघाट क्षेत्र के मेडुवा कट के पास शुक्रवार रात को तेज रफ्तार ट्रक ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दिया। हादसे में दो लड़कियों की मौत हो गई है। दो मासूम बच्चों समेत सात लोग घायल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

असन्द्रा थाना क्षेत्र के राजा की बगिया मजरे चन्द्रभान का पुरवा निवासी देवनारायण के परिजन उधौली गांव में आयोजित एक वैवाहिक कार्यक्रम से ई-रिक्शा से लौट रहे थे। शुक्रवार रात 12 बजे के आसपास ई-रिक्शा अयोध्या-लखनऊ हाईवे पर मेडुवा के पास पहुंचा। शॉर्टकट लेने के प्रयास में ई-रिक्शा गलत दिशा से चढ़ गया, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने सीधी टक्कर मार दी। हादसे में गुड़िया (22) और रेशमा (14) की मौके पर ही मौत हो गई। अनिल, पूनम, जानवी, निशा, अनमोल, पलक और सचिन गंभीर रूप से घायल हो गए। चालक ट्रक लेकर फरार हो गया।

सूचना मिलते ही कोतवाल अंकित त्रिपाठी तत्काल मौके पर पहुंचे और घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया। अनिल, पूनम और अनमोल को प्राथमिक उपचार के बाद ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया।

राहुल गांधी से जुड़े मानहानि मामले की सुनवाई टली

सुलतानपुर। सुलतानपुर की एक विशेष अदालत ने नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के खिलाफ जारी मानहानि मामले की सुनवाई शनिवार को अधिवक्ताओं की विधिक कार्यशाला के कारण स्थगित कर दी।

सुलतानपुर की सांसद-विधायक (एमपी/एमएलए) अदालत ने मामले की सुनवाई दो जून के लिए निर्धारित कर दी। मामले की पिछली सुनवाई 28 अप्रैल को हुई थी। वादी विजय मिश्र के अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय ने शनिवार को बताया कि अधिवक्ताओं की विधिक कार्यशाला के कारण सभी अधिवक्ता कार्य से विरत रहे, जिसके कारण सुनवाई टल गई। पिछली सुनवाई में पांडेय ने मामले के संबंध में कोतवाली देहात के पिताम्बरपुर कला गांव के निवासी अनिल मिश्रा को अदालत में बतौर गवाह पेश किया था, जिनसे राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने जिरह की थी लेकिन जिरह पूर्ण नहीं होने पर विशेष न्यायधीश ने 17 मई के लिए सुनवाई तय की थी। कोतवाली देहात के हनुमानगंज निवासी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता विजय मिश्रा ने वर्ष 2018 में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि 2018 में कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने अभद्र टिप्पणी की थी, जिससे वह आहत हुए थे।

सड़क किनारे मिला नवजात का भ्रूण

औरैया। शनिवार को गढ़िया रोड स्थित ओवरब्रिज के पास सुबह टहलने निकले लोगों ने लाल कपड़े में भ्रूण लिपटा देखा। इस जानकारी पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। जिसके बाद लोगों ने कोतवाली पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना पर पहुंची पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। कोतवाली पुलिस ने भ्रूण को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई कर मोर्चरी भेज दिया। क्षेत्राधिकारी महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि ओवरब्रिज के पास आज एक नवजात का भ्रूण मिला है। भ्रूण से संबंधित कोतवाली पुलिस ने गहनता से जांच कर रही है। अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मनरेगा भ्रष्टाचार! भीषण गर्मी में सर्दी की फोटो की जा रही अपलोड

जालौन। माधौगढ़ विकास खंड रामपुरा में फर्जीबाड़ा रुकने का नाम ही नही ले रहा है। कागजों में भरे जा रहे मनरेगा मजदूर शासन की मोबाइल मॉनिट्रिंग सिंस्टम को सीधा चुनौती दे रही है। शनिवार को विकास खंड की ग्राम पंचायत बिल्हौड़ में असल फर्जीबाड़ा देखने को मिला जोकि विभागीय तौर पर जाँच का विषय है।

सूर्य की भीषण तपन और 46 डिग्री तापमान में मनरेगा मजदूरों को ठंड लग रही है। यह हम नहीं विकास खंड रामपुरा के रोजगार सेवक कह रहे हैं, वह भी मौखिक नहीं, तस्वीर के साथ आखिर तभी तो मजदूर अपने बदन को ऊनी कपड़ों से ढके काम कर रहे हैं। या फिर यूं कह सकते हैं कि विकास खंड रामपुरा के रोजगार सेवक मजदूरों को गर्मी में शिमला और नैनीताल की सैर करा रहे हैं, इसलिए मजदूरों ने ऊनी कपड़े पहन रखे है। मजदूर ग्राम पंचायत बिल्हौड़ में सीसी रोड़ का काम छोटेलाल के घर से डामर रोड़ तक किया जा रहा है। जिसमें गांव के मजदूर सफ़ेद पोशाक व सर्दी के ऊनी कपड़े खड़े फोटो खिचवा रहे है।

अब ऐसे में सवाल यह है कि मजदूरों को 46 डिग्री तापमान में सर्दी किस प्रकार लग रही है। नेशनल मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम पर अपलोड फोटो ने मनरेगा में फर्जीवाड़ा कर राशि निकासी के खेल को उजागर कर दिया है। दरअसल, मनरेगा की योजनाओं में एनएमएमएस पर दैनिक उपस्थिति के साथ काम करने वालों मजदूरों की तस्वीर अपलोड की जाती है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने इको टूरिज्म और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये शुरू की विस्टाडोम कोच सेवा

- रोमांच के शौकीन पर्यटकों के लिए यूपी के जंगलों में पहली बार शुरू हुई विस्टाडोम ट्रेन सेवा
- विस्टाडोम कोच से कतर्नियाघाट, दुधवा नेशनल पार्क और किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य का मिलेगा आनंद

लखनऊ। योगी सरकार ने प्रदेश में इको टूरिज्म और पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य से दुधवा टाइगर रिजर्व तक रेल कनेक्टिविटी प्रदान करने वाली पर्यटक ट्रेन में विस्टाडोम कोच का संचालन शुरू कर दिया गया है। इसी के साथ यूपी देश का पहला ऐसा प्रदेश बन गया है, जहां पर्यटकों के लिए जंगल सफारी का रोमांचक अनुभव उपलब्ध कराने के लिए विस्टाडोम कोच की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। यह सेवा पर्यटकों के लिए 12 महीने उपलब्ध रहेगी। फिलहाल यह सेवा वर्तमान में शनिवार और रविवार ही पर्यटकों को उपलब्ध करायी जा रही है, आने वाले दिनों में यह सेवा सभी दिन उपलब्ध होगी। इससे जहां एक ओर पयर्टन को बढ़ावा मिलेगी, वहीं रोजगार भी उपलब्ध होंगे।

पर्यटन विभाग के निदेशक प्रखर मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के वन क्षेत्रों को 'एक गंतव्य तीन वन' (One Destination Three Forest) के रूप में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। इसी कड़ी में दुधवा नेशनल पार्क, कतर्नियाघाट और किशनपुर वन्यजीव अभ्यारण्य को एकीकृत करते हुए पर्यटकों के लिए सुलभ और रोमांचक अनुभव देने के लिए विस्टाडोम कोच का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश इको टूरिज्म विकास बोर्ड द्वारा पर्यटकों को वर्ष भर नेचर ट्रेल और जंगल सफारी का अद्वितीय अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। यह सुविधा पहले चरण में प्रत्येक शनिवार और रविवार को उपलब्ध कराई जा रही है। इस सेवा के सकारात्मक परिणामों के पश्चात इसे पूरे सप्ताह के लिए विस्तारित करने की योजना है।

विस्टाडोम कोच के माध्यम से पर्यटक 107 किलोमीटर लंबे जंगल के भीतर सफर करते हुए प्राकृतिक दृश्यावली, जैव विविधता और वन्यजीवों का नज़दीक से अनुभव ले सकेंगे। यह सफर चार घंटे 25 मिनट का है। वहीं ट्रेन सेवा काफी किफायती भी है। इस सेवा के लिए पर्यटकों से केवल 275 रुपये प्रति पर्यटक शुल्क लिया जा रहा है। यह शुल्क कर्तनियाघाट से दुधवा नेशनल पार्क तक का है। निदेशक ने बताया कि पर्यटकों को राजधानी लखनऊ से कर्तनियाघाट तक ले जाने का पैकेज तैयार किया जा रहा है। इस पैकेज में विभाग की ओर से प्रति पर्यटक सब्सिडी भी दी जाएगी, जिस पर विचार किया जा रहा है।

र्यटन निदेशक प्रखर मिश्रा ने बताया कि 107 किलोमीटर लंबी जैव विविधता से भरपूर यात्रा का अनुभव देने वाली ट्रेन का नाम बिछिया से मैलानी पर्यटक यात्री ट्रेन (Bichia to Mailani Tourist Passenger Train) संख्या 52259 रखा गया है, जो बिछिया स्टेशन (बहराइच) से सुबह 11:45 बजे चलकर विभिन्न स्टेशनों से गुजरते हुए दोपहर 4:10 बजे मैलानी स्टेशन (लखीमपुर खीरी) पहुंचती है। वहीं वापसी यह मैलानी से बिछिया पर्यटक यात्री ट्रेन (Mailani to Bichia Tourist Passenger Train) संख्या 52260 सुबह 6:05 बजे मैलानी से रवाना होकर 10:30 बजे बिछिया पहुंचती है। यह ट्रेन नौ स्टेशन क्रमशः बिछिया, मंझरा पुरब, खैराटिया बांध रोड, तिकुनिया, बेलरायन, दुधवा, पलिया कलां, भीरा खीरी से होते हुए मैलानी स्टेशन पर पहुंचती है। विस्टाडो कोच सेवा न केवल वनों और अभयारण्यों से गुजरती है, बल्कि वेटलैंड, ग्रासलैंड, फार्मलैंड और वुडलैंड जैसे प्राकृतिक परिदृश्यों को भी करीब से देखने का अवसर प्रदान करती है। यह सुविधा पयर्टकों को मानसून सीजन में भी आकर्षित करेगी। इस पहल से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि क्षेत्रीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे। यह सेवा होमस्टे मालिकों, रिसॉर्ट ऑपरेटर्स और ट्रैवल एजेंट्स की भागीदारी से स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त करेगी।

वर्तमान में हर सप्ताह युवा पर्यटन क्लब के तहत सरकारी स्कूल के बच्चों के लिए विशेष क्यूरेटेड टूर आयोजित किए जा रहे हैं। साथ ही सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और ट्रैवल ब्लॉगर्स के लिए फेम टूर का आयोजन किया जा रहा है ताकि विस्टाडोम कोच और इस सफर को डिजिटल माध्यम से प्रचारित किया जा सके। इससे न केवल जागरूकता बढ़ रही है बल्कि राज्य के प्राकृतिक संसाधनों और जैव विविधता के संरक्षण का संदेश भी प्रसारित हो रहा है। योगी सरकार की दूरदर्शिता और उत्तर प्रदेश इको टूरिज्म बोर्ड के समन्वित प्रयासों से विस्टाडोम कोच सेवा प्रदेश में ईको टूरिज्म के लिए मील का पत्थर साबित हो रही है। यह न केवल पर्यटकों को रोमांचक यात्रा का अनुभव दे रही है, बल्कि 'हरित उत्तर प्रदेश' के लक्ष्य की ओर एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

अयोध्या आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग की सौगात

- अयोध्या में साढ़े आठ करोड़ में 14 हजार स्क्वायर मीटर में तैयार हुई आधुनिक पार्किंग
- 150 से अधिक कार के लिए बने हैं ब्लॉक साथ ही ईवी स्टेशन भी बना

अयोध्या। भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में पर्यटकों और श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए योगी सरकार ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जिला कारागार के पीछे 14 हजार स्क्वायर मीटर के विशाल क्षेत्र में साढ़े आठ करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक पार्किंग का निर्माण कराया है। नगर निगम द्वारा तैयार इस पार्किंग में 48 बड़े वाहन, 150 से अधिक चार पहिया वाहन और बड़ी संख्या में मोटरसाइकिल खड़ी हो सकेंगी। यह सुविधा न केवल वाहनों की पार्किंग को सुगम बनाएगी, बल्कि इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराएगी। योगी सरकार में अयोध्या अब वैश्विक स्तर पर धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बन चुकी है। यहां हर दिन लाखों श्रद्धालु और पर्यटक पहुंच रहे हैं। राम मंदिर के दर्शन के लिए देश-विदेश से आने वाले लोगों की सुविधा के लिए योगी सरकार ने इस पार्किंग को प्राथमिकता के आधार पर तैयार कराया है। यह पार्किंग शहर की भीड़भाड़ को कम करने और यातायात को व्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पार्किंग में विभिन्न प्रकार के वाहनों के लिए अलग-अलग क्षेत्र निर्धारित किए गए हैं। यहां पर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन भी स्थापित किए गए हैं। यह सुविधा पर्यावरण के अनुकूल यात्रा को बढ़ावा देगी और उन पर्यटकों के लिए लाभकारी होगी जो इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करते हैं। पार्किंग क्षेत्र को व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के लिए उचित प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती भी की गई है। पार्किंग को पर्यटकों के लिए आकर्षक भी बनाया गया है। जिला कारागार की दीवारों को रंग-बिरंगी पेंटिंग्स से सजाया गया है, जिनमें रामायण के दृश्य, अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक महत्व को दर्शाया गया है। इन दीवारों के पास पहुंच पेंटिंग के साथ सेल्फी ले सकेंगे।

अयोध्या में पहले पार्किंग की कमी के कारण पर्यटकों को अपने वाहन सड़कों पर या असुरक्षित स्थानों पर खड़े करने पड़ते थे, जिससे यातायात जाम और असुविधा की स्थिति उत्पन्न होती थी। इस नई पार्किंग के बनने से न केवल पर्यटकों को राहत मिलेगी, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए भी यातायात व्यवस्था सुगम होगी। रायबरेली, प्रयागराज व अम्बेडकनगर से हाईवे होकर नाका में प्रवेश करने के बाद मक़बरा से ओवर ब्रिज होकर पार्किंग स्थल पर पहुंचा जा सकेगा। पार्किंग स्थल पर सभी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। नगर निगम निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता पुनीत ओझा ने बताया पार्किंग स्थल की सतह आरसीसी से बनी है। शौचालय के भी प्रबंध हैं। बूम बैरियर इत्यादि लगना है। स्टैंड के चार्ज के लिए जल्द टेंडर निकाला जाएगा।

यूपी बोर्ड : इंप्रूवमेंट व कम्पार्टमेंट परीक्षा के लिए 19 मई से करें ऑनलाइन आवेदन

हाईस्कूल इंप्रूवमेंट परीक्षा में अनुत्तीर्ण एक विषय में परीक्षा दे सकते हैं परीक्षा

प्रयागराज। यूपी बोर्ड ने 2025 की हाईस्कूल परीक्षा में इंप्रूवमेंट, कम्पार्टमेंट और इंटरमीडिएट में कम्पार्टमेंट परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन का शेड्यूल आज जारी कर दिया है। परीक्षार्थी यूपी बोर्ड की वेबसाइट "upmsp.edu.in" पर 19 मई से 10 जून की रात 12 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि हाईस्कूल में इंप्रवूमेंट परीक्षा के तहत परीक्षार्थी अपने अनुत्तीर्ण हुए एक विषय में परीक्षा दे सकते हैं, जबकि कंपार्टमेंट परीक्षा के तहत परीक्षार्थी अपने अनुत्तीर्ण हुए दो विषयों में से केवल किसी एक विषय में ही परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि हाईस्कूल इंप्रवूमेंट और कंपार्टमेंट परीक्षा के लिए परीक्षा शुल्क 256 रुपए निर्धारित है।

यूपी बोर्ड के सचिव ने बताया कि इंटरमीडिएट कंपार्टमेंट परीक्षा में मानविकी, वैज्ञानिक एवं वाणिज्य वर्ग से परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थी किसी एक विषय में परीक्षा दे सकता है। कृषि भाग 1 और भाग 2 में निर्धारित विषयों में से किसी एक प्रश्न पत्र में परीक्षा दे सकता है। व्यावसायिक वर्ग के ट्रेड विषय के किसी एक प्रश्न पत्र में अनुत्तीर्ण परीक्षा की कंपार्टमेंट परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं। उन्होंने

बताया कि इंटरमीडिएट कंपार्टमेंट परीक्षा के लिए 306 रुपये शुल्क निर्धारित है। परीक्षार्थी निर्धारित परीक्षा शुल्क कोषाकर में चालान के माध्यम से माध्यमिक शिक्षा परिषद के मानक मद में जमा करेंगे। चालान की मूल प्रति के साथ हाईस्कूल इंप्रूवमेंट व कंपार्टमेंट परीक्षा एवं इंटरमीडिएट की कंपार्टमेंट परीक्षा के ऑनलाइन भरे आवेदन की प्रति को डाउनलोड करके निर्धारित अंतिम तिथि 10 जून के बाद 3 दिन के अंदर यूपी बोर्ड के संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय को रजिस्टर्ड डाक के जरिए भेजना अनिवार्य होगा।

उन्होंने बताया कि 0202 शिक्षा, खेल, कला और संस्कृति, एक सामान्य शिक्षा, 102 माध्यमिक शिक्षा, दो बोर्ड की परीक्षाओं का शुल्क और नौ कंपार्टमेंट में इंप्रवूमेंट परीक्षा एवं प्राप्तांक शुल्क, हाईस्कूल परीक्षा में इंप्रूवमेंट व कंपार्टमेंट परीक्षा के लिखित और प्रयोगात्मक प्रोजेक्ट आंतरिक मूल्यांकन और इंटरमीडिएट की कंपार्टमेंट परीक्षा में लिखित और प्रयोगात्मक दोनों भागों में अनुत्तीर्ण रहे परीक्षार्थियों को दोनों भागों की परीक्षा में सम्मिलित होना होगा। सचिव ने बताया कि इसकी लिखित और प्रयोगात्मक परीक्षाओं की परीक्षा तिथियों की सूचना यूपी बोर्ड की ओर से बाद में जारी की जाएगी।

यूपी बोर्ड के ग्रीवांस सेल में 26 तक समस्याओं की करें शिकायत

प्रयागराज। यूपी बोर्ड के हाईस्कूल और इण्टरमीडिएट के अंकपत्र, सह प्रमाण पत्र में आई खामियों को दूर करने के लिए सभी पांचों क्षेत्रीय कार्यालय में ग्रीवांस सेल खुला है। अभी तक सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में कुल मिलाकर कर 252 समस्याएं आई हैं, जिसका निस्तारण हो रहा है। ग्रीवांस सेल में समस्याओं को छात्र-छात्राएं और उनके अभिभावक 26 मई तक आवेदन पत्र देकर संशोधित करवा सकते हैं। यूपी बोर्ड के प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय की अपर सचिव विभा मिश्रा ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय में 48, वाराणसी में 24, गोरखपुर में 124, बरेली में 16 और मेरठ क्षेत्रीय कार्यालय में 40 समस्याएं लम्बित हैं। छात्र-छात्राओं की अधिकतर समस्याएं प्रैक्टिकल में अनुपस्थित, अंक न चढ़ना, विषय, नाम और जन्म तिथि में गड़बड़ी है, जिसे संशोधित करवाया जा रहा है।

यूपी बोर्ड के मूल्यांकन में अनुपस्थित परीक्षकों को नोटिस देने की तैयारियां

प्रयागराज। यूपी बोर्ड मुख्यालय मूल्यांकन के दौरान कापियां न जांचने वाले परीक्षकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारियों में लग गया है। प्रदेश के 220 मूल्यांकन केंद्रों पर कापियां न जांचने वाले 42 हजार परीक्षकों की सूची तैयार हो गई है। उनको यूपी बोर्ड मुख्यालय के पांचों क्षेत्रीय कार्यालयों से शीघ्र नोटिस जारी होने जा रही है। जबकि शेष 41 मूल्यांकन केंद्रों पर कापियां न जांचने वाले परीक्षकों की सूची जिलों से आते ही स्पष्टीकरण के बाद उनके खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई शुरू होगी। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि हाईस्कूल और इंटरमीडिएट में मूल्यांकन के लिए करीब तीन करोड़ कापियां थी, करीब डेढ़ लाख परीक्षक लगाये गये थे। अगर सभी परीक्षक समय से कापियों का मूल्यांकन करते तो सभी कापियों का मूल्यांकन चार से पांच दिन में पूरा हो जाता। लेकिन परीक्षकों की लापरवाही से मूल्यांकन 15 दिन में पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि एक तरफ परीक्षकों ने मूल्यांकन में न आकर विभागीय कार्य के प्रति लापरवाही दिखाई है। वहीं परीक्षकों की वजह से मूल्यांकन कार्य खिंच गया, जिससे शासकीय धन की क्षति हुई है। ऐसे में मूल्यांकन से नदारद रहने वाले परीक्षकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

सशस्त्र बलों के सम्मान में मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व निकली गई तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा

हल्द्वानी। देवभूमि उत्तराखंड के हल्द्वानी में शनिवार की सुबह तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा निकाली गई। यात्रा का नेतृत्व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया। भारतीय सशस्त्र बलों और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के सम्मान में मिनी स्टेडियम से शहीद पार्क तक निकाली गई यात्रा में सबसे आगे हाथ में तिरंगा लिए सीएम धामी और उनके साथ नैनीताल संसदीय क्षेत्र से सांसद अजय भट्ट व हल्द्वानी के मेयर गजराज बिष्ट चल रहे थे। इस यात्रा के दौरान भारत माता की जय के जयकारे गुंजते रहे।

वहीं इस दौरान सड़कों पर हर ओर लहराते हुए तिरंगे ही तिरंगे दिखे। यात्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ ही क्षेत्र की जनता ने भी अत्यंत उत्साह के साथ भाग लिया। तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा के बाद सीएम धामी ने अपने संबोधन में कहा कि सभी को आपरेशन सिंदूर की बधाई। साथ ही

सभी जवानों का जो भारत की ओर से दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दे रहे थे, उन सभी का देवभूमि उत्तराखंड के मुख्य सेवक के रूप में सभी उत्तराखंडवासियो की ओर से अभिनंदन करता हूं। साथ ही पीएम मोदी का भी धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने पहले ही कहा था कि हम इन दुश्मनों, आतंकवादियों व इन जेहादियों को मिट्टी में मिला देंगे। इन्हें ऐसा जवाब देंगे कि वे कभी भारत की ओर आंख उठाकर देखने की हिम्मत भी नहीं करेंगे। उनकी इसी नीति के चलते हम आतंकवाद के खिलाफ इस निर्णायकवार करने में सफल रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के अवसर पर देश भर में आयोजित हो रही तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा केवल यात्रा नहीं है बल्कि ये भारतीय'सेना के अदम्य साहस, शौर्य और पराक्रम को नमन करने का व उनको प्रोत्साहित करने का एक अवसर है।

पौड़ी में स्थापित हुआ 56 फीट ऊंचा त्रिशूल, जल्द खुलेगा पार्क

पौड़ी गढ़वाल। हिमालय दर्शन के लिए प्रसिद्ध पौड़ी शहर अब एक और आकर्षण से सुसज्जित होने जा रहा है। जिला मुख्यालय में पूल्ड हाउस के समीप एक करोड़ 47 लाख रूपये की लागत से 'त्रिशूल पार्क' का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस पार्क में 56 फीट ऊंचा और 11.5 टन वजनी पीतल का भव्य त्रिशूल स्थापित किया गया है। पौड़ी शहर सुंदरता के लिए जाना जाता है। यहाँ से हिमालय की चोटियों की काफ़ी लंबी रेंज दिखायी देती है। पर्यटक बड़ी संख्या में हिमालय का दीदार करने पहुंचते हैं। शहर में ऐतिहासिक स्थान भी हैं। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पौड़ी के वैभव को बनाये रखने का संकल्प लिया है। इसी के तहत जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान के नेतृत्व में शहर को संजोने का काम चल रहा है। शहर में त्रिशूल पार्क का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। जल्द ही इसे पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा। इस स्थान से केदारनाथ और मेरु चोटी सहित हिमालय की बर्फीली

चोटियों का दृश्य बेहद मनोहारी दिखता है, जो इसे पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण केंद्र बना देगा। डॉ. चौहान ने बताया कि पार्क में दर्शकों के लिए बैठने की सुविधा के साथ-साथ वाहन पार्किंग की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा रही है। निर्माण पूर्ण होने के बाद यह स्थल धार्मिक और प्राकृतिक पर्यटन के संगम के रूप में विकसित होगा।

एएमयू के कुलपति की नियुक्ति प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के कुलपति की नियुक्ति प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका शनिवार को खारिज कर दी। यह याचिका प्रोफेसर मुजाहिद बेग की ओर से दायर की गई थी जिसमें एक विशेष उम्मीदवार का पक्ष लेने के लिए कुलपति की नियुक्ति प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाया गया था।

इससे पूर्व नौ अप्रैल, 2025 को न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति डी. रमेश की पीठ ने याचिकाकर्ता, विश्वविद्यालय और केंद्र सरकार के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया था। याचिकाकर्ता ने यह कहते हुए कुलपति की नियुक्ति प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाया है कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज की पत्नी प्रोफेसर नाईमा खातून का कुलपति के पद पर चयन

करने के लिए नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। याचिका के मुताबिक, कार्यवाहक कुलपति चयन प्रक्रिया की अध्यक्षता कर रहे हैं और उनकी पत्नी कुलपति पद के लिए दावेदार हैं। तथ्यों पर गौर करने के बाद अदालत ने कहा, "यद्यपि प्रोफेसर गुलरेज को कार्यकारी परिषद की बैठक की अध्यक्षता नहीं करनी चाहिए थी, फिर भी नियुक्ति प्रक्रिया की प्रकृति और कुलपति की नियुक्ति में कार्यकारी परिषद एवं यूनिवर्सिटी कोर्ट की सीमित अनुशंसात्मक भूमिका को देखते हुए हमारा विचार है कि प्रोफेसर गुलरेज की इस तरह की बैठकों में शामिल होने से चयन की कार्यवाही दूषित नहीं हुई है।" प्रोफेसर नाईमा खातून की योग्यता के मुद्दे पर अदालत ने कहा, "प्रोफेसर नाईमा खातून निर्विवाद रूप से कुलपति पद पर नियुक्ति की योग्यता रखती हैं।

हमें बताया गया है कि इस विश्वविद्यालय के एक शताब्दी से अधिक के इतिहास में कभी किसी महिला को कुलपति नियुक्त नहीं किया गया।" अदालत ने कहा, "उच्च शिक्षा के एक प्रमुख संस्थान के कुलपति के तौर पर महिला की नियुक्ति से यह संदेश जाता है कि महिलाओं के उत्थान के संवैधानिक उद्देश्य को प्रोत्साहित किया जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में प्रश्न यह है कि क्या यह अदालत महज इसलिए प्रथम महिला कुलपति को बेदखल कर देगी क्योंकि उसके पति ने कार्यकारी परिषद की उस बैठक की अध्यक्षता की जिसमें विजिटर को भेजे जाने वाले नामों की समिति में उसका भी नाम शामिल है। तो इसका उत्तर है बिल्कुल नहीं।

अदालत ने कहा, "हमने पहले ही यह गौर कर लिया है कि कुलपति के तौर पर नियुक्ति के लिए प्रोफेसर नाईमा खातून की योग्यता कोई मुद्दा नहीं है। उनका चयन अंततः विजिटर द्वारा किया जाना है जिसके खिलाफ पक्षपात का कोई आरोप नहीं है। खातून पूर्व में इस विश्वविद्यालय के महिला कॉलेज की प्रधानाचार्य रही हैं।" अदालत ने कहा कि इस तरह से विजिटर द्वारा यू निवर्सिटी कोर्ट की ओर से भेजे गए तीन नामों में से प्रोफेसर नाईमा खातून को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कुलपति के तौर पर नियुक्त किए जाने में किसी तरह के हस्तक्षेप की जरुरत नहीं है।

मुरादाबाद के पेट्रोल पंपों से शुरू की गई सैनेटरी पैड समेत अन्य सुविधाएं प्रदेश में बनेंगी मॉडल

मुरादाबाद। मुरादाबाद में हाईवे के पेट्रोल पंपों पर महिलाओं के लिए शुरू की गई सैनेटरी पैड समेत अन्य सुविधाएं शासन को पसंद आई है। अब मुरादाबाद का यह मॉडल प्रदेश के पेट्रोल पंपों पर लागू होगा। कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह मंडल के पेट्रोल पंपों पर महिलाओं के लिए अलग भवन में शौचालय, सैनेटरी पैड, इस्तेमाल सैनेटरी पैड को

रखने के लिए बंद मुंह वाले कूड़ेदान आदि के इंतजाम रखने के निर्देश दिए थे। जिला पूर्ति अधिकारी अजय प्रताप सिंह ने शनिवार को बताया कि हाईवे के पेट्रोल पंपों पर हवा, पानी के अलावा शौचालय की सुविधा रहती है। पुरुषों और महिलाओं के शौचालय एक ही भवन में होते है। पानी की बोतल, सैनेटरी पैड, बंद मुंह वाले डस्टबिन आदि की सुविधाएं नहीं होती है। इससे हाईवे पर लंबी दूरी तय करने वाली महिला यात्रियों को परेशानी होती है।डीएसओ ने आगे बताया इससे समस्या को देखते हुए कमिश्नर ने मंडल के पेट्रोल पंपों पर महिलाओं के अलग भवन में शौचालय, सैनेटरी पैड, पानी की बोतल, इस्तेमाल सैनेटरी पैड को रखने के लिए बंद मुंह वाले कूड़ेदान, जरूरी मेडिसिन आदि के इंतजाम रखने के निर्देश दिए थे। साथ ही डीएसओ को मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी दी गई थी। कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने बताया कि शासन ने मुरादाबाद के मॉडल को प्रदेश के दूसरे पंपों पर लागू करने के निर्देश दिए हैं।

जल शक्ति मंत्री ने बेलहरी और कुसौरा तटबंध का किया निरीक्षण

बाराबंकी। हमारा प्रयास है कि 15 जून तक सभी परियोजनाएं पूर्ण हो जाए। इसके लिए लगातार कर्मचारी प्रयासरत है। पिछली बार के मौसम को देखते हुए इस बार मानसून से पहले अधिकारियों को तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। यह निर्देश जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने शनिवार को तहसील रामनगर के बेलहरी और कुसौरा में चल रही बाढ़ परियोजनाओं के स्थलीय निरीक्षण कर उपस्थित अधिकारियों को दिए। जलशक्ति मंत्री जिले के संभावित बाढ़ इलाकों में चल रही बाढ़ खण्ड की परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण करने पहुंचे थे। इस दौरान वह रामनगर तहसील के बेलहरी और कुसौरा गांव के निकट हो रहे बाढ़ कटान को रोकने के कार्य देखने पहुंचे।

कुसौरा चहलारीघाट एवं गनेशपुर तटबंध में कटान बचाव की परियोजना का काम जारी है। उन्होंने बाढ़खंड के एक्सईएन शशिकान्त सिंह से परियोजनाओं की जानकारी ली। मंत्री ने संभावित बाढ़ की दृष्टिगत हुए राहत व बचाव कार्यों से जुड़े हुए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित कर कहा कि अपनी-अपनी कार्य योजनाएं विगत वर्षों में आई हुई विकराल बाढ़ के अनुभव के आधार पर तैयार कर लें। ताकि जिले में अचानक बाढ़ आ जाए तो कोई दिक्कत न हो। तत्काल पीड़ितों को राहत व सहायता प्रदान की जा सके। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग के अधिकारी अपने गांव में निरंतर दौरा करके गांव वालों से सीधा संवाद स्थापित करें। उनके द्वारा दिए गए सुझाव के आधार से राहत व बचाव कार्य की तैयारी करें। सभी बाढ़ चौकियों पर स्वास्थ्य टीम अपनी व्यवस्था के साथ-साथ बरसात के दिनों में होने वाली संक्रामक बीमारियों से बचाव पर कार्य करते रहे।

जलशक्ति मंत्री ने धारा मोड़ने के लिए लगाएं जा रहे जियो बैग को देखा और समस्त कार्यों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। एक्सीएन ने बताया कि इसके लगने से तटबंध क्षतिग्रस्त नहीं होगा और नदी की धारा भी मोड़ी जा सकेगी।

आईएसबीटी परिसर की दुकानों की टेंडर प्रक्रिया नए सिरे से होगी

देहरादून। मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) अब देहरादून स्थित आईएसबीटी परिसर में दुकानों, रेस्टोरेंट्स और कियोस्कों की आवंटन प्रक्रिया सह नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से और पूरी पारदर्शिता के साथ करेगा। साथ ही, परिसर स्थित सभी कियोस्कों को पारंपरिक पहाड़ी शैली में पुनःनिर्मित किया जाएगा। शनिवार को एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी की अध्यक्षता में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न योजनाओं और प्राधिकरण के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

उपाध्यक्ष ने बरसात के मौसम से पहले आईएसबीटी परिसर में जलभराव की समस्या को समाप्त करने के लिए त्वरित कदम उठाने के निर्देश दिए । बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आईएसबीटी परिसर स्थित मॉल को "जहां है, जैसे है" की स्थिति में किराये पर देने की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी। बैठक में बताया गया कि मॉल में इलेक्ट्रिक बस चार्जिंग स्टेशन स्थापित किया जा चुका है और परिसर में अन्य स्थानों पर भी ई-चार्जिंग प्वाइंट लगाने की योजना है। इसके अतिरिक्त, अब आईएसबीटी से संचालित सभी वाहनों से उड्डा शुल्क गेट पर ही वसूला जाएगा। आमवाला तरला आवासीय योजना में हाई भवनों के लिए ओपन पार्किंग को कवर करके नियमानुसार आवंटित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

खेत पर गए किसान की लाठी डंडों से पीटकर हत्या

औरैया। जिले के ऐरवाकटरा थाना क्षेत्र के गांव नगरिया सरायान में किसान की हत्या का मामला प्रकाश में आया है। मृतक की पहचान अनिल दोहरे उर्फ बबलू पुत्र खुशी लाल (45) के रूप में हुई है। शनिवार को अनिल अपने खेत से भूसा लेने गया था। ग्रामीणों ने उसका शव राम विनोद के खेत में पाया। यह स्थान उसके घर से लगभग 500 मीटर की दूरी पर है। शव की स्थिति से पता चलता है कि उन्हें लाठी-डंडों से पीटा गया। उनके शरीर पर चोट के निशान थे और वह खून से लथपथ था। राम विनोद का खेत मृतक के खेत से सटा हुआ है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया है। जांच में पुराने पारिवारिक विवाद का मामला सामने आया है। इस संबंध में पुलिस ने परिवार के ही दो सदस्यों को संदिग्ध मानते हुए हिरासत में लिया है। घटना से परिजनों में शोक की लहर है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एलयूसीसी धोखाधड़ी में आरोपी को पूछताछ के लिए उत्तर प्रदेश से दून लाई पौड़ी पुलिस

पौड़ी गढ़वाल। पुलिस ने एलयूसीसी धोखाधड़ी के मामले में कंपनी के एक और आरोपित चेयरमैन को उत्तर प्रदेश की ललितपुर जेल से देहरादून की बीयूडीएस (बड्स) देहरादून अदालत में पेश करने के बाद पूछताछ की। पुलिस आरोपी को बी-वारंट पर देहरादून की बीयूडीएस (बड्स) अदालत में लाई थी।

एलयूसीसी धोखाधडी में दर्ज विभिन्न मुकदमों की जांच के लिए नियुक्त पर्यवेक्षण अधिकारी एवं एसएसपी पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने बताया कि आरोपी चेयमैन उत्तर प्रदेश में भी इसी धोखाधड़ी प्रकरण के चलते

बीते फरवरी से उत्तरप्रदेश की ललितपुर जेल में बंद है। बताया कि मामले के आरोपित चेयरमैन जितेंद्र निरंजन को बी-वारंट पर पूछताछ के लिए उत्तर प्रदेश के ललितपुर जेल से देहरादून लाई। बताया कि आरोपित के खिलाफ कोतवाली पौड़ी, श्रीनगर, कोटद्वार, ऋषिकेश, पटेलनगर देहरादून, टिहरी गढ़वाल में मुकदमें दर्ज हैं। एसएसपी के अनुसार आरोपित ने पूछताछ में बताया कि वह एलयूसीसी में चेयरमैन के पद पर नियुक्त था और उत्तराखंड में कई जिलों व अन्य राज्यों में कंपनी की अलग-अलग शाखाएं खोली।

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि कंपनी के मुख्य आरोपी समीर अग्रवाल दुबई में है। बताया कि इस मामले में सामने आए अन्य आरोपियों की संपत्ति की जांच भी की जा रही है। कहा कि अवैध रुप से अर्जित इनकी संपत्ति सीज किए जाने की कार्रवाई अमल में जाएगी।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

मीरजापुर। राजगढ़ थाना क्षेत्र में शनिवार की शाम करीब चार बजे करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। राजगढ़ थानाध्यक्ष महेंद्र पटेल ने बताया कि खोराडीह ग्राम पंचायत के पूर्व प्रधान रामेश्वर सिंह के भतीजा पवन सिंह (32) पुत्र भुनेश्वर सिंह का मैराहवा पुरवा में नया मकान बना है। शनिवार को घर में साफ-सफाई का काम चल रहा था। इस दौरान पवन खुद भी काम करते हुए बिजली के बोर्ड में प्लग लगा रहे थे, तभी करंट की चपेट में आ गया और जमीन पर गिर पड़े। परिजन उसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था। परिवार में पत्नी पुष्पा, पुत्र आदित्य और पुत्री प्राची हैं। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा करते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अडानी ग्रुप लगाएगा यूपी का सबसे बड़ा थर्मल पावर प्लांट, हजारों को मिलेगा रोजगार

मीरजापुर। मीरजापुर की ज़मीन अब सिर्फ पौराणिक कहानियों की नहीं, बल्कि ऊर्जा क्रांति की भी गवाह बनने जा रही है। अडानी ग्रुप ने मीरजापुर के ददरी खुर्द गांव में कोयला आधारित 1500 मेगावाट का विशाल थर्मल पावर प्लांट लगाने की घोषणा कर दी है, जो उत्तर प्रदेश का अब तक का सबसे बड़ा पावर प्रोजेक्ट होगा।

16 मई को यूपीपीसीएल और अडानी पावर लिमिटेड के बीच बिजली आपूर्ति के दीर्घकालिक समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इस अवसर ने न केवल ऊर्जा क्षेत्र में नई उम्मीदें जगाईं, बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत नींव भी रखी। करीब 2 अरब डॉलर (लगभग 16,600 करोड़ रुपये) की लागत से बनने जा रहा यह प्रोजेक्ट निर्माण के दौरान 8,000 से 9,000 लोगों को

रोजगार देगा। संचालन शुरू होते ही करीब 2,000 स्थायी नौकरियों के अवसर भी सृजित होंगे। अडानी पावर के सीईओ एसबी ख्यालिया ने बताया कि यह प्लांट न केवल बिजली पैदा करेगा, बल्कि हजारों परिवारों की जिंदगी भी रोशन करेगा। इस पावर प्लांट से मिलने वाली बिजली की दर 5.383 रुपये प्रति यूनिट तय की गई है, जिससे अगले 25 वर्षों में राज्य को करीब 2958 करोड़ रुपये की बचत होगी। यह प्लांट 2x800 मेगावाट की अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल तकनीक से लैस होगा, जिससे प्रदूषण कम होगा और बिजली उत्पादन अधिक। यह ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट 'डिज़ाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ओन एंड ऑपरेट मॉडल पर तैयार किया जाएगा। अडानी ग्रुप का लक्ष्य है कि वित्तीय वर्ष 2030 तक यह पावर प्लांट पूरी क्षमता के साथ काम करना शुरू कर दे।

उत्तर प्रदेश की कैबिनेट पहले ही इस मेगा प्रोजेक्ट को हरी झंडी दिखा चुकी है। अब इस समझौते के साथ राज्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को लेकर एक नई क्रांति की शुरुआत हो चुकी है। अडानी पावर का यह कदम न केवल मीरजापुर को ऊर्जा का केंद्र बनाएगा, बल्कि पूरे प्रदेश को स्थायी और किफायती बिजली की नई राह भी दिखाएगा।

भारत माता के जयकारों के साथ पौड़ी में निकली तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा

पौड़ी गढ़वाल। गोविंद बल्लभ पंत अभियांत्रिकी एवं प्रद्योगिकी संस्थान घुडदौड़ी के वार्षिक सांस्कृतिक समारोह गूंज का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आगाज हो गया। समारोह में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरी।

रीदम्स ऑफ़ रेजिस्टेंस जहां संस्कृति प्रतिरोध करती है और नवाचार गूंजता है की थीम पर आयोजित वार्षिकोत्सव में छात्रों ने नाट्य प्रस्तुतियां, कविताएं, फैशन परेड, एकल गायन के साथ ही अन्य कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां दी। समारोह का उदघाटन करते हुए वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय, के कुलपति प्रो ओंकार सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वायत्तता हमें अपनी

मौलिकता को खोजने का अवसर देती है। चार साल की यह यात्रा आपको केवल डिग्री नहीं, एक बेहतर इंसान व समाज के प्रति जिम्मेदार भी बनाती है।

उन्होंने शिक्षा व्यवस्था, नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हैकाथन जैसी प्रतियोगिताओं में छात्रों की भागीदारी और गूंज जैसे उत्सवों के महत्व पर बल दिया। निदेशक प्रो. धनंजय सिंह ने कहा कि गूंज सिर्फ एक उत्सव नहीं बल्कि संस्कृति, नवाचार और सौहार्द्र का प्रतीक है, जिसमें छात्रों की ऊर्जा, शिक्षकगणों का मार्गदर्शन भी समाहित है। वार्षिकोत्सव में सिविकस ने राजस्थानी लोकनृत्य पधारो म्हारे देस, दिल थाम के देखो रंगीलो राजस्थान, मैगनम ने तमिलनाडु थीम पर कुर्ची मदथपट्टी स्टेज फाड़ एनर्जी, सॉफ्टवारियर्स ने उत्तराखंड पहाड़ी गीत राधा लबरा छोरी, नाचे पहाड़ों की गोरी, अपोलो ने पंजाबी धमाल तीन पैग लगाके, दिल से नाचने वाले पर जबरदस्त भांगड़ा किया। एक्रीक्स ने हरियाणवी तड़का जाट स्टाइल में हीरो होंडा, स्टेज बना बिजली का झटका और भारत म हरियाणा पर जोशीली प्रस्तुति दी। जनसिस ने गुजराती डांडिया ढोलिडा ढोल रे वगड़ और कॉमेडी का धमाल तारक मेहता का उल्टा चश्मा की मजाकिया धुन पर मनोरंजक नृत्य किया।

मैकप्रो ने हिमाचली थीम पर उड़ी बाबा रे मेकप्रोस का पहाड़ी जोश और झांझिए जैसे गीतों पर शानदार लोकनृत्य किया। इस मौके पर रजिस्ट्रार संदीप कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. हर्मेन्द्र गोयल, डीन अकादमीक प्रो आशुतोष गुप्ता, डीन रिसर्च डा. ममता बोंठियाल, डा. प्रीति डिमरी, डा. संजीव नैथानी, डा. यतीन्द्र कुमार, डा. अरुण भट्ट, डा. एमके अग्रवाल, गौरव पाल, फैजल, अश्लेष, द्रोणा आदि शामिल रहे।

आईआईसीए और डीजीआर ने वरिष्ठों के लिए दूसरा प्रमाणन कार्यक्रम पूरा किया

नई दिल्ली। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स (आईआईसीए) और डायरेक्टरेट जनरल रीसेटलमेंट (डीजीआर) ने वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के साथ स्वतंत्र निदेशक के लिए दूसरा प्रमाणन कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न किया। इस कार्यक्रम में भारतीय सशस्त्र बलों के 30 उच्च-श्रेणी के अधिकारी शामिल हुए।

कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स (आईआईसीए) ने डायरेक्टरेट जनरल रीसेटलमेंट (डीजीआर) के साथ मिलकर 5 से 16 मई, 2025 तक गुरुग्राम के मानेसर स्थित आईआईसीए कैंपस में वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के साथ विशेष प्रमाणन कार्यक्रम का दूसरे बैच का समापन किया। इस कार्यक्रम में भारतीय सशस्त्र बलों के 30 उच्च-श्रेणी के अधिकारी शामिल हुए। मंत्रालय ने कहा कि प्रतिभागियों में एयर मार्शल, वाइस एडमिरल, रियर एडमिरल, एयर वाइस मार्शल, मेजर जनरल, ब्रिगेडियर, कर्नल और ग्रुप कैप्टन सहित अन्य श्रेणियों के कुल 30 वरिष्ठ अधिकारियों ने द्वि साप्ताहिक प्रमाणन कार्यक्रम में प्रतिनिधित्व किया।

इस दौरान सभी ने अपने कॉर्पोरेट प्रशासन कौशल को बढ़ाने और सैन्य और कॉर्पोरेट नेतृत्व के प्रतिच्छेदन को समझने पर ध्यान केंद्रित किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आईआईसीए के डीजी एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ज्ञानेश्वर कुमार सिंह ने की। समापन कार्यक्रम को लेफ्टिनेंट जनरल एसबीके सिंह, एसएम, डायरेक्टर जनरल, डीजीआर एंड वाइस एडमिरल राजाराम स्वामीनाथन ने भी संबोधित किया, जिसमें उन्होंने सशस्त्र बलों और कॉरपोरेट जगत में होने वाले अनुभवों के बीच समानताएं बताईं। उन्होंने रेखांकित किया कि कॉरपोरेट में सुशासन के लिए आवश्यक शर्तें-नैतिकता और अखंडता, सशस्त्र बलों में पहले ही मौजूद हैं। आईआईसीए के डीजी एवं सीईओ ज्ञानेश्वर कुमार सिंह ने उभरते भारतीय कॉरपोरेट परिदृश्य में अनुभवी लोगों की ओर से निभाई जाने वाली अपेक्षित भूमिकाओं के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में विशेष प्रकार के क्षेत्रों में सशस्त्र बलों की ओर से अधिक क्षमता और उत्पादन पर जोर दिया। सिंह ने अपने संबोधन के दौरान रेखांकित किया कि किस प्रकार यह अनुभव भारतीय कॉरपोरेट क्षेत्र का हिस्सा रहते हुए राष्ट्र निर्माण के योग्य बनाएगा।

वहीं, आईआईसीए में कॉरपोरेट गवर्नेंस एंड पब्लिक पॉलिसी स्कूल के हेड डॉ. नीरज गुप्त ने अपने संबोधन के दौरान सर्वाधिक महत्वपूर्ण हालातों के बावजूद पूरे कार्यक्रम में प्रतिभागियों की उपस्थिति बनाए रखने पर धन्यवाद किया। उन्होंने सार्वजनिक शासन, सैन्य शासन और कॉरपोरेट शासन के विचारों के बीच कन्वर्जेंस और डाइवर्जेंस प्वाइंट्स पर जोर दिया। इसके अलावा उन्होंने जोर दिया कि द्वि साप्ताहिक कार्यक्रम का उद्देश्य: (i) प्रतिभागियों को कॉरपोरेट प्रशासन की नियामक समझ और विचारों को समझाना, स्वतंत्र डायरेक्टर की भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में बताना और कॉरपोरेट बोर्ड में योगदान देने में मदद करना था।

इसके अलावा प्रमाणन कार्यक्रम को आईआईसीए में प्रधान रिसर्च असोसिएट डॉ. अनिंदिता चक्रवर्ती और आईआईसीए में वरिष्ठ रिसर्च असोसिएट सीएस आशीष कुमार ने पूरा किया। कॉरपोरेट मामलों पर जानकारी के भंडार, मंत्रालय, कॉरपोरेट और अन्य इकाइयों जैसे नियामकों के साथ नियामक फ्रेमवर्क पर काम करने वाले आईआईसीए ने एक उत्प्रेरक के तौर पर अपनी भूमिका निभाई। संस्थान हमेशा से सुशासन के प्रचार और जिम्मेदार व्यापार आचरण से जुड़ी पहलों में अग्रणी रहा है।

जीईएम ने महिलाओं के नेतृत्व वाले 1.85 लाख से अधिक एमएसएमई और 31,005 स्टार्टअप्स को बनाया सशक्त: पीयूष गोयल

नई दिल्ली। गवर्नमेंट-ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) ने महिलाओं के नेतृत्व वाले 1,85,408 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) और उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) से मान्यता प्राप्त 31,005 स्टार्टअप्स से पारदर्शी तरीके से सरकारी खरीद करके उन्हें सशक्त बनाया है। यह जानकारी केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को दी।

पिछले वित्तीय वर्ष में जीईएम पर ऑर्डर की वॉल्यूम 72,36,651 तक पहुंच गई, जिसका कुल ऑर्डर मूल्य 5,43,019 करोड़ रुपए था। 2016 में बना जीईएम सरकारी खरीदारों को उचित कीमत पर सार्वजनिक खरीद करने के लिए एक एंड-टू-एंड डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रदान करता है। वित्त वर्ष 2019-20 में प्लेटफॉर्म में सेवाओं को एक अलग सेगमेंट के रूप में शामिल किया गया, जिसमें शुरुआत में मैनपावर और कैब हायरिंग, सुरक्षा और सफाई एवं स्वच्छता जैसी बुनियादी सेवाएं शामिल थीं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, "जीईएम को उसके 8वें निगमन दिवस पर शुभकामनाएं। इस प्लेटफॉर्म ने पारदर्शिता, दक्षता और समावेशन के माध्यम से सार्वजनिक खरीद को फिर से परिभाषित किया है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आगे कहा कि यह केवल एक मार्केटप्लेस नहीं, बल्कि एक आंदोलन है। इससे महिलाओं के नेतृत्व वाले 1,85,408 एमएसएमई और डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त 31,005 स्टार्टअप को सशक्त बनाने में मदद मिली है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री गोयल ने बताया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप कि जीईएम प्रत्येक उद्यम को बढ़ने और भारत की सेवा करने का अवसर दे रहा है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने पिछले महीने कहा कि डिजिटल खरीद प्लेटफॉर्म जीईएम ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में सरकारी संगठनों को दस लाख से अधिक मैनपावर की भर्ती की सुविधा प्रदान की है। जीईएम ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान स्वास्थ्य, जीवन और व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा पॉलिसियों को कवर करते हुए 1.3 करोड़ से अधिक व्यक्तियों को बीमा की सुविधा प्रदान की है। सरकार की ओर से बीमा पॉलिसियों की खरीद में अधिक दक्षता और पारदर्शिता लाने के लिए जनवरी 2022 में जीईएम पर बीमा सेवा श्रेणी शुरू की गई थी।

सरकार व्यापार उपचार जांच में दस्तावेजों को ऑनलाइन पेश करने के लिए विकसित कर रही मंच

नई दिल्ली। सरकार व्यापार उपचार जांच में दस्तावेजों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से पेश करने के लिए एक डिजिटल मंच विकसित कर रही है, जिसका उद्देश्य पारदर्शिता, दक्षता और सभी हितधारकों के लिए पहुंच को आसान बनाना है। शनिवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। ये जांच वाणिज्य मंत्रालय की शाखा व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) द्वारा की जाती है।

भारत ने 1995 से अब तक 1,200 से ज्यादा व्यापार उपचार जांचें शुरू की हैं और हाल ही में किए गए हस्तक्षेपों ने सौर ऊर्जा और उन्नत सामग्री जैसे कि सौर सेल और तांबे के तार की छड़ों सहित घरेलू क्षेत्रों को अनुचित मूल्य वाले आयात और सब्सिडी वाले सामानों से बचाया है। वाणिज्य मंत्रालय ने बयान में कहा कि सरकार व्यापार उपचार जांचों में दस्तावेजों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से पेश करने में सक्षम बनाने के लिए एक डिजिटल मंच विकसित कर रही है।

इस मंच के जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है, जिससे सभी हितधारकों के लिए पारदर्शिता, दक्षता और पहुंच में आसानी होगी। निदेशालय का मुख्य उद्देश्य समयबद्ध तरीके से जांच करके संवेदनशील क्षेत्रों को किसी भी निर्यातक देश से डंपिंग और सब्सिडी जैसे व्यापार उदारीकरण के प्रतिकूल प्रभाव से बचाना है। डीजीटीआर के मुख्य कार्यों में डंपिंग-रोधी, सब्सिडी/सीवीडी (काउंटरवेलिंग शुल्क)-रोधी और सुरक्षा जांच करना शामिल है। इन शुल्कों को लगाने का अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय लेता है। इसके अलावा, डीजीटीआर ने अपने व्यापार रक्षा विंग के माध्यम से विदेशी व्यापार उपाय प्राधिकरणों द्वारा व्यापार उपाय उपायों को लागू करने का प्रभावी ढंग से विरोध किया है।

जेनसोल इंजीनियरिंग के सीएफओ ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। जेनसोल इंजीनियरिंग के प्रवर्तकों के इस्तीफे के कुछ दिनों बाद कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) जाबिरमेहंदी मोहम्मदराजा आगा ने भी तत्काल प्रभाव से कंपनी को छोड़ दिया है। शेयर बाजारों को दी जानकारी के मुताबिक इस्तीफे में आगा ने कहा कि जेनसोल इंजीनियरिंग इस समय कठिन चुनौतियों का सामना कर रही है, कई नियामक निकाय जांच कर रहे हैं और शीर्ष प्रबंधन अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे में अत्यधिक दबाव के कारण उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और वह अपनी जिम्मेदारियों पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने कहा, कि इन कठिन परिस्थितियों में उनका इस्तीफा कंपनी के सर्वोत्तम हित में है। इससे पहले कंपनी के प्रवर्तकों अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी ने बाजार नियामक सेबी के अंतरिम आदेश के बाद इस्तीफा दे दिया था।

डीपीआईआईटी ने जलवायु-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप को समर्थन देने के लिए जीईएपीपी से किया समझौता

नई दिल्ली। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने देश के स्वच्छ ऊर्जा और विनिर्माण क्षेत्रों में नवाचार, स्थिरता और उद्यमशीलता में तेजी लाने के लिए ग्लोबल एनर्जी अलायंस फॉर पीपल एंड प्लैनेट (जीईएपीपी) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि समझौता ज्ञापन पर डीपीआईआईटी के निदेशक सुमीत जारंगल और जीईएपीपी के भारत उपाध्यक्ष सौरभ कुमार ने हस्ताक्षर किए। इस पहल का उद्देश्य भारत की नेट-जीरो महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप स्केलेबल, निवेश योग्य उपक्रमों की एक मजबूत पाइपलाइन बनाना है। इस समझौता ज्ञापन के तहत जीईएपीपी 'एनर्जी ट्रांजिशन इनोवेशन चैलेंज' (एंटाइस) पेश करेगा, जो एक प्रतिस्पर्धी मंच है। यह उच्च प्रभाव वाले समाधानों के लिए 5 लाख डॉलर तक का पुरस्कार प्रदान करता है। डीपीआईआईटी में संयुक्त सचिव संजीव ने कहा कि यह साझेदारी स्वच्छ ऊर्जा स्टार्टअप के लिए देश के दीर्घकालिक शुद्ध-शून्य उद्देश्यों का समर्थन करने वाली प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने के महत्वपूर्ण अवसर खोलेगी। स्पेक्ट्रम इम्पैक्ट और अवाना कैपिटल जैसे भागीदारों के माध्यम से निवेश सहायता भी सुगम बनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि विस्तार के प्रावधान के साथ दो साल की साझेदारी, फंडिंग एक्सेस, मेंटरशिप, पायलट अवसरों और बाजार लिंकेज के माध्यम से शुरुआती चरण के जलवायु-तकनीक स्टार्टअप का समर्थन करेगी।

भारत 6जी प्रौद्योगिकी के नियमन में अग्रणी भूमिका निभाएगा: सिंधिया

ग्वालियर। केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को कहा कि दुनिया भर में दूरसंचार क्रांति तेजी से फैल रही है और आने वाले दिनों में भारत 6जी प्रौद्योगिकी के लिए नियमन में अग्रणी भूमिका निभाएगा। केंद्रीय संचार मंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत इस आंदोलन में सबसे आगे है।

केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि देश में 5जी प्रौद्योगिकी शुरू हो चुकी है और महज 22 महीनों में सूचना क्रांति देश के 99 प्रतिशत जिलों की 82 प्रतिशत आबादी तक पहुंच गई है। भारत आगामी 6जी प्रौद्योगिकी नियमों को आकार देने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि डाक प्रणाली में नई सेवाएं शुरू की जा रही हैं। भारतीय डाक दुनिया के सबसे बड़े लॉजिस्टिक और वितरण नेटवर्क में से एक है, जिसमें 1.64 लाख डाकघर और 2.5 लाख कर्मचारी हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, कि साल 2008 में मैंने डाक विभाग के लिए लोगो डिजाइन किया था, जिसका नारा था 'डाक सेवा सार्वजनिक सेवा है।' हर डाक कर्मचारी इसी भावना के साथ काम करता है।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि भारत दूरसंचार क्रांति का नेतृत्व करना जारी रखेगा। सिंधिया तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अगुवाई वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के पहले कार्यकाल में केंद्रीय संचार राज्यमंत्री थे।

RBI गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर वाले 20 रुपये के नए नोट करेगा जारी

नई दिल्ली/मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) जल्द ही महात्मा गांधी (नई) सीरीज में 20 रुपये मूल्यवर्ग के नए बैंक नोट जारी करेगा। इन नोटों पर गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर होंगे। आरबीआई ने शनिवार को जारी बयान में बताया है कि महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला में 20 रुपये मूल्यवर्ग के बैंक नोट जारी किए जाएंगे, जिन पर गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर होंगे।

बयान के अनुसार इन नोटों का डिजाइन हर तरह से महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला के 20 रुपये मूल्यवर्ग के बैंक नोटों जैसा ही है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि रिजर्व बैंक द्वारा अतीत में जारी किए गए 20 रुपये मूल्यवर्ग के सभी बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे। नए 20 रुपये के बैंक नोटों का डिजाइन मौजूदा महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला के 20 रुपये के नोटों जैसा ही रहेगा। आरबीआई के मुताबिक डिजइन, रंग या सुरक्षा सुविधाओं में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

बयान के मुताबिक रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए 20 रुपये के सभी पिछले संस्करण वैध मुद्रा माने जाते रहेंगे और नई श्रृंखला के साथ प्रचलन में बने रहेंगे। केंद्रीय बैंक ने कहा कि यह अपडेट आरबीआई द्वारा नियमित रूप से जारी किए जाने वाले बैंक नोटों का हिस्सा है, जिसमें रिजर्व बैंक गवर्नर के हस्ताक्षर अपडेट किए गए हैं।

आरबीआई के मुताबिक इससे बाजार में पहले से मौजूद उसी मूल्यवर्ग के मौजूदा 20 रुपये के करेंसी नोटों की वैधता पर कोई असर नहीं पड़ता है।

डीजीटीआर ने मनाई 8वीं वर्षगांठ

नई दिल्ली। व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने शनिवार को अपना 8वां स्थापना दिवस मनाया। डीजीटीआर ने यह जश्न भारतीय उद्योगों को अनुचित व्यापार प्रथाओं और आयात में अचानक वृद्धि से बचाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता के लिए मनाया। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने व्यापार उपचार महानिदेशालय को उनकी 8वीं वर्षगांठ पर बधाई। मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि केंद्र सरकार व्यापार उपचार जांच में दस्तावेजों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से पेश करने के लिए एक डिजिटल मंच विकसित कर रही है। सरकार व्यापार समाधान जांच में ई-फाइलिंग के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च करेगी। मंत्रालय ने कहा इस मंच के जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है, जिससे सभी हितधारकों के लिए पारदर्शिता, दक्षता और पहुंच में आसानी होगी।

मंत्री मनोहर लाल ब्राजील दौरे पर, ब्रिक्स ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में लेंगे भाग

नई दिल्ली। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल 19 मई को होने वाली ब्रिक्स ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए ब्राजील की आधिकारिक यात्रा पर रवाना हुए। बैठक में भारत ऊर्जा क्षेत्र में पिछले दशक की अपनी उपलब्धियों का प्रदर्शन करेगा। ऊर्जा मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ब्रिक्स देशों के ऊर्जा मंत्रियों के साथ ₹समावेशी और सतत वैश्विक शासन के लिए वैश्विक दक्षिण सहयोग को सशक्त बनाना₹ विषय के तहत ऊर्जा सुरक्षा, पहुंच, सामर्थ्य और स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

इस बैठक में भारत पिछले दशक में अपनी उपलब्धियों को प्रदर्शित करेगा, जिसमें बिजली क्षमता में 90 फीसदी की वृद्धि, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और जैव ईंधन में नेतृत्व, साथ ही ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार और सतत विकास शामिल है। इसके साथ ही देश ऊर्जा तक समान पहुंच सुनिश्चित करने और ऊर्जा परिवर्तन में तेजी लाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करेगा।

बयान में कहा गया है कि मंत्री मनोहर लाल की यह यात्रा एक मजबूत, भविष्योन्मुख और टिकाऊ ऊर्जा क्षेत्र के निर्माण में ब्रिक्स देशों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करने के भारत के दृढ़ संकल्प को रेखांकित करती है।

सरसों, मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल और बिनौला तेल के दाम में सुधार

नई दिल्ली। आवक घटने और मांग निकलने के कारण देश के तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को सरसों तेल-तिलहन, मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में सुधार आया। नगण्य उपलब्धता के बीच हल्की मांग की वजह से बिनौला तेल तथा हल्की मांग बढ़ने से सोयाबीन तेल कीमत में भी सुधार आया। दूसरी ओर सोयाबीन तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल के दाम पूर्वस्तर पर बने रहे। सूत्रों ने कहा कि मंडियों में सरसों की आवक घटकर 3.60 लाख बोरी रह गई है जबकि आम तौर पर विगत वर्षों में इस दौरान 8-10 लाख बोरी सरसों की आवक होती थी। आवक की कमी के बीच आगामी बरसात के मौसम में अचार बनाने वाली कंपनियों की हल्की मांग निकलने से सरसों तेल-तिलहन कीमतों में सुधार आया।

उन्होंने कहा कि छोटी तेल पेराई मिलों को काफी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि उन्हें थोक में कम दाम पर टैंकरों के लिए सरसों तेल की आपूर्ति करनी होती है। कच्ची घानी की बड़ी तेल मिलें खुदरा में कहीं मंहगे दाम पर अपना माल बेचती हैं जिससे उन्हें अपेक्षाकृत अधिक फायदा होता है। कम उपलब्धता के बीच हल्की फुल्की मांग के कारण बिनौला तेल कीमत में भी सुधार देखने को मिला।

सूत्रों ने कहा कि मूंगफली पहले से एमएसपी से 15-16 प्रतिशत नीचे दाम पर बिक रही है। नीचे दाम पर मांग निकलने से मूंगफली तेल तिलहन में मामूली सुधार आया। वहीं हल्के खाद्यतेलों में सूरजमुखी और सरसों के मंहगा होने की वजह से सोयाबीन तेल पर लिवाली का अधिक दवाब है जिससे सोयाबीन तेल कीमतों में भी सुधार आया। हालांकि, सोयाबीन का हाजिर दाम अभी भी एमएसपी से लगभग 8-10 प्रतिशत नीचे है। सूत्रों ने कहा कि नेफेड की एमएसपी से नीचे दाम पर जारी बिकवाली से बीच सोयाबीन तिलहन, गिरावट के बावजूद मंहगे दाम वाले पाम-पामोलीन की मांग प्रभावित रहने के बीच सीपीओ और पामोलीन तेल के दाम पूर्वस्तर पर स्थिर रहे। सरकार को इस बात की ओर ध्यान देना होगा कि लगभग एक माह बाद या उसके आसपास बिजाई होने वाले सोयाबीन एवं मूंगफली की बिजाई पूरी होने तक नेफेड, सोयाबीन और मूंगफली की कमजोर दाम पर बिकवाली रोक दे जिससे किसानों का मनोबल बरकरार रखा जा सके और वे इनकी खेती और उत्पादन बढ़ाने की ओर अधिक प्रयास कर सकें।

धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र में 10 साल में जमीन की कीमत 10 गुना बढ़ी: डेवलपर

अहमदाबाद। गुजरात में धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र, दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे के तहत एक योजनाबद्ध स्मार्ट शहर है, जिसमें निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी के कारण पिछले एक दशक में जमीन की कीमतों में लगभग 10 गुना वृद्धि देखी गई है। डेवलपरों ने यह जानकारी दी। धोलेरा स्थित डेवलपर आइजी ग्रुप के संस्थापक और प्रबंध निदेशक (एमडी) ललित परिहार ने कहा कि उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, धोलेरा क्षेत्र में विभिन्न टाउन प्लानिंग (टीपी) योजनाओं में प्रति वर्ग गज की कीमतें बढ़कर 7,000 रुपये से 10,000 रुपये तक हो गई हैं।

परिहार ने कहा कि अन्य टीपी योजनाओं के लिए कीमतें 3,000 रुपये से लेकर 7,000 रुपये प्रति वर्ग गज तक हैं, जो पिछले 10 वर्षों में 10 गुना वृद्धि दर्शाती है। धोलेरा स्थित एक अन्य डेवलपर, इन्फिनिटी इंफ्राकॉन के साझेदार ऋतुराजसिंह चूडास्मा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय माल वहन हवाई अड्डे और अहमदाबाद-धोलेरा एक्सप्रेस-वे जैसी प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाएं, जो 2025 में चालू हो जाएंगी, धोलेरा के विकास को गति देने के लिए तैयार हैं। डेवलपर्स ने कहा कि 109 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेसवे का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है, जबकि भीमनाथ-धोलेरा चौड़ी रेल लाइन और वंदे मेट्रो जैसी परियोजनाएं क्षेत्रीय संपर्क को और बढ़ावा देंगी।

परिहार ने कहा कि अब जब बुनियादी ढांचा जमीन पर दिखाई दे रहा है, तो निवेशकों का विश्वास उच्चतम स्तर पर है। जमीन की कीमतों में वृद्धि इस बदलाव का प्रतिबिंब है। यह आंकड़ा धोलेरा के एक उच्च-संभावित रियल एस्टेट गंतव्य के रूप में उभरने को और पुष्ट करता है।

धोलेरा आईएसआर तेजी से एक प्रमुख निवेश केंद्र के रूप में उभर रहा है, जो टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की 91,000 करोड़ रुपये की सेमीकंडक्टर परियोजना सहित 100 से अधिक कंपनियों से निवेश आकर्षित कर रहा है।

सेबी ने अप्रैल में स्कोर्स मंच के जरिए 4,239 शिकायतों का निपटारा किया

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने अप्रैल में शिकायत निवारण तंत्र 'स्कोर्स' मंच के जरिए 4,239 शिकायतों का निपटारा किया। बाजार नियामक को इस महीने 4,341 नई शिकायतें मिलीं और अप्रैल के अंत तक कुल 4,263 शिकायतें लंबित थीं। इससे पहले 31 मार्च तक 4,161 शिकायतें लंबित थीं।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बताया कि अप्रैल में कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) जमा करने के लिए संस्थाओं द्वारा लिया गया औसत समाधान समय आठ दिन था। इस दौरान प्रथम स्तर की समीक्षा के तहत शिकायतों के लिए लिया गया औसत समय चार दिन था। सेबी की शिकायत निवारण प्रणाली स्कोर्स एक ऑनलाइन मंच है, जो निवेशकों को सूचीबद्ध कंपनियों और पंजीकृत मध्यस्थों के खिलाफ शिकायत दर्ज करने और निगरानी करने की सुविधा देता है। इन संस्थाओं को शिकायतों पर 21 दिनों के भीतर एटीआर जमा करना होता है। असंतुष्ट होने पर, निवेशक 15 दिनों के भीतर प्रथम स्तरीय समीक्षा का विकल्प चुन सकते हैं। इसके बाद भी अगर निवेशक असंतुष्ट रहते हैं, तो वह इस मुद्दे को दूसरे स्तर की समीक्षा के लिए आगे बढ़ा सकते हैं।

मुख्यमंत्री सुखू ने प्राकृतिक खेती बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास करने के निर्देश दिए

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू ने शनिवार को कृषि विभाग के अधिकारियों को हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए ठोस एवं समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए। यहां कृषि विभाग की बैठक की अध्यक्षता करते हुए सुखू ने कहा कि विभाग के सभी अधिकारियों को किसानों तक पहुंचना चाहिए और उन्हें प्राकृतिक खेती अपनाने के साथ-साथ इसके प्रमाणीकरण की सुविधा प्रदान करने में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने प्राकृतिक खेती पहल के तहत किसानों का पंजीकरण सुनिश्चित करने के लिए पंचायतवार शिविर आयोजित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ठोस परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रत्येक स्तर पर इस संबंध में जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने एपीएमसी अध्यक्षों को इस दिशा में किसानों को सक्रिय रूप से प्रेरित करने और उनकी सहायता करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एपीएमसी को प्राकृतिक रूप से उगाए गए गेहूं, मक्का और कच्ची हल्दी की खरीद के लिए उच्च श्रेणी के साइलो स्थापित करने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक रूप से उगाए गए गेहूं की खरीद पहले ही शुरू हो चुकी है और राज्य सरकार किसानों को उनकी उपज के लिए 60 रुपये प्रति किलोग्राम का एमएसपी दे रही है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की 139वीं बोर्ड बैठक में लिए गए अहम फैसले

550 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा ईएसआईसी अस्पताल

ग्रेटर नोएडा। आज ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में किसानों के पक्ष में एक अहम फैसला लिया गया। किसानों के बैकलीज के प्रकरणों पर बोर्ड के निणयों में लिपिकीय त्रुटि (जैसे लाभार्थी का नाम, एरिया आदि) को संशोधित करने के लिए सीईओ को अधिकृत कर दिया गया है। इसके लिए सीईओ की तरफ से एक समिति गठित की जाएगी। अभिलेखों की जांच कर समिति के संस्तुति के आधार पर सीईओ के अनुमोदन से ही लिपिकीय त्रुटि को दुरुस्त कर लिया जाएगा। इसके लिए अब बोर्ड बैठक से अनुमति का इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव और नोएडा-ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की 139वीं बोर्ड बैठक हुई। मुख्य सचिव इस बोर्ड बैठक में ऑनलाइन जुडे.। इसमें ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार, एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव, एसीईओ सुनील कुमार सिंह, एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस, एसीईओ प्रेरणा सिंह, यीडा के एसीईओ कपिल सिंह, एडीएम बच्चू सिंह, ग्रेनो प्राधिकरण के ओएसडी अभिषेक पाठक, महाप्रबंधक वित्त विनोद कुमार, महाप्रबंधक नियोजन लीनू सहगल, ओएसडी गिरीश कुमार झा, ओएसडी जितेंद्र गौतम, उपमहाप्रबंधक अभिषेक जैन सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। नोएडा के सीईओ डॉ लोकेश एम व कई अन्य अधिकारी भी बोर्ड बैठक में ऑनलाइन जुड़े। बैठक में किसानों के पक्ष में लीज बैक के प्रकरणों के निणयों की लिपिकीय त्रुटि (जैसे लाभार्थी का नाम, एरिया आदि) को संशोधित करने का अधिकार सीईओ की तरफ से गठित समिति को देने का प्रस्ताव रखा गया, जिस पर अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने अनुमति दे दी। अब लीजबैक में लिपिकीय त्रुटि को संशोधित करने के लिए हर बार एजेंडा बोर्ड के समक्ष नहीं रखा जाएगा, बल्कि लिपिकीय त्रुटि को संशोधित करने का अधिकार सीईओ की तरफ से गठित समिति को दे दिया गया है। अभिलेखों की जांच के उपरांत समिति के संस्तुति पर सीईओ लिपिकीय त्रुटि को अनुमोदित कर देंगे और इसे यहीं दुरुस्त कर लिया जाएगा। इससे बैकलीज में विलंब नहीं होगा।

इसके अलावा बोर्ड ने एक और अहम फैसला लिया है। प्राधिकरण बोर्ड ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम का हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा में बनाने के लिए 5 हजार रुपये प्रति वर्ग की दर से जमीन आवंटित करने पर सहमति दे दी है। यह हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-5 में 29300 वर्ग मीटर भूखंड पर बनेगा। ग्रेटर नोएडा के उद्यमी ईएसआईसी हॉस्पिटल बनाने के लिए आए दिन प्राधिकरण के समक्ष मांग उठाते रहते हैं।

सीईओ एनजी रवि कुमार ने ईएसआईसी के हवाले से बताया कि यह अस्पताल तीन साल में बनकर तैयार होगा। इसे बनाने में करीब 550 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके बन जाने से ग्रेटर नोएडा और आसपास कंपनियों व फैक्ट्रियों में काम करने वालों को इजाज कराने की सुविधा हो जाएगी। जिले में अभी तक ईएसआईसी का एक मात्र हॉस्पिटल नोएडा के सेक्टर-24 में बना है। वहीं बोर्ड बैठक में नोएडा एयरपोर्ट पर तैनात होने वाले सीआईएसएफ के जवानों के लिए आवास की सुविधा का भी हल निकाला गया । ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण दो निर्मित 812 फ्लैट सीआईएसएफ को आवंटित किए जाएंगे। ये फ्लैट ग्रेटर नोएडा के सेक्टर ओमीक्रॉन वन ए में स्थित हैं। ये फ्लैट एमआईजी व एलआईजी कैटेगरी के हैं। इन फ्लैटों की कीमत निर्धारित कर सीआईएसएफ को भेजा जाएगा। इससे नोएडा एयरपोर्ट की सुरक्षा में तैनात होने वाले सीआईएसएफ के स्टाफ को बड़ी सुविधा हो जाएगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है। इसके साथ ही करीब 192 फ्लैटों को पुलिस, कोर्ट, जिला प्रशासन सहित अन्य सरकारी महकमों को भी आवास के परपज से आवंटित करने का भी निर्णय लिया गया।

तेज बारिश और आंधी से कई पेड़ धराशायी, डीएनडी पर जाम, कार पर गिरा रेड लाइट का पोल, कई हादसे टले

नोएडा। गर्मी से बेहाल लोगों को शनिवार दोपहर उस समय थोड़ी राहत मिली जब शहर में अचानक तेज बारिश और धूल भरी आंधी ने दस्तक दी। लेकिन यह राहत कुछ ही देर में आफत में बदल गई। तेज आंधी और बारिश के कारण नोएडा के विभिन्न सेक्टरों और मुख्य सड़कों पर सैकड़ों पेड़ गिर गए। इससे न केवल जनजीवन प्रभावित हुआ, बल्कि कई स्थानों पर दुर्घटनाओं की आशंका भी उत्पन्न हो गई।

सबसे बड़ी परेशानी डीएनडी फ्लाईवे पर देखने को मिली, जहां एक विशाल पेड़ गिरने से यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया। इस वजह से दिल्ली और नोएडा के बीच आने-जाने वाले लोगों को भारी ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ा। कई वाहन चालक घंटों तक जाम में फंसे रहे। ट्रैफिक पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंची और पेड़ को हटाने का प्रयास किया गया, लेकिन स्थिति सामान्य होने में काफी समय लग गया। सेक्टर 9 के ए ब्लॉक में भी एक बड़ा हादसा टल गया। वहां तेज हवा के साथ एक पेड़ जड़ से उखड़ गया और एक ई-रिक्शा पर गिर पड़ा। सौभाग्य की बात यह रही कि घटना के समय रिक्शा में कोई यात्री मौजूद नहीं था और आसपास भी कोई व्यक्ति नहीं था, जिससे बड़ा नुकसान होने से बच गया। इसी तरह सेक्टर-27 के डीएम चौराहे पर लाल बत्ती का खंभा भी तेज हवा की वजह से गिर गया।

हालांकि यहां भी किसी व्यक्ति को चोट नहीं पहुंची, लेकिन ट्रैफिक संचालन कुछ समय के लिए प्रभावित रहा। नोएडा प्राधिकरण और जिला प्रशासन की टीमों ने हालात को नियंत्रण में लाने के लिए तेजी से काम शुरू कर दिया है। टूटी हुई टहनियों और गिरे पेड़ों को हटाने का कार्य जारी है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान घरों के भीतर ही रहें और सुरक्षित स्थानों पर शरण लें। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक ऐसा ही मौसम बने रहने की संभावना है। जनता को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। इस अचानक बदले मौसम ने जहां गर्मी से राहत दी, वहीं शहर को कई मुसीबतों का सामना भी करवाया है।

रेस्टोरेंट में लगी भीषण आग, बड़ी घटना टली

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के अल्फा-1 कमर्शियल बेल्ट स्थित रेस्टोरेंट बर्गर सिंह में शनिवार को अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोगों में दहशत का माहौल फैल गया। घटना की सूचना तुरंत स्थानीय प्रशासन और दमकल विभाग को दी गई, जिसके बाद मौके पर पुलिस बल और दमकल की गाड़ियां तेजी से पहुंचीं।

थाना बीटा-2 क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इस इलाके में पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमों ने तत्परता दिखाते हुए घटनास्थल पर मोर्चा संभाला। दमकल विभाग की कुल चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और बीए सेट (ब्रीदिंग अपरेटस) का इस्तेमाल करते हुए फायरमैनों ने रेस्टोरेंट के अंदर घुसकर आग पर काबू पाया।

आग पर पूरी तरह से नियंत्रण पाने में दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी, लेकिन उनकी मुस्तैदी के चलते आग फैलने से पहले ही काबू में आ गई। स्थानीय पुलिस ने बताया कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है और न ही कोई व्यक्ति आग में फंसा था। सभी लोगों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्राथमिक तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है।

घटना के बाद आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों में काफी डर का माहौल बन गया था, लेकिन प्रशासन की तेज कार्रवाई ने स्थिति को संभाल लिया। पुलिस ने बताया कि अब हालात पूरी तरह से सामान्य हैं और जांच जारी है। प्रशासन ने सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से अपील की है कि वे अपने यहां सुरक्षा उपकरणों और अग्निशमन उपायों की नियमित जांच करते रहें।

समाधान दिवस में 149 शिकायतें दर्ज, 11 का मौके पर निस्तारण

गौतम बुद्ध नगर। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के स्पष्ट निर्देशों के तहत शनिवार को गौतम बुद्ध नगर की तीनों तहसीलों—सदर, दादरी और जेवर में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 149 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 11 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत से पहले जिलाधिकारी ने सदर तहसील परिसर में विकास कार्यों—टाइलिंग, पार्क निर्माण, और रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम—का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कृषि, विद्युत, श्रम, उद्योग, महिला कल्याण आदि विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर अधिक से अधिक योजनाओं के प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए। उन्होंने फैमिली आईडी कार्ड के लिए अलग से स्टॉल लगाए जाने पर भी बल दिया। जन सुनवाई के दौरान सदर तहसील में कुल 7 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से

3 का मौके पर निस्तारण हुआ। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतों की गहराई से जांच कर त्वरित कार्यवाही करें और उन्हें ऑनलाइन पोर्टल पर भी अपडेट करें। आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए जिलाधिकारी ने सभी सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों और प्राधिकरण क्षेत्रों में रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने नहरों और नालों की साफ-सफाई समय से करने के लिए सिंचाई विभाग को भी निर्देशित किया। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र की हाईराइज सोसाइटियों में जल संरक्षण को लेकर जिलाधिकारी ने रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन और अथॉरिटी ऑफिसर्स के बीच बेहतर समन्वय बनाने के निर्देश दिए। हीटवेव के मद्देनजर उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने कार्यालयों में पेयजल और छाया की व्यवस्था सुदृढ़ करने का निर्देश भी दिया। समाधान दिवस में कुछ अधिकारी अनुपस्थित रहे, जिस पर नाराजगी जताते हुए जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सदर को निर्देशित किया कि ऐसे अधिकारियों से तत्काल स्पष्टीकरण लिया जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ल, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार, उप जिलाधिकारी चारुल यादव, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, तहसीलदार प्रतीक कुमार सिंह चौहान सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। समाधान दिवस में जन अपेक्षाओं पर खरे उतरने की कोशिश, लेकिन अनुपस्थित अफसरों पर कसा शिकंजा।

दादरी में 103 शिकायतें, 7 का समाधान

दादरी तहसील में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अतुल कुमार की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित हुआ। यहां कुल 103 शिकायतें दर्ज हुईं और 7 का मौके पर निस्तारण किया गया।

जेवर में 39 शिकायतें,एक का निस्तारण

जेवर तहसील में समाधान दिवस का नेतृत्व उप जिलाधिकारी अभय कुमार सिंह ने किया, जहां कुल 39 शिकायतें प्राप्त हुईं और 1 का समाधान मौके पर किया गया।

तुर्किये और अजरबैजान से तोड़े व्यापारिक संबंध, ली शपथ

नोएडा। उद्यमियों की संस्था नोएडा एंटरप्रिनियोर्स एसोशिएसन (एनईए) की एग्जीक्यूटिव कमेटी की सेक्टर- 6 स्थित कार्यालय में शनिवार को बैठक हुई। बैठक में उद्यमियों ने बड़ी घोषणा करते हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान का समर्थन करने वाले देश तुर्किये एवं अजरबैजान के प्रति आक्रोश व्यक्त किया । इसके साथ ही उद्यमियों ने पाकिस्तान समेत इन दोनों देशों के साथ अपने सभी तरह के व्यावसायिक संबंध तोड़ने की शपथ ली।

इस दौरान उद्यमियों ने कहा कि हम इन देशों में पर्यटन को भी बढ़ावा नहीं देंगे। नोएडा के एनईए कार्यालय में हुई बैठक में उद्यमियों ने पहलगांव में घूमने गए शैलानियों की धर्म पूछकर निर्मम हत्या पर आक्रोश व्यक्त करते हुए सभी मृतकों की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद संस्था से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई । इस अवसर पर एनईए अध्यक्ष विपिन मल्हन ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत सरकार के निर्देश पर सेना द्वारा आतंक के खिलाफ आतंकियों की पनाहगाह पाकिस्तान पर की गई कार्रवाई की सराहना की एवं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत सेना के सभी जवानों को धन्यवाद दिया । बैठक के दौरान विपिन मल्हन ने ऑपरेशन सिंदूर के समय पाकिस्तान को समर्थन देने वाले देश टर्की एवं अजरबैजान के प्रति आक्रोश व्यक्त किया।

इस अवसर पर एनईए अध्यक्ष ने उपस्थित सभी उद्यमियों को शपथ दिलाते हुए कहा कि हम सभी उद्यमीगण टर्की एवं अजरबैजान से अपने सभी व्यापारिक संबंध समाप्त करेंगे एवं इस देशों में पर्यटन को भी बढ़ावा नहीं देंगे और कभी भी इन देशों में घूमने नहीं जाएगे। इसके साथ ही अपनी वसीयत में यह लिखेंगे कि अगर हमारी संतान इन देशों से कोई संबंध रखती है या घूमने जाती है तो उनको मिलने वाले सभी हक़ से वंचित माना जायेगा। इस घोषणा की सभी उद्यमियों ने हाथ उठाकर समर्थन किया।

स्विफ्ट कार से कर रहा था गांजे की तस्करी, गिरफ्तार

नोएडा। थाना सेक्टर-63 पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। लोकल इंटेलिजेंस और गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने गांजे की तस्करी करने वाले एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 20 किलो 800 ग्राम अवैध गांजा, जिसकी कीमत करीब तीन लाख रुपये बताई जा रही है, तथा तस्करी में प्रयुक्त एक स्विफ्ट कार बरामद की गई है। 16 मई 2025 को सेक्टर-63 थाना पुलिस ने मैट्रो पिलर नंबर-36 के पास दबिश देकर आरोपी विशाल पुत्र तेजपाल को धर दबोचा। आरोपी के कब्जे से भारी मात्रा में गांजा और एक कार बरामद की गई। बताया जा रहा है कि इस कार का इस्तेमाल गांजे की तस्करी के लिए किया जा रहा था।

पुलिस, सीडीटी और आबकारी विभाग की संयुक्त कार्रवाई

दो नाइजीरियन नागरिक गिरफ्तार भारी मात्रा अवैध शराब बरामद

ग्रेटर नोएडा। थाना सूरजपुर पुलिस, सीडीटी (क्राइम डिटेक्शन टीम) एवं आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब के कारोबार में लिप्त दो विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 17 मई को गुप्त सूचना के आधार पर की गई। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में एक पुरुष और एक महिला शामिल हैं। दोनों ही नाइजीरिया के नागरिक हैं। इनके कब्जे से भारी मात्रा में विदेशी शराब, बीयर की बोतलें, कैन और एक कार बरामद की गई है, जिसका उपयोग शराब तस्करी में किया जा रहा था।

गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान विक्टर, निवासी ओरकेसे स्ट्रीट ओगवुशुकुरे, नाइजीरिया, वर्तमान में पैरामाउंट सोसायटी, गौतमबुद्धनगर और कैसेंड्रा, निवासी ओरकेसे स्ट्रीट ओगवुशुकुरे, नाइजीरिया, वर्तमान पता पैरामाउंट सोसायटी, गौतमबुद्धनगर के रूप में हुई है। इन दोनों को यूपीएसआईडीसी साइट सी के पास एक खाली स्थान से गिरफ्तार किया गया। इनके खिलाफ आबकारी अधिनियम और धारा 14 विदेशी अधिनियम के तहत थाना सूरजपुर में मामला दर्ज किया गया है।

इनके पास से एक टोयोटा कार, 179 कांच की बीयर बोतलें (कोरोना एक्स्ट्रा 330 एमएल), 24 कैन बीयर (किंगफिशर 500 एमएल), 50 कैन बीयर (बडवाइज़र मेगना 500 एमएल), 10 कांच की बोतलें समारा रेड वाइन, 2 कांच की बोतलें एब्सोल्यूट वोडका (750 एमएल, हरियाणा ब्रांड), 4 कांच की बोतलें मार्टेल (700 एमएल, हरियाणा ब्रांड), 2 बोतलें जोनी वॉकर ब्लैक लेबल (हरियाणा ब्रांड) और 4 बोतलें जोनी वॉकर रेड लेबल (हरियाणा ब्रांड) बरामद हुई हैं।

गिरफ्तार विदेशी नागरिकों से उनके पासपोर्ट एवं वीजा संबंधी दस्तावेजों के बारे में जानकारी जुटाने के लिए गौतमबुद्धनगर अभिसूचना इकाई द्वारा पूछताछ की जा रही है। पुलिस का मानना है कि यह गिरोह अवैध तरीके से शराब की तस्करी कर रहा था और इसकी आपूर्ति दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में की जा रही थी। इस कार्रवाई से शराब तस्करी के एक बड़े नेटवर्क के खुलासे की संभावना है। पुलिस द्वारा मामले की जांच गहराई से की जा रही है और अन्य संभावित सहयोगियों की तलाश जारी है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर नगर में निकली तिरंगा यात्रा

नोएडा। भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवाद के खिलाफ की गई निर्णायक कार्रवाई की सफलता का जश्न शनिवार को ग्रेटर नोएडा वेस्ट में जोरदार तरीके से मनाया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में भव्य 'तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा' का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया। यात्रा का शुभारंभ श्री राधा कृष्ण पार्क से हुआ और यह गौर सिटी के 7th एवेन्यू तक निकाली गई। करीब दो किलोमीटर लंबी इस यात्रा के दौरान देशभक्ति के नारों और जयकारों से वातावरण गूंज उठा।

हाथों में तिरंगे लिए नागरिकों ने सेना के शौर्य को नमन किया। इस आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री व गौतमबुद्ध नगर के प्रभारी मंत्री कुँवर बृजेश सिंह शामिल हुए। उनके साथ भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, दादरी विधायक तेजपाल नागर, एम.एल.सी श्रीचंद शर्मा, एम.एल.सी नरेंद्र भाटी, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर मंत्री कुँवर बृजेश सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारतीय सेना ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। यह सिर्फ एक सैन्य सफलता नहीं, बल्कि पूरे देश की शौर्यगाथा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व मंच पर मजबूती से खड़ा है और आतंकवाद को उसके अंजाम तक पहुंचाने का संकल्प ले चुका है। भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि यह तिरंगा यात्रा जनता की सेना के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना का प्रतीक है। देश के हर नागरिक ने सेना के शौर्य को सलाम किया है। भारत माता की जय और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारों से पूरा शहर गूंज उठा।

दादरी विधायक तेजपाल नागर ने कहा कि इस यात्रा के माध्यम से न केवल सेना के पराक्रम का सम्मान किया गया, बल्कि आम जनता के बीच एकता, राष्ट्रप्रेम और संगठन की भावना को भी मजबूत किया गया। इस तिरंगा यात्रा में सुभाष भाटी, मुकेश चौहान, देवा भाटी, सतेंद्र अवाना, अरुण यादव, विमल पुंडीर, कर्मवीर आर्य, महेंद्र नागर, वीरेंद्र भाटी, अर्पित तिवारी, महेश शर्मा, अमरीश प्रमुख, दीपक यादव, बलराज भाटी, लोकेश त्यागी, देवेंद्र त्यागी, कमलकुमार जैन, नवीन तिवारी, सरदीप नागर, रामकुमार नागर, संगीता तिवारी, रमाकांत शर्मा, गौरव पटेल, रवि भदौरिया, जितेंद्र सैन समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी और आम नागरिक उपस्थित रहे।

'मां को खोने के बाद पूरी तरह से टूट गई थी', मां को याद कर भावुक हुईं जैकलीन फर्नांडीस

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस इन दिनों अपनी जिंदगी को एक नई दिशा देने की कोशिश कर रही हैं। बीते अप्रैल माह में उन्होंने अपनी मां किम फर्नांडीस को खो दिया था, जिसके बाद वह काफी समय तक सार्वजनिक रूप से दूर रहीं। हाल ही में कान्स फिल्म फेस्टिवल में उनकी मौजूदगी ने एक बार फिर सभी का ध्यान खींचा। अब जैकलीन ने पहली बार अपनी मां के निधन पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि मां के जाने के बाद वो पूरी तरह से टूट गई थीं। जैकलीन ने भावुक होकर कहा, ₹मां को खोने के बाद मैं पूरी तरह से टूट गई थी। जिंदगी में कई मुश्किल दौर देखे हैं, लेकिन मेरे माता-पिता हमेशा मेरे साथ खड़े रहे। कलाकार जितना सहते हैं, उतना ही दर्द उनके मां-बाप भी सहते हैं। हमारी जिंदगी लोगों की नजरों में होती है, फिर भी माता-पिता बिना शिकायत हमें सहारा देते हैं। मेरी मां मुझ पर बेहद गर्व करती थीं। उन्होंने हमेशा चाहा कि मैं अपने सपनों को कभी मरने न दूं और हर हाल में मेहनत करती रहूं। जैकलीन ने उस यादगार पल को भी शेयर किया, जब वह अपने बचपन के हीरो जीन-क्लॉड वैन डैम के साथ फिल्म 'किल 'एम ऑल 2' की शूटिंग कर रही थीं। उन्होंने बताया कि उस दौरान उनके माता-पिता खास तौर पर उन्हें मिलने इटली पहुंचे थे। जैकलीन ने कहा, ₹जिस शख्स से मैं बचपन से प्रेरित होती रही, उसके साथ काम करते देख मेरे माता-पिता का सीना गर्व से चौड़ा हो गया था। उस लम्हे ने मुझे महसूस कराया कि मेरी सारी मेहनत और संघर्ष बेकार नहीं गए, वो पल मेरी जिंदगी का सबसे कीमती अनुभव बन गया।₹ जैकलीन ने कहा, ₹मैं खुश हूं कि मां के आखिरी कुछ महीने मैं उनके साथ बिता सकी, लेकिन मन में एक टीस रह जाती है। काश मैं उनके लिए और भी कुछ कर पाती। कई बार खुद से सवाल करती हूं, क्या मैं और बेहतर कर सकती थी? किसी अपने को खो देने का दर्द बहुत गहरा होता है। आज भी उस सच्चाई को पूरी तरह से स्वीकार नहीं कर पाई हूं। लेकिन एक बात मैं पूरे यकीन से कह सकती हूं, मेरी मां हमेशा मेरी सबसे बड़ी सपोर्टर और प्रशंसक रही हैं।

'गुंजन सक्सेना' की यादों को जाह्नवी कपूर ने फिर किया ताजा

इंस्टाग्राम पर शेयर किया खास पल

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने हाल ही में अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक खास पल की तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में वह अपनी ही फिल्म 'गुंजन सक्सेना – द कारगिल गर्ल' को नेटफ्लिक्स पर देखती नजर आ रही हैं। बता दें कि यह फिल्म साल 2020 में रिलीज हुई थी, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया था। इस फिल्म में जाह्नवी ने भारतीय वायुसेना की पहली महिला पायलट गुंजन सक्सेना का किरदार निभाया था, जो कारगिल युद्ध के समय घायल सैनिकों को बचाने के मिशन पर गई थीं। उनका यह किरदार न सिर्फ चुनौतीपूर्ण था, बल्कि प्रेरणादायक भी था। उन्होंने खुद को इस किरदार में ढालने के लिए काफी मेहनत की थी। इसके लिए उन्होंने वायुसेना की ट्रेनिंग, पायलट बनने की तैयारियों के बारीकियों को सीखा, और मानसिक रूप से एक बहादुर सैनिक की तरह खुद को तैयार किया। यह किरदार उनके करियर के लिए बेहद अहम था। उन्होंने इस फिल्म को दोबारा देखकर अपने उस समय की मेहनत और यादों को ताजा किया। जाह्नवी का यह इंस्टाग्राम स्टोरी पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है। फैंस उन्हें फिर से इस तरह के दमदार रोल में देखने की उम्मीद कर रहे हैं। यह फिल्म 'कारगिल गर्ल' के नाम से मशहूर आईएएफ की महिला पायलट गुंजन सक्सेना पर बनी थी। 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान 18,000 फुट की ऊंचाई पर 'चीता' हेलीकॉप्टर उड़ाया था। तब वे द्रास और बटालिक की ऊंची पहाड़ियों से उठाकर वापस सुरक्षित स्थान पर लेकर आईं थीं। उन्हें युद्ध क्षेत्र में साहस दिखाने के लिए शौर्य वीर पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। यह पुरस्कार पाने वाली वह पहली महिला बनीं। इस फिल्म में जान्हवी कपूर के अलावा, पंकज त्रिपाठी, अंगद बेदी, विनीत कुमार सिंह, मानव विज, मनीष वर्मा, आयशा रजा मिश्रा जैसे कलाकार नजर आए। अंगद बेदी गुंजन के भाई अंशुमान के रोल में नजर आए। वहीं पंकज त्रिपाठी उनके पिता के किरदार में थे। गुंजन की बायोपिक का निर्देशन शरण शर्मा ने किया है। जबकि फिल्म का प्रोडक्शन करण जौहर, हीरू, अपूर्व मेहता और जी स्टूडियो ने मिलकर किया है। फिल्म की कहानी निखिल मेहरोत्रा और शरण ने मिलकर लिखी है।

सुनील शेट्टी का भावुक रिएक्शन

बाबू भैया नहीं तो श्याम भी नहीं

अगर बॉलीवुड की सबसे आइकॉनिक कॉमेडी फिल्मों की बात हो, तो 'हेराफेरी' का जिक्र जरूरत आता है। अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल की तिकड़ी ने दो फिल्मों के जरिए दर्शकों को खूब हंसाया है। ऐसे में जब 'हेराफेरी 3' की चर्चा शुरू हुई, तो फैंस की उम्मीदें भी सातवें आसमान पर पहुंच गईं। हालांकि, एक हालिया रिपोर्ट ने दर्शकों को झटका दे दिया है। दिग्गज अभिनेता परेश रावल ने खुद कन्फर्म किया है कि वह अब 'हेराफेरी 3' का हिस्सा नहीं होंगे। बताया जा रहा है कि उनके और फिल्म निर्माताओं के बीच क्रिएटिव डिफ्रेंसेज हो गए, जिसकी वजह से उन्होंने यह फैसला लिया। इस खबर के सामने आने के बाद उनके सह-कलाकार सुनील शेट्टी का रिएक्शन भी सामने आया है। उन्होंने कहा कि परेश रावल का फिल्म से बाहर जाना बेहद निराशाजनक है, क्योंकि वह इस फ्रेंचाइजी की आत्मा हैं। सुनील शेट्टी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'केसरी वीर' के प्रमोशन में व्यस्त हैं, लेकिन इस दौरान उन्होंने 'हेराफेरी 3' को लेकर भी दिल खोलकर बात की। खासकर जब परेश रावल के फिल्म से बाहर होने की खबर सामने आई, तो उन्होंने बेहद भावुक प्रतिक्रिया दी। सुनील शेट्टी ने साफ शब्दों में कहा, ₹जब 'हेराफेरी' की बात होती है, तो अगर इसमें बाबू भइया (परेश रावल) और राजू (अक्षय कुमार) नहीं हैं, तो श्याम (मैं) का कोई अस्तित्व नहीं बचता। आप इनमें से किसी एक को भी हटा देते हैं, तो फिल्म चल ही नहीं सकती। उनके इस बयान से साफ है कि तीनों किरदारों की केमिस्ट्री ही इस फ्रेंचाइजी की जान है और अगर कोई एक भी छूटता है, तो वह जादू अधूरा रह जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म के मेकर्स और दिग्गज अभिनेता परेश रावल के बीच मतभेद हो गए थे, इसी वजह से परेश रावल ने फिल्म से बाहर निकलने का फैसला लिया है।

यह है नॉर्थ ईस्ट के इंद्रधनुषी रंग

भारत के नॉर्थ ईस्ट स्टेट टूरिस्ट के लिए हॉट स्पॉट बनकर उभरे हैं। पिछले कुछ वर्षों में इन राज्यों में आने वाले घरेलू और विदेशी सैलानियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। मणिपुर, त्रिपुरा और नागालैंड में 20-29 फीसदी ज्यादा विदेशी टूरिस्ट पहुंचे, वहीं अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड पहुंचने वाले घरेलू पर्यटकों की संख्या में 36-41 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई।

नागालैंड:-

नागालैंड जितना खूबसूरत है, उतना ही इसके आसपास का माहौल भी। यहां 16 जनजातियां पाई जाती हैं। प्रतिबंधित क्षेत्र परमिट (आरएपी) में ढील की वजह से राज्य में विदेशी के साथ-साथ घरेलू पर्यटकों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। नागालैंड का हॉर्नबिल फेस्टिवल पर्यटकों के लिए प्रमुख आकर्षण है। यह फेस्टिवल टूरिज्म विभाग द्वारा प्रतिवर्ष मनाया जाता है, जिसमें सभी 16 जनजातियां अपने-अपने रीति-रिवाजों, परंपराओं एवं लोकनृत्य-संगीत का प्रदर्शन करते हैं। इसमें मिजोरम, मेघालय समेत पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों के कलाकार भी अपने लोकसंगीत और नृत्य का प्रदर्शन करते हैं। इसमें इन राज्यों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत एवं विविधता देखने को मिलती है। इसलिए इसे फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स भी कहा जाता है। यहां के पर्यटन आकर्षणों में द्वितीय विश्वयुद्ध का कब्रिस्तान, राज्य संग्रहालय, कोहिमा और दीमापुर के चिड़ियाघर शामिल हैं। प्रमुख शहरों में दीमापुर, कोहिमा, मोकोकचुंग, मोन, फेक, त्वेनसांग, वोखा, जुन्हेबोटो मिलकर इसे बेहद खूबसूरत बनाते हैं।

अरुणाचल प्रदेश:-

यह नॉर्थ-ईस्ट का बेहद खूबसूरत राज्य है। बोमाडिला, तवांग और इसके आसपास के कई दर्शनीय बौद्ध स्थल हैं। पशिघाट का प्राकृतिक सौंदर्य देखने लायक है। अन्नी गोंपा, वार मेमोरियल, माधुरी लेक, नामदफा राष्ट्रीय उद्यान, माउलिंग राष्ट्रीय उद्यान दर्शनीय स्थल हैं। लोस्सार, सी-दोन्याई, मोपिन, सोलुंग, परशुराम कुंड मेला, लिखबली मेला आदि प्रमुख त्योहार और मेले हैं। एडवेंचर के शौकीन बह्मपुत्र नदी में रिवर राफ्टिंग का आनंद ले सकते हैं।

मणिपुर:-

यहां का प्राकृतिक सौंदर्य और हिल्स की खूबसूरती देखते ही बनती है। मणिपुर की राजधानी इंफाल प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीवन से घिरी हुई है। गोविंद जी मंदिर, कांगला पैलेस, युद्ध स्मारक, इमा केथेल, इम्फाल घाटी आदि इसके पर्यटन में चार चांद लगाते हैं। तामेंगलांग में ऑरेंज महोत्सव काफी लोकप्रिय है। तामेंगलांग में जाइलद झील बेहद खूबसूरत स्थल है।

मेघालय:-

मेघालय की मनोरम वादियों को देख कोई भी इसकी खूबसूरती का कायल हो सकता है। बारिश के मौसम में यहां की पहाड़ियां लुभावनी दिखाई देती हैं। मेघालय की राजधानी शिलांग की खूबसूरती और यहां की ऊंची-ऊंची पहाड़ियों के आकर्षण से आप बच नहीं सकते। यहां वार्ड लेक, लेडी हैदरी पार्क, पोलो ग्राउंड, मिनी चिड़ियाघर, एलीफेंट वाटर फॉल प्रमुख पर्यटक स्थल है।

मिजोरम:-

यहां के खूबसूरत धान के खेत, बांस के जंगल, कलकल बहते झरने-प्रकृति प्रेमियों को जरूर आकर्षित कर सकते हैं। यहां की राजधानी आइजोल धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र है। चमफाई और तामदिल देखने लायक हैं। वानतांग जलप्रपात मिजोरम में सबसे ऊंचा और अति सुंदर जलप्रपात है। ट्रेकर्स के लिए मिजोरम स्वर्ग के समान है।

असम:-

प्रकृति प्रेमियों के लिए असम स्वर्ग से कम नहींहै। यह चाय के बागानों के लिए प्रसिद्ध है। कामाख्या मंदिर, नवग्रह मंदिर, कांजीरंगा नेशनल पार्क, मानस उद्यान, विश्व की सबसे बड़ी नदी द्वीप माजुली, चंदुबी झील, होजो, बताद्रवा सुआलकूची आदि दर्शनीय स्थल हैं। बिहु, बाथोव पूजा, पो र ग, बैसागु, जोनभील मेला, अम्बुबासी आदि प्रमुख है।

आज का राशिफल

मेष राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने से खुश रहेंगे। आय में वृद्धि के योग भी बन रहे हैं।

वृषभ राशि :- हालांकि, कार्यभार की अधिकता रहेगी और कार्यों सफलता के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा।

मिथुन राशि :- परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों और मित्रों का भी भरपूर सहयोग मिलेगा।

कर्क राशि :- बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। सेहत को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता है।

सिंह राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में योजनाएं बनाकर काम करने से सफलता मिलेगी।

कन्या राशि :-कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी और दिन भागदौड़ में व्यतीत होगा। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

तुला राशि :- पुराने कर्ज से छुटकारा मिल सकता है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। रिश्तेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक राशि :- जमीन-जायदाद के मामले में पडऩे से बचें, अन्यथा कानूनी विवाद में फंस सकते हैं।

धनु राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कामकाज अच्छा चलेगा और धनलाभ के योग भी रहेंगे।

मकर राशि :- छोटी-छोटी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी।

कुम्भ राशि :-दिन भागदौड़ में व्यतीत होगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें।

मीन राशि :- सेहत सामान्य रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा। लेन-देन से बचें।

-ज्योतिषाचार्य: पंडित जितेंद्र तिवारी

नीरज चोपड़ा की नजरें अब 90 मीटर से अधिक भाला फेंकने पर

दोहा। राहत और खुशी के साथ-साथ थोड़ी निराशा भी महसूस कर रहे भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कहा कि अब जबकि वह 90 मीटर का आंकड़ा पार कर चुके हैं तो वह और आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे क्योंकि उनका शरीर अब उन चोट से लगभग मुक्त हो गया है जो पिछले कुछ वर्षों से उन्हें परेशान कर रहीं थी। दोहरे ओलंपिक पदक विजेता 27 वर्षीय नीरज ने तीसरे प्रयास में भाले को 90.23 मीटर तक पहुंचाया और 90 मीटर या इससे अधिक करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए जिसकी अगुआई उनके वर्तमान कोच चेक गणराज्य के जान जेलेजनी कर रहे हैं। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे एशियाई और कुल मिलाकर 25वें खिलाड़ी बने।

हालांकि जर्मनी के जूलियन वेबर ने बाजी पलट दी और अपने छठे और अंतिम थ्रो में 91.06 मीटर के प्रयास के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक जीता। नीरज ने स्पर्धा के बाद कहा, ''मैं 90 मीटर के प्रयास से बहुत खुश हूं लेकिन यह असल में थोड़ा खट्टा-मीठा अनुभव है। लेकिन कोई बात नहीं मैं और मेरे कोच अब भी मेरे थ्रो के कुछ पहलुओं पर काम कर रहे हैं। हमने इस साल फरवरी में ही साथ काम करना शुरू किया था। मैं अब भी चीजें सीख रहा हूं।'' जेलेजनी के नाम 98.48 मीटर तक भाला फेंकने का विश्व रिकॉर्ड है और वह आमतौर पर डाइमंड लीग में नहीं जाते लेकिन चेक गणराज्य का यह कोच चोपड़ा के साथ यहां आया था क्योंकि उन्हें लगा था कि इस प्रतियोगिता में 90 मीटर के आंकड़े को पार किया जा सकता है। नीरज ने कहा, ''पिछले कुछ वर्षों से मुझे हमेशा ग्रोइन में कुछ महसूस होता था। इस वजह से मैं अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं दे पाया। इस साल मैं बहुत बेहतर महसूस कर रहा हूं। हम कुछ पहलुओं पर भी काम करेंगे और इसलिए मेरा मानना है कि मैं इस साल विश्व चैंपियनशिप से पहले की प्रतियोगिताओं में 90 मीटर से अधिक भाला फेंक सकता हूं।'' विश्व चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक तोक्यो में आयोजित की जाएगी जिसमें हरियाणा के नीरज गत चैंपियन हैं। नीरज के प्रदर्शन में जेलेजनी के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

पिछले साल नवंबर में उन्हें नीरज के कोच के रूप में नियुक्त किया गया था लेकिन इस दिग्गज भारतीय खिलाड़ी ने कहा कि वे फरवरी से ही साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मैं बहुत खुश हूं कि जान जेलेजनी मेरे कोच हैं और हमने दक्षिण अफ्रीका में बहुत मेहनत की है। हम अब भी कुछ पहलुओं पर काम कर रहे हैं।'' अब जब 90 मीटर का आंकड़ा पार हो गया है तो अपने अगले लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर नीरज ने कहा, ''मेरा अगला लक्ष्य 90 मीटर ही है। मुझे लगता है कि मैं और आगे फेंकने के लिए तैयार हूं। यह एक लंबे सत्र की शुरुआत है।'' नीरज ने कहा कि यहां की परिस्थितियों ने उन्हें बड़े थ्रो करने में मदद की क्योंकि हवा चल रही थी। नीरज ने कहा कि जब मैं वार्मअप थ्रो कर रहा था तो मेरे कोच ने कहा, आज वह दिन है जब मैं 90 मीटर थ्रो कर सकता हूं। मेरे 90 मीटर थ्रो के बाद भी उन्होंने मुझे कहा कि मैं दो-तीन मीटर और दूर तक थ्रो कर सकता हूं। उन्होंने कहा कि हवा निश्चित रूप से मदद करती है और मौसम थोड़ा गर्म है और इससे मदद मिलती है। यह साल की पहली प्रतियोगिता है इसलिए हर कोई लंबे समय के बाद एक नई मानसिकता के साथ आया था हमेशा की तरह नीरज ने शीर्ष स्थान से चूकने की निराशा के बावजूद बेहद शालीनता दिखाई। उन्होंने वेबर के प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि वे एक-दूसरे को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं। नीरज ने कहा कि मैंने जूलियन (वेबर) से भी कहा कि हम 90 मीटर थ्रो कर सकते हैं। मैं उसके लिए भी खुश हूं। हमने इतने वर्षों से 90 मीटर के थ्रो के लिए बहुत मेहनत की है और इसलिए हम खुश हैं। यह हमारे बीच अच्छी प्रतिस्पर्धा है और अगली प्रतियोगिता में हम एक-दूसरे को फिर से कड़ी टक्कर देंगे तथा और बेहतर थ्रो करेंगे।

नीरज को मलाल है कि उन्होंने पहले भी जब राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था तो उन्हें दो बार दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि ऐसा पहले भी हुआ था। जब मैंने तुर्कू में 89 मीटर से अधिक की दूरी से राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था तो मैं दूसरे स्थान पर रहा था। स्टॉकहोम डाइमंड लीग में जब मैंने 89.94 मीटर का थ्रो किया तो मैं फिर से दूसरे स्थान पर रहा, यहां भी ऐसा ही हुआ।'' वेबर ने कहा कि उन्होंने कुछ अतिरिक्त नहीं किया लेकिन उन्हें लग रहा था कि वह यहां 90 मीटर का आंकड़ा पार कर सकते हैं।

वेबर ने कहा कि मुझे नहीं पता कि यह कैसे हुआ। मेरे फिजियोथेरेपिस्ट की बदौलत मुझे बहुत अच्छी मालिश मिली। आज बहुत मजा आया। नीरज ने पहली बार 90 मीटर से अधिक का प्रयास किया और मैं अपने आखिरी थ्रो में उससे आगे निकल गया। उन्होंने कहा कि मैं उसके लिए बहुत खुश था। हम लंबे समय से 90 मीटर थ्रो के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे और हम दोनों ने आज इसे हासिल किया। इसलिए यह हमारे लिए बहुत खास था। वेबर 90 मीटर से अधिक का प्रयास करने वाले दुनिया के 26वें भाला फेंक खिलाड़ी बने। दो बार के विश्व चैंपियन और पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 84.65 मीटर के अपने शुरुआती थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

खराब फॉर्म से जूझ रहे दिल्ली कैपिटल्स की गुजरात टाइटंस की मजबूत टीम से होगी भिड़ंत

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान संघर्ष के कारण अपने पिछले मैच के अचानक स्थगित होने का झटका झेलने वाली दिल्ली कैपिटल्स की टीम रविवार को यहां आईपीएल तालिका में शीर्ष पर चल रहे गुजरात टाइटन्स से भिड़ेगी तो उसकी कोशिश गेंदबाजी की चिंताओं को दूर करने और फिर से एकजुट होने की होगी जिससे कि प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवंत रख सके। दिल्ली ने अपने पिछले पांच मैच में तीन गंवाए हैं और एक मैच बारिश के कारण बेनतीजा रहा। धर्मशाला में दिल्ली का पिछला मुकाबला जम्मू और पठानकोट में हवाई हमले की चेतावनी के बाद बीच में ही रद्द कर दिया गया था जिसके बाद लीग को एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया गया था।

टूर्नामेंट फिर से शुरू किया जा रहा है लेकिन कई विदेशी खिलाड़ी अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए वापस नहीं आ रहे जिससे फ्रेंचाइजी को अपनी टीम में बदलाव करने के लिए मजबूर होना पड़ा। दिल्ली की टीम अभी 11 मैच में 13 अंक के साथ पांचवें स्थान पर है। टीम को उस समय बड़ा झटका लगा जब शीर्ष तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने बाकी सत्र के लिए वापस नहीं लौटने का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया का यह बाएं हाथ का तेज गेंदबाज 14 विकेट लेकर मौजूदा सत्र में अब तक टीम का सबसे सफल गेंदबाज है और उनकी अनुपस्थिति दिल्ली के लिए बड़ा झटका है। दिल्ली को हालांकि उस समय राहत मिली जब उसने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को अपने साथ जोड़ा जिन्हें शुक्रवार को अपने राष्ट्रीय बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिला। अनुभवी मुस्ताफिजुर ने आईपीएल में 7.84 के इकोनॉमी रेट से 38 विकेट लिए हैं। उनसे उम्मीद की जाएगी कि वह गुजरात के मजबूत बल्लेबाजी क्रम के खिलाफ दिल्ली के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे जो जूझ रहा है। अक्षर पटेल की अगुआई वाली टीम ने घरेलू मैदान पर निराशाजनक प्रदर्शन किया है।

इस सत्र में अरुण जेटली स्टेडियम में उसे सिर्फ एक जीत मिली है और वह भी सुपर ओवर के जरिए। दिल्ली और गुजरात की टीम जब पिछली बार 19 अप्रैल को भिड़ी थीं तो टाइटंस ने जोस बटलर की 54 गेंद पर 97 रन की पारी से 200 से अधिक के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर सात विकेट से जीत दर्ज की थी। हाल के मुकाबलों में दिल्ली की समस्याएं और भी बढ़ गई हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बारिश से प्रभावित मैच में उनका शीर्ष और मध्यक्रम लड़खड़ा गया जबकि पंजाब किंग्स ने उनके गेंदबाजों की खूब धुनाई की जिन्होंने धर्मशाला में मैच रद्द होने से पहले सिर्फ 10.1 ओवर में एक विकेट पर 122 रन बना लिए थे।

दुष्मंता चमीरा और मुकेश कुमार की मौजूदगी वाले तेज गेंदबाजी आक्रमण को जूझना पड़ा है जिससे मुस्ताफिजुर की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होगी। दिल्ली की बल्लेबाजी में भी निरंतरता की कमी है। पांच मई को अपने पिछले पूर्ण मैच में दिल्ली ने सनराइजर्स के खिलाफ 29 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। धर्मशाला में टीम को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला। अनुभवी सलामी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसी की वापसी से दिल्ली को मजबूती मिलेगी। टीम को साथ ही उम्मीद होगी कि अभिषेक पोरेल और करुण नायर की मौजूदगी वाला शीर्ष क्रम हाल के संघर्षों से उबरकर गुजरात टाइटन्स के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करेगा। दिल्ली ने सलामी बल्लेबाज के रूप में नायर के साथ प्रयोग किया था लेकिन यह कदम उल्टा पड़ गया क्योंकि वह सनराइजर्स के खिलाफ खाता भी नहीं खोल पाए।

डु प्लेसी और पोरेल भी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में विफल रहे हैं। मौजूदा सत्र में टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले लोकेश राहुल को कप्तान अक्षर के साथ अहम भूमिका निभानी होगी। अगर यह जोड़ी ठोस नींव रख पाती है तो ट्रिस्टन स्टब्स, विपराज निगम और आशुतोष शर्मा जैसे खिलाड़ी डेथ ओवरों में तेजी से रन जुटा सकते हैं। गुजरात की टीम 11 मैच में 16 अंक के साथ शीर्ष पर है। जोस बटलर और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबादा टीम से दोबारा जुड़ गए हैं। इंग्लैंड के बटलर हालांकि राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने के कारण चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ गुजरात के अंतिम लीग मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

शुभमन गिल, बी साई सुदर्शन और बटलर की मौजूदगी में टाइटन्स का शीर्ष क्रम मजबूत है। ये सभी मौजूदा सत्र में 500 रन का आंकड़ा पार कर चुके हैं। तेज रन गति से इनके लगातार रन बनाने का मतलब है कि शेरफेन रदरफोर्ड को छोड़कर टाइटंस के मध्यक्रम के अन्य बल्लेबाजों की परीक्षा नहीं हुई है। दिल्ली को गुजरात के मध्यक्रम की कमजोरियों को उजागर करने के लिए जल्दी विकेट चटकाने होंगे। गुजरात के गेंदबाजों ने बल्लेबाजों का अच्छा साथ दिया है। प्रसिद्ध कृष्णा 20 विकेट लेकर आईपीएल में शीर्ष पर हैं जबकि मोहम्मद सिराज (15 विकेट) और बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर (14) ने भी लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे गुजरात की टीम दोनों विभाग में कड़ी टक्कर दे रही है।

इस प्रकार हैं दोनों टीम

- **दिल्ली कैपिटल्सः** अक्षर पटेल (कप्तान), मुस्तफिजुर रहमान, अभिषेक पोरेल, करुण नायर, लोकेश राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, समीर रिजवी, दर्शन नालकंडे, त्रिपुराना विजय, दुष्मंता चमीरा, फाफ डु प्लेसी, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, मनवंत कुमार एल और माधव तिवारी।
- **गुजरात टाइटंसः** शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, शेरफेन रदरफोर्ड, निशांत सिद्धू, महिपाल लोमरोर, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद अरशद खान, आर साई किशोर, जयंत यादव, करीम जनत, बी साई सुदर्शन, दासुन शनाका, शाहरुख खान, मोहम्मद सिराज, प्रिसिद्ध कृष्णा, मानव सुथार, गेराल्ड कोएट्जी, गुरनूर सिंह बरार, इशांत शर्मा, कुलवंत खेजरोलिया, राहुल तेवतिया और राशिद खान।

समयः मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

हॉकी इंडिया ने अर्जेंटीना में होने वाले चार देशों के टूर्नामेंट के लिए जूनियर महिला टीम घोषित की

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने अर्जेंटीना के रोसारियो में होने वाले आगामी चार देशों के टूर्नामेंट के लिए शनिवार को 24 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला टीम की घोषणा की जिसमें गोलकीपर निधि को कप्तान बनाया गया है जबकि हिना बानो उप-कप्तान होंगी। यह टूर्नामेंट 25 मई से दो जून तक खेला जाएगा जिसमें भारत और मेजबान अर्जेन्टीना के अलावा उरुग्वे और चिली की टीम हिस्सा लेंगी। दिसंबर में होने वाले जूनियर विश्व कप की तैयारी के हिस्से के रूप में भारतीय टीम प्रत्येक टीम के खिलाफ दो मैच खेलेगी जो उसे अपने प्रदर्शन का मूल्यांकन करने, टीम संयोजन का आकलन करने और रणनीतियों को बेहतर करने में मदद करेगा। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम के कोच तुषार खांडेकर ने विज्ञप्ति में कहा, ''हम इस टीम से अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की पहचान करना चाहते हैं, विशेषकर जूनियर विश्व कप को देखते हुए जो सिर्फ छह महीने दूर है। यह दौरा खिलाड़ियों को बहुमूल्य अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्रदान करेगा।'' उन्होंने कहा, ''दीर्घकाल में हम उन्हें सीनियर टीम में जगह बनाने के लिए भी तैयार कर रहे हैं। यह बदलाव तभी संभव है जब वे विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करें जो इस दौरे को बेहद महत्वपूर्ण बनाता है।'' टीम में दूसरे गोलकीपर के रूप में एंजिल हर्षा रानी मिंज शामिल हैं जबकि विद्याश्री वी को स्टैंडबाई रखा गया है। रक्षापंक्ति में ममिता ओरम, लालथंतलुआंगी, मनीषा, पूजा साहू, पार्वती टोपनो, नंदिनी और साक्षी शुक्ला को जगह मिली है। मिडफील्ड में प्रियंका यादव, अनीशा साहू, रजनी केरकेट्टा, बिनिमा धन, खैदेम शिलेमा चानू, संजना होरो, सुप्रिया कुजूर और प्रियंका डोगरा शामिल होंगी। हुडा खान और मुनमुनी दास को स्टैंडबाय मिडफील्डर के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। अग्रिम पंक्ति में हिना बानो, सोनम, सुखवीर कौर, गीता यादव, लालरिनपुई, कनिका सिवाच और करमनप्रीत कौर शामिल हैं। सेलेस्टिना होरो को स्टैंडबाय के रूप में नामित किया गया है। भारत का पहला मैच 25 मई को चिली से होगा।

प्रज्ञानानंदा ने सुपरबेट शतरंज क्लासिक टूर्नामेंट जीता

बुकारेस्ट। भारत के आर प्रज्ञानानंदा ने अलीरेजा फिरोजा और मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव के साथ रोमांचक टाइब्रेक प्लेआफ मुकाबला जीतकर सुपरबेट शतरंज क्लासिक टूर्नामेंट अपने नाम किया। जीत के बाद प्रज्ञानानंदा ने एक्स पर लिखा कि अविश्वसनीय अनुभव । अभी अभी बुकारेस्ट में सुपरबेट शतरंज क्लासिक टूर्नामेंट जीता। मेरी टीम और सहयोगियों को लगातार हौसलाअफजाई करने के लिये धन्यवाद। प्रज्ञानानंदा, वाचियेर लाग्रेव और फिरोजा नौ दौर के बाद 5.5 अंक लेकर बराबरी पर थे जिससे विजेता का फैसला त्रिकोणीय टाइब्रेकर से हुआ । टाइब्रेकर में पहली दो बाजियां ड्रॉ रहने के बाद प्रज्ञानानंदा ने तीसरी बाजी और खिताब जीता। भारत के विश्व चैम्पियन डी गुकेश चार अंक लेकर नौवें स्थान पर रहे। अब ग्रैंड शतरंज टूर का अगला टूर्नामेंट सुपर युनाइटेड रैपिड और ब्लिट्ज एक जुलाई से क्रोएशिया में खेला जायेगा।

इटैलियन ओपन के फाइनल में सिनर की भिड़ंत अल्कारेज से

रोम। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने शुक्रवार को यहां टॉमी पॉल के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए इटैलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई जहां उनकी भिड़ंत कार्लोस अल्कारेज से होगी।

सिनर ने दुनिया के 12वें नंबर के खिलाड़ी टॉमी पॉल को सेमीफाइनल में 1-6, 6-0, 6-3 से हराया। वह 1976 में एड्रियानो पेनेटा के बाद रोम ट्रॉफी जीतने वाला इटली का पहला पुरुष खिलाड़ी बनने के लिए चुनौती पेश कर रहे हैं। इससे पहले अल्कारेज ने लोरेंजो मुसेटी के खिलाफ 6-3, 7-6 की आसान जीत के साथ खिताबी मुकाबले में जगह बनाई।

अल्कारेज ने सिनर के खिलाफ अक्टूबर में चीन ओपन के दौरान दोनों खिलाड़ियों के बीच हुआ पिछला मुकाबला टाईब्रेकर में जीता था। सिनर हालांकि अल्कारेज के खिलाफ उस हार के बाद से लगातार 26 मैच जीत चुके हैं। अल्कारेज ने सिनर के खिलाफ अब तक 10 में से छह मुकाबले जीते हैं जबकि चार में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है।

रोस्टन चेज़ बने वेस्टइंडीज टेस्ट टीम के कप्तान

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड (सीडब्ल्यूआई) ने स्पिन ऑलराउंडर रोस्टन चेज़ को टेस्ट टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है, जबकि जोमेल वॉरिकन को उनका डिप्टी बनाया गया। खास बात यह है कि चेज़ ने पिछले दो साल से कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है, बावजूद इसके उन्हें टीम की कमान सौंप दी गई है। सीडब्ल्यूआई ने एक बयान में बताया कि रोस्टन चेज़ को शुक्रवार को कप्तान नियुक्त किया गया। 33 वर्षीय चेज़ ने 32 वर्षीय क्रैग ब्रैथवेट की जगह ली है, जिन्होंने मार्च में तीन साल तक कप्तानी संभालने के बाद इस पद से इस्तीफा दे दिया था।

चेज़ जून और जुलाई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज में टीम की अगुवाई करेंगे। पहला टेस्ट चेज़ के होम ग्राउंड बारबाडोस के ब्रिजटाउन में खेला जाएगा, जो उनके करियर का 50वां टेस्ट भी होगा। उन्होंने 2016 में टेस्ट डेब्यू किया था। सीडब्ल्यूआई ने टेस्ट टीम के नए कप्तान के चयन को लेकर एक मजबूत डेटा-आधारित प्रक्रिया अपनाई, जिसके तहत छह खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया। इन खिलाड़ियों में जॉन कैंपबेल, टेवन इमलाक, जोशुआ डा सिल्वा, जस्टिन ग्रीव्स, रोस्टन चेज़ और जोमेल वॉरिकन के नाम शामिल थे। इन सभी उम्मीदवारों का मूल्यांकन कई प्रमुख पहलुओं पर किया गया, जिनमें टेस्ट अनुभव, नेतृत्व क्षमता और पूर्व कप्तानी रिकॉर्ड शामिल रहे।

इसके बाद चयन प्रक्रिया में एक विस्तृत मूल्यांकन चरण शामिल किया गया, जिसमें नेतृत्व शैली, व्यवहार और भूमिका के लिए उपयुक्तता का आकलन करने के लिए साइकोमेट्रिक टेस्ट भी शामिल था। इस मूल्यांकन के बाद उम्मीदवारों के संरचित इंटरव्यू लिए गए, जिनमें उनके रणनीतिक दृष्टिकोण, संवाद कौशल और टीम की संस्कृति से मेल पर ध्यान दिया गया। अंततः रोस्टन चेज़ को टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया गया, जबकि जोमेल वॉरिकन को उपकप्तान बनाया गया। रोस्टन चेज़ अब तक 49 टेस्ट और 86 सीमित ओवरों के अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं।

कोच डैरेन सैमी ने इस फैसले का समर्थन करते हुए कहा ्मैं इस नियुक्ति का पूर्ण समर्थन करता हूं। हमारे नए कप्तान ने अपने साथियों का विश्वास जीता है, वह इस भूमिका की जिम्मेदारी को समझते हैं और उनमें वह नेतृत्व गुण हैं जिनकी इस टीम को आगे ले जाने के लिए ज़रूरत है। मैं पूरे क्षेत्र के फैंस से अपील करता हूं कि वे उनके पीछे खड़े हों—हम एक विशेष भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं। रोस्टन चेज़ के लिए कप्तान के तौर पर पहला मुकाबला जून में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज होगी, जो नए आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआती सीरीजों में से एक होगी।

पंजब की नजरें प्ले ऑफ पर, अंतिम घरेलू मैच में प्रतिष्ठा बचाने उतरेगा राजस्थान

जयपुर। पंजाब किंग्स की टीम रविवार को यहां राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ एक और शानदार प्रदर्शन के साथ प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने के इरादे से उतरेगी। रॉयल्स की टीम मौजूदा सत्र में अच्छे खिलाड़ियों की मौजूदगी के बावजूद औसत प्रदर्शन भी नहीं कर पाई है। एक सप्ताह के ब्रेक के बाद सवाई मानसिंह स्टेडियम में वापसी करते हुए श्रेयस अय्यर की टीम आठ मई के उस बुरे सपने को भूलने की उम्मीद करेगी जब भारत-पाकिस्तान संघर्ष के कारण धर्मशाला में दिल्ली कैपिटल के खिलाफ उनका मैच रद्द करना पड़ा और खिलाड़ियों को अंधेरे में अपने ड्रेसिंग रूम में लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा था। पंजाब की टीम 11 मैच में 15 अंक के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस और जोश इंगलिस टीम में फिर से शामिल होने के लिए सहमत हो गए हैं लेकिन वे आईपीएल के बहाल होने के बाद पंजाब के पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे जिससे टीम को अपने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने पर मजबूर होना पड़ सकता है। क

्रिकेट दक्षिण अफ्रीका द्वारा वापस बुलाए गए तेज गेंदबाज मार्को यानसेन की अनुपस्थिति पंजाब की टीम को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाएगी क्योंकि उन्होंने मौजूदा सत्र में 11 विकेट चटकाकर काफी प्रभाव डाला था। हालांकि पंजाब के पास कप्तान अय्यर, सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह और नेहल वढेरा की मौजूदगी में भारतीय खिलाड़ियों का एक मजबूत दल है और भारत-पाकिस्तान तनाव के बाद विदेशी खिलाड़ियों के जाने के बावजूद टीम पर अधिक असर नहीं पड़ा है। गेंदबाजी में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और फॉर्म में चल रहे स्पिनर युजवेंद्र चहल से टीम को काफी उम्मीद होगी। चहल ने 11 मैच में 14 विकेट लिए हैं जिसमें 28 रन पर चार विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है।

चोटिल लॉकी फर्ग्युसन की जगह न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन के आने से रॉयल्स के खिलाफ पंजाब की टीम संतुलन हासिल कर सकती है जबकि इसके बाद स्टोइनिस और इंगलिस टीम से जुड़ जाएंगे। पंजाब की टीम एक बार फिर अपने बल्लेबाजों पर अधिक निर्भर होगी जो धर्मशाला में दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त करने के करीब थे और उन्होंने मैच रद्द होने से पहले केवल 10.1 ओवर में एक विकेट पर 122 रन बना लिए थे। इस प्रदर्शन से उन्हें रॉयल्स के खिलाफ पर्याप्त आत्मविश्वास मिलेगा।

मेजबान टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और 12 मैच में केवल तीन जीत के साथ अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। रॉयल्स की टीम अपने घरेलू प्रशंसकों के सामने आखिरी मैच में जीत दर्ज करना चाहेगी लेकिन इसके लिए उसे अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा क्योंकि उसने अपने पिछले पांच में से चार मैच गंवाए हैं। टीम के लिए चौदह वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने 35 गेंद में शानदार शतक जड़कर दुर्लभ पारी खेली थी लेकिन रॉयल्स की टीम हर बार इस तरह की व्यक्तिगत प्रतिभा पर निर्भर नहीं रह सकती।

चोट के कारण अधिकांश सत्र से बाहर रहे नियमित कप्तान संजू सैमसन की अनुपस्थिति ने रॉयल्स के बल्लेबाजी क्रम में बड़ा खालीपन पैदा किया है। रॉयल्स की बल्लेबाजी का भार अब यशस्वी जायसवाल और रियान पराग पर है और अगर रॉयल्स को अपने अंतिम घरेलू मैच में जीत दर्ज करनी है तो इन दोनों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। टीम के गेंदबाजी आक्रमण को भी झटका लगा है क्योंकि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने बाकी बचे दो मैच के लिए भारत नहीं लौटने का फैसला किया है जिससे पहले से ही संघर्ष कर रही टीम और कमजोर हो गई है।

इस प्रकार हैं दोनों टीम

- **राजस्थान रॉयल्सः** संजू सैमसन (कप्तान), अशोक शर्मा, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, शुभम दुबे, फजलहक फारूकी, वानिंदु हसरंगा, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका, रियान पराग, लुआन-ड्रे प्रीटोरियस, कुणाल सिंह राठौड़, वैभव सूर्यवंशी, महेश तीक्षणा और युद्धवीर सिंह।
- **गुजरात टाइटंसः** संजू सैमसन (कप्तान), अशोक शर्मा, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, शुभम दुबे, फजलहक फारूकी, वानिंदु हसरंगा, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका, रियान पराग, लुआन-ड्रे प्रीटोरियस, कुणाल सिंह राठौड़, वैभव सूर्यवंशी, महेश तीक्षणा और युद्धवीर सिंह।

समयः मैच दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा

टैरिफ हटाने को लेकर भारत और अमेरिका के बीच समझौते की उम्मीद : डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि भारत ने अमेरिकी वस्तुओं पर सभी टैरिफ हटाने की पेशकश की है। हालांकि इसके बाद भी उन्होंने कहा कि स्पष्ट सफलता के बावजूद वह व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की जल्दी में नहीं हैं। फॉक्स न्यूज को शुक्रवार को दिए एक इंटरव्यू में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, भारत ऐसे देश का सबसे अच्छा उदाहरण है, जो अपनी सभी बाधाओं को दूर करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

ट्रंप ने कहा कि वे व्यापार करना लगभग असंभव बना देते हैं। क्या आप जानते हैं कि वे संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए अपने टैरिफ में 100 प्रतिशत की कटौती करने को तैयार हैं? इस दावे के बावजूद उन्होंने संकेत दिया कि हर कोई हमारे साथ व्यापार करना चाहता है। भारत के साथ ये समझौता कितना जल्दी होगा, यह देखना होगा। मुझे कोई जल्दी नहीं है। हम हर किसी के साथ व्यापार की योजना नहीं बना रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि बातचीत चल रही है लेकिन अंतिम चरण से फिलहाल काफी दूर है। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता चल रही है। ये जटिल वार्ताएं हैं। जब तक सब कुछ तय नहीं हो जाता, तब तक कुछ भी तय नहीं होता। किसी भी व्यापार सौदे को पारस्परिक रूप से लाभकारी होना चाहिए। इसे दोनों देशों के लिए काम करना चाहिए। व्यापार सौदे से हमारी यही अपेक्षा होगी। जब तक ऐसा नहीं हो जाता, इस पर कोई भी निर्णय समय से पहले होगा।

ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब उनकी टीम वैश्विक व्यापार गतिशीलता को बड़े स्तर पर बदलने का विचार कर रही है। शुक्रवार को पहले ट्रंप ने कहा था कि वह 'अगले दो से तीन सप्ताह में' व्यापारिक साझेदारों के लिए नई आयात शुल्क दरें निर्धारित करने की योजना बना रहे हैं। ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ व्यापार के विस्तार की संभावना पर भी विचार करने की बात कही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि, भारत में पहलगाम आतंकी हमले के बाद सीमा विवाद के बीच दोनों देशों के बीच युद्ध विराम समझौते के लिए मध्यस्थता करने में व्यापार प्रक्रिया को बढ़ाना एक बड़ा कारक था। ट्रंप ने कहा कि मैं शांति स्थापित करने के लिए दोनों देशों के साथ बराबरी से व्यापार करना चाहता हूं। भारत-पाकिस्तान ही नहीं, अमेरिका-चीन के साथ भी विवाद कम करने की कोशिश कर रहा है।

ट्रंप ने इसे दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के प्रति उदारता का कार्य बताया है। हाल में हुई वार्ता के बाद, अमेरिका और चीन के बीच चला ट्रेड वॉर थमता नजर आ रहा है। अमेरिका ने चीन पर अपनी दर 145 प्रतिशत से घटाकर 30 प्रतिशत कर दी है और बीजिंग ने अपने टैरिफ स्तरों को 125 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। दोनों देश आगे की चर्चाओं पर भी विचार कर रहे हैं। ट्रंप के मुताबिक, अगर उन्होंने चीन के साथ समझौता नहीं किया होता तो चीन बिखर गया होता।

गाजा में जारी युद्ध को लेकर मैं नेतन्याहू से निराश नहीं : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि गाजा में जारी संघर्ष के बीच भी वह इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से 'निराश' नहीं हैं। ट्रंप ने नेतन्याहू का बचाव करते हुए कहा कि नहीं, देखिए, उनके सामने मुश्किल स्थिति है। आपको याद रखना होगा, 7 अक्टूबर की वह घटना थी जिसे हर कोई भूल जाता है। यह दुनिया के इतिहास में सबसे हिंसक दिनों में से एक था, मध्य पूर्व में नहीं, बल्कि दुनिया में, जब आप टेप (रिकॉर्डेड क्लिप्स) देखते हैं। यह समस्या कभी नहीं होनी चाहिए थी। दरअसल, मध्य पूर्व की अपनी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा के दौरान ट्रंप इजरायल में नहीं रुके, और सीधे सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात पहुंचे। सवाल इसी रवैए को लेकर पूछा गया था। बैयर ने ट्रंप से पूछा कि क्या उन्हें लगता है कि नेतन्याहू का मानना है कि ईरान के साथ संभावित परमाणु समझौता क्षेत्र के लिए बुरा है, क्योंकि प्रशासन वार्ता में लगा हुआ है। ट्रंप ने जवाब दिया कि बीबी, वह एक गुस्सैल आदमी हैं, और उन्हें 7 अक्टूबर की वजह से ऐसा होना चाहिए, और वह इससे बुरी तरह आहत हुए हैं, लेकिन दूसरे तरीके देखें तो उन्हें काफी मदद भी मिली है क्योंकि मुझे लगता है कि उन्होंने कड़ी मेहनत और बहादुरी से लड़ाई लड़ी है। हालांकि ट्रंप बार-बार कहते रहे हैं कि अमेरिका को गाजा अपने कब्जे में लेना चाहिए और उसकी तरक्की पर ध्यान दिया जाना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दोहराया कि इस क्षेत्र को 'स्वतंत्र क्षेत्र' बनना चाहिए। ट्रंप ने कहा कि गाजा एक बुरा स्थान है। यह सालों से ऐसा ही है। मुझे लगता है कि इसे एक मुक्त क्षेत्र बन जाना चाहिए, मैं इसे स्वतंत्र क्षेत्र कहता हूं। उनके पास हमास है। हर जगह हर कोई मारा जा रहा है। मेरा मतलब है, क्या आपने कभी अपराध के आंकड़ों के बारे में बात की है? यह एक बुरी जगह है। राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिया कि वे चाहते हैं कि गाजा की डांवाडोल स्थिति को संभालने में अमेरिका मदद करे, उन्होंने कहा कि बहुत से लोग भूख से मर रहे हैं और उन्हें अगले महीने बहुत सारी अच्छी चीजों की उम्मीद है। ट्रंप ने शुक्रवार को मध्य पूर्व की अपनी यात्रा के बाद अमेरिका लौटते समय एयर फोर्स वन में संवाददाताओं से कहा कि मुझे लगता है कि अगले महीने बहुत सारी अच्छी चीजें होने वाली हैं, और हम देखेंगे, हमें फ़लिस्तीनियों की भी मदद करनी होगी। जब एक संवाददाता ने पूछा कि क्या वे गाजा में युद्ध की इजरायली योजनाओं का समर्थन करते हैं? तो राष्ट्रपति ने जवाब दिया कि आप जानते हैं, गाजा में बहुत से लोग भूख से मर रहे हैं, इसलिए हमें दोनों पक्षों को देखना होगा। उन्होंने कहा कि लेकिन हम अच्छा काम करने जा रहे हैं। तीन खाड़ी देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में संयुक्त अरब अमीरात में ट्रंप ने दोहराया कि हम गाजा को देख रहे हैं, और हमें दोनों पक्षों को देखना होगा। इसका ध्यान रखा जाना चाहिए। बहुत से लोग भूख से मर रहे हैं। बहुत से लोग। बहुत सी बुरी चीजें हो रही हैं। इजरायली सेना ने गुरुवार को गाजा में जबरदस्त एयर स्ट्राइक की। इस हमले में 100 से ज्यादा लोग मारे गए। गाजा सिविल डिफेंस के अनुसार, उत्तरी गाजा में जबाल्या और दक्षिण में खान यूनिस में बहुत से लोग हताहत हुए। गुरुवार को, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कतर में एक व्यापार गोलमेज सम्मेलन में गाजा पट्टी पर कब्जा करने की अपनी इच्छा दोहराई और कहा कि अमेरिका 'इसे एक स्वतंत्रता क्षेत्र बनाएगा'। यह पूछे जाने पर कि क्या मध्य पूर्व में उनके द्वारा दौरा किए गए तीन देश समाधान का हिस्सा होंगे, ट्रंप ने कहा कि मैंने उन तीनों से बात की, वे निश्चित रूप से होंगे। मेरा मतलब है, वे वास्तव में अमीर हैं और वास्तव में, वास्तव में, वास्तव में, अमीर से भी ज्यादा, वे अच्छे लोग हैं, और वे मदद करेंगे। और इसलिए, पैसा भी समस्या नहीं है। आपको देशों से यह कहना होगा कि हां, इस काम में उनकी मदद करो।

पाक पीएम शहबाज शरीफ का कबूलनामा

पीएम शहबाज ने माना- नूरखान एयरबेस पर किया था भारत ने हमला

इस्लामाबाद। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना की एयर स्ट्राइक 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के बाद जहां भारत में जश्न का माहौल है। वहीं, दूसरी ओर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पहली बार कबूल किया है कि भारतीय सेना की ओर रावलपिंडी में नूर खान एयरबेस पर 9 -10 मई की रात को एयर स्ट्राइक किया गया था।

भारतीय सेना ने एयर स्ट्राइक में कई पाकिस्तानी एयरबेस पर मिसाइल हमले किए थे। शरीफ ने यह बयान 'यौम-ए-तशाकुर' (धन्यवाद) नामक भव्य समारोह में अपने भाषण के दौरान दिया। इस्लामाबाद में प्रतिष्ठित स्थल 'द मॉन्यूमेंट' में आयोजित समारोह के दौरान, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने घटनाक्रम की श्रृंखला का विवरण दिया और कहा कि इसके बाद हमने भारत के प्रति अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

पाक पीएम ने अपने संबोधन में नूर खान एयरबेस पर भारतीय मिसाइल हमले को लेकर भारत के दावे को स्वीकार किया। शरीफ ने कहा कि 9 और 10 मई की रात करीब 2:30 बजे सेना प्रमुख ने मुझे फोन कर बताया कि भारत ने अपने बैलिस्टिक मिसाइलों के जरिए हम पर हमला किया है। एक मिसाइल नूर खान एयरबेस पर गिरी और कुछ अन्य मिसाइलें अन्य इलाकों में गिरी हैं। उन्होंने कहा कि सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने भारत की ओर से की गई एयर स्ट्राइक का पूरी ताकत से जवाब देने की अनुमति मांगी थी। भारत की एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान ने ड्रोन, और मिसाइल हमलों के जरिए हमले किए। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के भाषण में शांति वार्ता के आह्वान पर भी प्रकाश डाला गया।

उन्होंने कहा कि मैं उन सभी मित्र देशों का बहुत आभारी हूं, जो दुनिया के इस हिस्से में शांति और युद्धविराम को बढ़ावा देने में बहुत मददगार रहे हैं। शरीफ ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने में मदद के लिए सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, कुवैत, ईरान, तुर्की, चीन, ब्रिटेन और अन्य देशों को धन्यवाद दिया। उन्होंने संकट के अंतिम समय में हस्तक्षेप करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विशेष प्रशंसा की। पाक पीएम ने कहा कि मैं राष्ट्रपति ट्रंप को उनके नेतृत्व के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा, और उनके इस दृष्टिकोण के लिए भी कि दक्षिण एशिया में जल्द से जल्द शांति बहाल होनी चाहिए। उनके पथ-प्रदर्शक और रणनीतिक नेतृत्व ने काम किया और दो देशों के बीच होने वाले घातक युद्ध को टाल दिया।

संक्षिप्त खबरें

अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता जारी रखेगा ईरान : राष्ट्रपति पेजेशकियान

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने कहा है कि उनका देश परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखेगा, लेकिन अमेरिकी धमकियों के कारण अपने अधिकारों से पीछे नहीं हटेगा। राष्ट्रपति पेजेशकियान ने शनिवार को नौसेना अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हम बातचीत कर रहे हैं और हम बातचीत करेंगे, हम युद्ध नहीं चाहते हैं, लेकिन हमें किसी खतरे का डर नहीं है। राष्ट्रपति के इस संबोधन को सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि अगर वे हमें धमकाएंगे, तो हम अपना मानवाधिकार और वाजिब अधिकार छोड़ देंगे। हम पीछे नहीं हटेंगे, हम सभी क्षेत्रों में सम्मानजनक सैन्य, वैज्ञानिक, परमाणु क्षमता आसानी से नहीं खोएंगे। वार्ता 'विशेषज्ञ' स्तर पर पहुंच गई है, जिसका अर्थ है कि दोनों पक्ष संभावित समझौते के विवरण पर सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, एक बड़ा मुद्दा ईरान द्वारा यूरेनियम संवर्धन करना है, जिस पर तेहरान जोर देता है कि उसे ऐसा करने की अनुमति दी जानी चाहिए।

युद्धाभ्यास में शामिल किम जोंग उन ने क्रांतिकारी सुधारों पर दिया बल

तेहरान। सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने इस सप्ताह वायु सेना के युद्धाभ्यास का निरीक्षण किया और सभी सैन्य इकाइयों को युद्ध के लिए तैयार रहने को कहा। प्योंगयांग के सरकारी मीडिया ने शनिवार को यह जानकारी दी। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि किम योंग ने गुरुवार को दौरे के दौरान कोरियन पीपुल्स आर्मी के गार्ड्स फर्स्ट एयर डिवीजन के तहत उड़ान समूह को दिशा-निर्देश दिए और पूरी सेना की सभी इकाइयों से लगातार युद्ध के लिए तैयार रहने और क्रांतिकारी बदलाव लाने की आह्वान किया। केसीएनए के अनुसार अभ्यास का मुख्य उद्देश्य उड़ान कोर के साथ-साथ एंटी-एयर मिसाइल, रडार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उप-इकाइयों को दुश्मन देश की क्रूज मिसाइलों और आत्मघाती ड्रोन का पता लगाने, उन्हें ट्रैक करने और नष्ट करने के मिशन से परिचित कराना था।

सुप्रीम कोर्ट से ट्रम्प प्रशासन को झटका, वेनेजुएला के लोगों को अमेरिका से निकालने पर रोक लगाई

वाशिंगटन। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट से ट्रम्प प्रशासन को करारा झटका लगा है। अदालत ने वेनेजुएला के लोगों को देश से निकालने पर रोक लगा दी है। अदालत ने कहा है कि लोगों को देश से निकालने से पहले उन्हें कानूनी प्रक्रिया अपनाने का पूरा मौका देना चाहिए। उधर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अदालत के फैसले पर नाराजगी व्यक्त की है।

टेक्सास के एक हिरासत केन्द्र में वेनेजुएला के लोग बंद हैं। ट्रम्प प्रशासन वेनेजुएला के लोगों को सन 1798 में बने एलियन एनिमीज एक्ट के तहत देश से बाहर भेजना चाहता है। मानवाधिकार संगठन अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एसीएलयू) के जरिए मामला अदालत पहुंचा। अदालत ने सुनवाई के बाद शुक्रवार को कहा कि 24 घंटे में बिना सुनवाई अप्रवासी लोगों को अमेरिका से बाहर भेजना सही नहीं हैं। एसीएलयू के प्रवक्ता के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को निचली अदालत सर्किट कोर्ट को भेज दिया है, जिससे इस मुद्दे वर विस्तार से सुनवाई हो सके। उधर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने गहरी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि सुप्रीम कोर्ट हमे अपराधियों को देश से बाहर निकालने की इजाजत नहीं दे दे रहा। गौरतलब है कि इससे पहले यह मामला अमेरिका का निचली अदालत में पहुंचा था। लेकिन अदालत ने इसे सुनने से इंकार कर दिया था।

उसके बाद एसीएलयू संगठन ने सुप्रीम कोर्ट ने दस्तक दी थी। क्या है एलियन एनिमीज एक्ट एलियन एनिमीज एक्ट एक युद्ध कालीन कानून है। इसके तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को शत्रु देशों के नागिरकों को हिरासत में लेने या फिर देश से बाहर निकालने का अधिकार है। यह कानून 1798 में बनाया गया था। इस कानून को आखिरीबार द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान लागू किया था। इसके बाद अब ट्रम्प ने इस कानून का प्रयोग वेनेजुएला के लोगों के ऊपर कर रहे हैं।

अमेरिका के सेंट लुइस में भीषण तूफान के कारण कम से कम सात लोगों की मौत

सेंट लुइस। अमेरिका के सेंट लुइस में भीषण तूफान के कारण कम से कम सात लोगों की मौत हो गई तथा फंसे हुए या घायल लोगों का पता लगाने के लिए तलाश एवं बचाव अभियान जारी है। शुक्रवार अपराह्न आए तूफान के कारण इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं, पेड़ एवं बिजली के तार और खंभे गिर गए।

अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। सेंट लुइस की मेयर कैरा स्पेंसर ने मीडिया से बातचीत के दौरान कम से कम सात लोगों की मौत होने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि शुक्रवार रात तूफान और बवंडर के कारण पांच हजार से अधिक मकान प्रभावित हुए तथा लगभग एक लाख लोगों को बिना बिजली के रहना पड़ा। स्पेंसर ने कहा, ''यह वाकई विनाशकारी है।'' उन्होंने कहा कि शहर में आपात स्थिति घोषित करने की प्रक्रिया जारी है और जिन इलाकों में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है वहां शुक्रवार को रातभर का कर्फ्यू लगा दिया गया। घायलों की संख्या का तत्काल पता नहीं चल पाया है। 'बार्न्स-जूइश' अस्पताल की प्रवक्ता लॉरा हाई के अनुसार, अस्पताल में तूफान के कारण घायल हुए 20 से 30 लोगों को भर्ती कराया गया, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है, जबकि अधिकतर को शुक्रवार रात तक छुट्टी मिलने की उम्मीद है।

उन्होंने बताया कि 'सेंट लुइस चिल्ड्रंस हॉस्पिटल' में 15 मरीज भर्ती हुए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, सेंट लुइस क्षेत्र मे मिसौरी के क्लेटन में अपराह्न दो बजकर 30 मिनट से दो बजकर 50 मिनट के बीच भीषण तूफान आया।

अमेरिका: लास वेगास के जिम में गोलीबारी में संदिग्ध हमलावर समेत दो लोगों की मौत, कई अन्य घायल

लास वेगास। अमेरिका के लास वेगास शहर में एक जिम में शुक्रवार को हुई गोलीबारी की घटना में संदिग्ध हमलावर समेत दो लोगों की मौत हो गई और कम से कम तीन अन्य लोग घायल हो गए। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी।

'लास वेगास मेट्रोपॉलिटन पुलिस' के 'अंडरशेरिफ' एंड्रयू वाल्श ने बताया कि यह

घटना 'लास वेगास एथलेटिक क्लब' में हुई जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने सोशल मीडिया पर एक 'पोस्ट' में बताया कि गोलीबारी की घटना में संलिप्त संदिग्ध की भी स्थानीय अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस विभाग के एक प्रवक्ता ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि घायल हुए तीन लोगों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है जिनमें से एक की हालत गंभीर है। अधिकारियों ने बताया कि वे इस बात का पता लगाने के प्रयास कर रहे हैं कि गोलीबारी किस वजह से की गई।

घटना की दौरान जिम में मौजूद क्लाउडियो विगानी नाम के व्यक्ति ने 'केएलएएस-टीवी' से कहा कि उन्होंने (हमलावर ने) कहा कि बाहर निकलो, बाहर निकलो। फिर मैंने मशीन के पास एक व्यक्ति को मृत अवस्था में देखा।

पाक में अहमदिया समुदाय के डाक्टर की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अब अहमदिया समुदाय पर भी हिंसा होना शुरू हो गई है। बीती रात अहमदिया समाज के वरिष्ठ डाक्टर शेख महमूद की गोली मारकर हत्या कर दी गई। एक हमलावर उनके क्लीनिक में घुसा और गोलियों की बौछार कर दी।

हमलाकर मौके से फरार होने में सफल रहा। पिछले दो महीने में अहमदिया समुदाय के तीसरे व्यक्ति की हत्या है। जमात ए अहमदिया पाकिस्तान (जेएपी) के मुताबिक घटना पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के सरगोधा में शुक्रवार देर शाम की है। डा. शेख महमूद अपने क्लीनिक पर थे। तभी उन पर हमला कर दिया गया। डाक्टर की हत्या करने में तहरीक ए पाकिस्तान का हाथ होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। उनकी हत्या को लेकर मानवाधिकार समूहों ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है।

युद्ध के दौरान इजराइली सेना को एआई सेवाएं दीं: माइक्रोसॉफ्ट

वाशिंगटन। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी 'माइक्रोसॉफ्ट' ने स्वीकार किया कि उसने गाजा में युद्ध के दौरान इजराइली सेना को उन्नत कृत्रिम मेधा (एआई) और 'क्लाउड कंप्यूटिंग' सेवाएं बेचीं जिसने इजराइली बंधकों का पता लगाने एवं उन्हें बचाने के प्रयासों में सहायता की लेकिन कंपनी ने यह भी कहा कि उसे आज तक इस बात का कोई सबूत नहीं मिला है कि उसके 'एज्योर' मंच एवं एआई प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल गाजा में लोगों को निशाना बनाने या उन्हें नुकसान पहुंचाने के लिए किया गया।

'माइक्रोसॉफ्ट' की कॉरपोरेट वेबसाइट पर एक 'ब्लॉग पोस्ट' में यह बात स्वीकार की गई है। इस पोस्ट के नीचे किसी के हस्ताक्षर नहीं है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह युद्ध में कंपनी की भागीदारी की पहली सार्वजनिक स्वीकृति है। हमास द्वारा इजराइल में लगभग 1,200 लोगों की हत्या किए जाने के बाद यह युद्ध शुरू हुआ था और इसके कारण इजराइली जवाबी कार्रवाई में गाजा में हजारों लोग मारे गए। 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) द्वारा करीब तीन महीने पहले की गई जांच में सामने आया था कि अमेरिकी कंपनी 'माइक्रोसॉफ्ट' की इजराइली रक्षा मंत्रालय के साथ घनिष्ठ साझेदारी है और सात अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा किए गए हमले के बाद वाणिज्यिक एआई उत्पादों का सैन्य उपयोग लगभग 200 गुना बढ़ गया था।

एपी ने बताया था कि इजराइली सेना बड़े पैमाने पर निगरानी के माध्यम से एकत्र की गई खुफिया जानकारी को लिखने एवं अनुवाद करने के लिए 'एज्योर' का उपयोग करती है। यह साझेदारी इजराइल, यूक्रेन और अमेरिका सहित विभिन्न देशों में उपयोग के लिए कृत्रिम मेधा उत्पादों को सेनाओं को बेचने के प्रौद्योगिकी कंपनियों के बढ़ते प्रयासों को दर्शाती है। मानवाधिकार समूहों ने चिंता जताई है कि एआई प्रणालियां त्रुटिपूर्ण हो सकती हैं लेकिन इनका उपयोग यह निर्णय लेने में किया जा रहा है कि किसे या किस चीज को लक्षित किया जाए जिसके परिणामस्वरूप निर्दोष लोगों की मौत हो रही है। 'माइक्रोसॉफ्ट' ने बृहस्पतिवार को कहा कि कर्मचारियों की चिंताओं और कई मीडिया खबरों के कारण कंपनी ने आंतरिक समीक्षा शुरू करने और 'अतिरिक्त तथ्यान्वेषण' के लिए एक बाहरी कंपनी को नियुक्त किया। बयान में बाहरी कंपनी का नाम नहीं बताया गया और न ही उसकी रिपोर्ट की प्रति उपलब्ध कराई गई।

कंपनी के बयान में कहा गया है कि उसने इजराइली सेना को सॉफ्टवेयर, पेशेवर सेवाएं, 'एज्योर क्लाउड स्टोरेज' और भाषा अनुवाद सहित 'एज्योर' एआई सेवाएं प्रदान कीं तथा बाहरी खतरों से इजराइली 'साइबरस्पेस' की सुरक्षा करने के लिए उसकी सरकार के साथ मिलकर काम किया। 'माइक्रोसॉफ्ट' ने कहा कि उसने सात अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा बंधक बनाए गए 250 से अधिक लोगों को बचाने में मदद के प्रयास के तहत इजराइल को 'हमारे वाणिज्यिक समझौतों की शर्तों से परे हमारी प्रौद्योगिकियों तक विशेष पहुंच' और 'सीमित आपातकालीन सहायता' भी प्रदान की। कंपनी ने कहा कि हमारा मानना है कि कंपनी ने अपने सिद्धांतों का सावधानी से और सोच समझकर पालन किया ताकि बंधकों के जीवन को बचाने में मदद मिल सके और साथ ही गाजा में आम नागरिकों की गोपनीयता एवं अन्य अधिकारों का सम्मान भी किया जा सके। 'माइक्रोसॉफ्ट' के अलावा इजराइली सेना ने गूगल, अमेजन, पैलंटिर और कई अन्य प्रमुख अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ क्लाउड या एआई सेवाओं के लिए व्यापक अनुबंध किए हैं।

'माइक्रोसॉफ्ट' ने कहा कि इजराइली सेना अन्य ग्राहकों की तरह कंपनी की स्वीकार्य उपयोग नीति और एआई आचार संहिता का पालन करने के लिए बाध्य है जो किसी भी तरह से नुकसान पहुंचाने के लिए उत्पादों के कानून द्वारा निषिद्ध उपयोग को प्रतिबंधित करती है। कंपनी ने कहा कि उसे 'कोई सबूत नहीं' मिला है कि इजराइली सेना ने इन शर्तों का उल्लंघन किया है।

सलमान रुश्दी की आंख में चाकू मारने वाले को 25 साल की सजा

न्यूयॉर्क। सलमान रुश्दी की आंख पर चाकू से हमला करने वाले अपराधी को शुक्रवार को 25 साल की सजा सुनाई गई। सलमान रुश्दी की आंख पर हमला करने वाले अपराधी हादी मतार को हत्या के प्रयास का दोषी मानते हुए न्यूयॉर्क की मेविल अदालत में जज डेविड फोले ने सजा सुनाई। रुश्दी पर हमला यहीं हुआ था।

हादी को फरवरी में राज्य के कानूनों के तहत दोषी ठहराया गया था, और उस पर संघीय कानूनों के तहत अलग-अलग आतंकवाद के आरोप हैं। 27 वर्षीय मतार को भी सात साल की सजा मिली है जो मुख्य सजा के साथ-साथ चलेगी। चौटाउक्वा काउंटी के जिला अभियोजक जेसन श्मिट ने सजा सुनाए जाने के बाद कहा कि मैं जज द्वारा लगाई गई सजा से खुश हूं। मतार के वकील नाथनियल बैरोन ने कहा कि वे इस फैसले के खिलाफ अपील दायर करेंगे। मतार ने अगस्त 2022 में चौटाउक्वा इंस्टीट्यूशन में मंच पर सलमान रुश्दी पर हमला किया था। रुश्दी की दाईं आंख पर कई बार चाकू से हमला किया गया।

इस वजह से उन्हें यह आंख गंवानी पड़ी थी। हमले के दौरान हेनरी रीज़ भी घायल हुए थे। हेनरी सताए गए लेखकों को शरण देने के लिए एक कार्यक्रम चलाते हैं। रुश्दी ने 2024 में प्रकाशित एक संस्मरण 'नाइफ' में हमले और उसके बाद की घटनाओं का विवरण दिया था। सलमान रुश्दी पर हमले की शुरुआत 1989 में हुई थी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खुमैनी ने रुश्दी की मौत का फतवा जारी किया था। खुमैनी रुश्दी के उपन्यास 'द सैटेनिक वर्सेज' को ईशनिंदा बताते हुए फतवा जारी किया था। फतवे की वजह से रुश्दी कई सालों तक ब्रिटिश अधिकारियों के संरक्षण में छिपने को मजबूर थे।